THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 31 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ. 1 2083 शनिवार, 2 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

पंजाब में आप सरकार फ्लोर टेस्ट में पास

चंडीगढ़, 1 मई (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। 94 में से 88 विधायकों ने सरकार के पक्ष में वोट दिया। वहीं 4 विधायक गैरहाजिर रहे, जबकि 2 विधायक लालजीत सिंह भुल्लर और हरमीत सिंह पठानमाजरा जेल में बंद हैं। इस दौरान कांग्रेस, बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल के विधायक मौजूद नहीं रहे। सीएम भगवंत मान ने कहा कि इसकी कॉपी राष्ट्रपति के पास लेकर जाऊंगा। इससे पहले उस वक्त हंगामा हो गया, जब नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने स्पीकर को पत्र देकर सीएम और सभी विधायकों का डोप टेस्ट कराने की मांग की। स्पीकर ने इस मांग को ठुकरा दिया।

15 केंद्रों पर आज होगा पुनर्मतदान

कोलकाता, 1 मई (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर और मगरा हाट पश्चिम क्षेत्रों के 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। आयोग के निर्देशानुसार इन सभी केंद्रों पर 2 मई को दोबारा मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह सात बजे से होगा। इन 15 मतदान केंद्रों में डायमंड हार्बर के चार और मगराहाट पश्चिम के 11 मतदान केंद्र शामिल हैं, जहां पर फिर से शनिवार को वोटिंग होगी। आयोग ने यह फैसला मतदान के दौरान मिली शिकायतों और अनियमितताओं की रिपोर्ट के आधार पर लिया है। जिन बूथों पर गड़बड़ी की आशंका जताई गई थी।

राज्य में मतगणना से पहले सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि स्ट्रॉन्ग रूम की चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ईवीएम जिन स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई हैं, वहां लगातार निगरानी हो रही है और आम लोग भी बाहर से लगे मॉनिटर के जरिए स्थिति देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस कारण और सबूत के आरोप लगाना उचित नहीं है।

स्ट्रांग रूम के पास भीड़ लगाने पर रोक

टीएमसी का आरोप- ईवीएम से छेड़छाड़, चुनाव आयोग बोला- 3 लेवल की सिक्योरिटी में यह नामुमकिन

कोलकाता, 1 मई (एजेंसियां)। भाजपा नेता और भवानीपुर से उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में जाएंगे। गुरुवार रात 8 बजे सीएम ममता बनर्जी भी इसी ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचीं थीं और करीब 4 घंटे अंदर रहीं। दरअसल टीएमसी ने गुरुवार रात चुनाव अधिकारियों पर बिना सूचना दिए ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम खोलने और वहां संदिग्ध लोग मौजूद होने के आरोप लगाए थे। स्ट्रॉन्ग रूम से बाहर आकर ममता ने कहा था, 'अगर ईवीएम लूटने और मतगणना में हेरफेर की कोशिश हुई तो हम जान की बाजी लगा देंगे। चुनाव के ऐलान के बाद से राज्य की पुलिस चुनाव आयोग के दबाव में काम कर रही है। रोजाना पुलिस को सस्पेंड करने और केस लगाने को लेकर डराया जा रहा है।

पूरा विवाद एक वीडियो के बाद शुरू हुआ था, जिसे टीएमसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। टीएमसी का दावा है कि वीडियो में चुनाव आयोग के अधिकारी भाजपा के लोगों के साथ बैलट बॉक्स खोलने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि पोस्टल बैलेट की छंटाई हो रही थी। सभी ईवीएम सुरक्षित हैं।

टीएमसी ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा- यह दिन-दहाड़े लोकतंत्र की हत्या है। सीसीटीवी फुटेज से यह सामने आया है कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर बिना अधिकृत पार्टी प्रतिनिधियों की मौजूदगी के बैलेट बॉक्स खोल रही है। यह खुला चुनावी घोटाला है, जो चुनाव आयोग की जानकारी और संरक्षण में किया जा रहा है।

टीएमसी नेता शांतनु सेन ने कहा- ईसी को दिखाए गए वीडियो में टीएमसी के प्रतिनिधि को दिखाना चाहिए। हर पार्टी के प्रतिनिधि को वहां मौजूद होना चाहिए। अगर वहां पर्याप्त सुरक्षा थी, तो उन्होंने 48 घंटे बाद सुरक्षा क्यों बढ़ाई।

ईरान पर हमला कर सकता है अमेरिका

बचे हुए ईरानी नेता टारगेट पर, सेना ने ट्रम्प को प्लान बताया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 1 मई (एजेंसियां)। अमेरिका पहली बार ईरान के खिलाफ हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है।

एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रम्प के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रम्प दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान की बची हुई सैन्य ताकत, उसके नेता और अहम ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) को निशाना बनाया जा सकता है।

रक्षा मंत्रालय कुछ नए और एडवांस हथियार इस्तेमाल करने पर भी विचार कर रहा है। इनमें 'डार्क ईगल' नाम की हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल है। यह मिसाइल करीब 2,000 मील (करीब 3,200 किलोमीटर) दूर तक निशाना साध सकती है और ईरान के बचे हुए बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चरों को टारगेट कर सकती है।

इसके अलावा, बी-1बी लांसर बॉम्बर विमानों की मौजूदगी भी इलाके में बढ़ाई जा रही है। ये विमान भारी मात्रा में हथियार ले जाने में सक्षम हैं और हाइपरसोनिक हथियार भी ले जा सकते हैं।

मतगणना से पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम कोलकाता उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ उठाया गया है। उच्च न्यायालय ने 30 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया था। यह याचिका पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से संबंधित थी। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना में पर्यवेक्षकों की तैनाती पर आपत्ति जताई थी। पार्टी ने केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पर्यवेक्षक बनाने के फैसले को चुनौती दी थी। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारी भी शामिल थे।

तृणमूल कांग्रेस का मानना था कि यह फैसला निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने अपनी याचिका में इस पर गंभीर सवाल उठाए थे। पार्टी ने तर्क दिया था कि यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। अब तृणमूल कांग्रेस ने इस महत्वपूर्ण मामले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाने का निर्णय लिया है।

सुवेंदु अधिकारी ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचे

कोलकाता, 1 मई (एजेंसियां)। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार शाम 6.30 बजे कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। वे यहां करीब 10 मिनट रुके। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में गुरुवार रात को सीएम ममता बनर्जी 4 घंटे बैठी रही थीं। दरअसल टीएमसी ने चुनाव अधिकारियों पर बिना सूचना दिए ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम खोलने, ईवीएम से छेड़छाड़ और वहां संदिग्ध लोग मौजूद होने के आरोप लगाए हैं। उधर, कोलकाता के सात ईवीएम स्ट्रॉन्गरूम में सिक्योरिटी सख्त कर दी गई है। पुलिस ने 200 मीटर के दायरे में 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। सेंट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्सेस (सीएपीएफ) की करीब 700 कंपनियां तैनात की गई हैं। प्रशासन ने यह फैसला खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर गुरुवार रात टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के 5 घंटे विरोध-प्रदर्शन के बाद लिया गया है।

अभिषेक सिंघवी पर बरसे हिमंता

गुवाहाटी, 1 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी के बीच जुबानी जंग अब बेहद तल्ख हो गई है। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सिंघवी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी से भी लोकतंत्र या सार्वजनिक विमर्श पर मर्यादा की सीख लेने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री सरमा ने सिंघवी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, मुझे किसी से भी लोकतंत्र, सार्वजनिक संवाद या शालीनता पर सबक सीखने की आवश्यकता नहीं है, विशेष रूप से अभिषेक सिंघवी से। सरमा ने इस विवाद के केंद्र में एक महिला के सम्मान का मुद्दा उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा को निशाना बनाया जा रहा है, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

हिमंत बिस्वा सरमा ने विश्वास जताया कि न्यायपालिका इस जालसाजी का संज्ञान लेगी। उन्होंने लिखा, मुझे पूरा भरोसा है कि अदालतें इस पर गौर करेंगी। चुनावी नतीजों को प्रभावित करने के लिए झूठे दस्तावेजों के जरिए एक महिला की छवि बिगाड़ने वाले को उसके इस दुस्साहस के लिए सजा जरूर मिलेगी।

पवन खेड़ा केस में हिमंता बिस्व सरमा पर 'पेड़ा' पड़ा भारी

> सुप्रीम कोर्ट के बेल ऑर्डर में असंसदीय टिप्पणियों का जिक्र

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत देते हुए टिप्पणी की है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने हालिया विधानसभा चुनावों के दौरान उनके खिलाफ कुछ असंसदीय टिप्पणियां की हैं। सर्वोच्च अदालत के मुताबिक खेड़ा के खिलाफ मुख्यमंत्री की पत्नी की ओर से दर्ज मानहानि और धोखाधड़ी केस में इसके पीछे पॉलिटिकल एंगल की झलक मिलती है।

लाइव लॉ के अनुसार जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर ने अपनी टिप्पणी में कहा कि इस केस में पवन खेड़ा और मुख्यमंत्री के बीच आरोप-प्रत्यारोप शामिल हैं, जो कि राजनीतिक रंजिश की वजह से है और इस स्तर पर ऐसी स्थिति नहीं आई है, जिसके चलते आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करना जरूरी हो।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणियां कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मंजूर करते हुए की हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा है कि पवन खेड़ा ने हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी पिंकी भुइयां सरमा के खिलाफ जो आरोप लगाए हैं, वह सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए लगाए गए प्रतीत होते हैं, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उसके जवाब में उनके लिए सीएम ने असंसदीय टिप्पणियां की हैं।

हालांकि, प्राथमिक तौर पर ऐसा लगता है कि सिर्फ अपनी पार्टी के पक्ष में थोड़े राजनीतिक फायदे के लिए, (पवन खेड़ा) याचिकाकर्ता ने यह बयान दिया।

केंद्र ने नागरिकता नियमों में बदलाव किए

सरकार बोली- यह अधिकार नहीं, विशेषाधिकार

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन करना होगा।

साथ ही फिजिकल कार्ड के साथ ई-ओसीआई दस्तावेज की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया ज्यादा सरल और डिजिटल हो जाएगी।

नए नियमों में साफ किया गया है कि कोई नाबालिग एक साथ भारतीय और विदेशी पासपोर्ट नहीं रख सकता। यह प्रावधान दोहरी नागरिकता से जुड़े मामलों में स्पष्टता लाने के लिए जोड़ा गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ओसीआई स्टेटस एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। यदि कोई धारक भारतीय कानूनों का उल्लंघन करता है, तो उसका ओसीआई रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है।

ओसीआई कार्ड धारकों को भारत में आजीवन मल्टीपल एंट्री वीजा, आर्थिक और शैक्षणिक सुविधाएं मिलती हैं। हालांकि सरकार ने दोहराया है कि ओसीआई धारकों को वोटिंग या संवैधानिक पदों जैसे राजनीतिक अधिकार नहीं मिलते।

सरकार ने पहले ही नियम सख्त करते हुए कहा था कि यदि किसी ओसीआई धारक को 2 साल या उससे अधिक की सजा होती है या 7 साल या उससे ज्यादा सजा वाले अपराध में चार्जशीट होती है, तो उसका रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है।

'हमारे फैसले सोनिया गांधी लेती हैं'

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद पर बदलाव को लेकर खड़गे का बड़ा बयान

कलबुर्गी, 1 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने साफ कहा है कि फिलहाल सिद्धारमैया ही सीएम रहेंगे। हालांकि, अपने बयान में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि हमारे फैसले सोनिया गांधी लेती हैं। उनके बयान को लेकर भाजपा ने उन्हें कटघरें में लाकर खड़ा कर दिया है। यहां तक कि उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष होने तक पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वरिष्ठ नेतृत्व से परामर्श के बाद ही लिए जाते हैं निर्णय :

खड़गे ने कहा कि मुख्यमंत्री पद में बदलाव की बात हर दिन होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति अध्यक्ष के रूप में वह, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मिलकर यह निर्णय लेंगे। कांग्रेस आलाकमान प्रमुख संगठनात्मक और राजनीतिक मामलों पर निर्णय से पहले वरिष्ठ नेतृत्व से परामर्श करता है। खड़गे ने कहा कि वे सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर जोर देते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोनिया गांधी या

राहुल गांधी की भागीदारी के बिना कोई निर्णय नहीं होता।

आलाकमान के भीतर व्यापक चर्चा होती है और वरिष्ठ नेताओं से परामर्श किया जाता है। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई तारीख तय नहीं हुई है, इसलिए किसी भी बदलाव पर अटकलें लगाना जल्दबाजी होगी। खड़गे ने आगे कहा कि एक बार निर्णय लेने के बाद यह कर्नाटक के सर्वोत्तम हित में होगा। उन्होंने सभी से पार्टी नेतृत्व के अंतिम निर्णय का सम्मान करने का आग्रह किया।

कर्नाटक कांग्रेस में आंतरिक मतभेद :

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार नेतृत्व-साझाकरण व्यवस्था को लेकर आंतरिक मतभेदों का सामना कर रही है। यह विशेष रूप से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों के बीच है। पार्टी के कुछ वर्गों ने कथित 2023 के सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला देते हुए शिवकुमार को शेष कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। इस नेतृत्व की खींचतान के कारण राज्य सरकार में स्थिरता बनाए रखने के लिए सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच कई दौर की चर्चाएं हुई हैं।

नवंबर में कर्नाटक सरकार ने पार किया आधा पड़ाव :

यह मुद्दा पिछले साल नवंबर में सरकार के पांच साल के कार्यकाल का आधा पड़ाव पार करने के बाद गति पकड़ गया। सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ-साथ गृह मंत्री जी परमेश्वर को भी कर्नाटक कांग्रेस इकाई के भीतर आंतरिक नेतृत्व की गतिशीलता में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। खड़गे ने गुरुवार को कहा था कि कांग्रेस आलाकमान जल्द ही कर्नाटक में नेतृत्व की अनिश्चितता को हल करने की उम्मीद कर रहा है। यह संगठनात्मक आकलन के आधार पर सिद्धारमैया को पद पर जारी रखने या मंत्रिमंडल में फेरबदल को मंजूरी देने से हो सकता है।

वैश्विक तनाव और महंगे क्रूड का असर

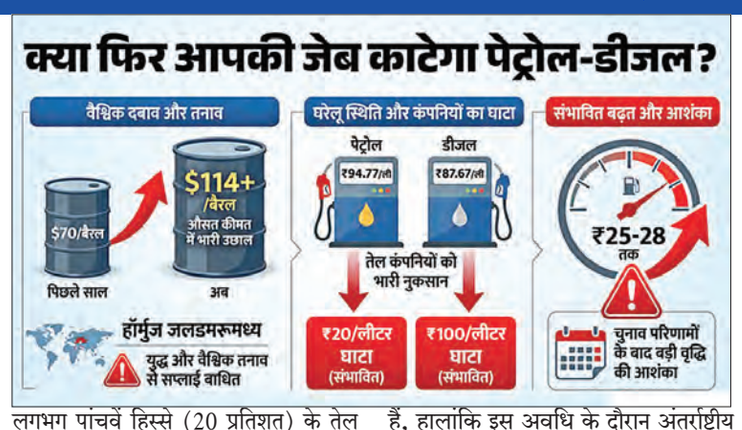

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल और भू-राजनीतिक तनाव के बाद, भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में जल्द ही बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि लगभग चार साल से खुदरा कीमतों पर लगी रोक के कारण तेल कंपनियों को हो रहे भारी घाटे को देखते हुए निकट भविष्य में कीमतों में इजाफा होने की पूरी संभावना है।

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल में उबाल

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें इस सप्ताह 126 डॉलर प्रति बैरल के चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थीं। हालांकि बाद में इनमें थोड़ी नरमी आई, लेकिन यह 110 डॉलर प्रति बैरल के पार बनी हुई हैं। इस उछाल का प्रमुख कारण 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किया गया हमला और उसके बाद तेहरान की जवाबी कार्रवाई है, जिसने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी ढंग से बंद कर दिया है।

यह मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है, जो फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ता है और दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से (20 प्रतिशत) के तेल व्यापार के साथ-साथ तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की महत्वपूर्ण मात्रा को संभालता है। इसके अलावा, रुकी हुई शांति वार्ता के बीच अमेरिकी तथा ईरानी नेताओं के बीच लगातार हो रही बयानबाजी से भी आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। स्थिति यह है कि पिछले साल जो कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल था, इस महीने उसका औसत 114 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है।

तेल कंपनियों का बढ़ता घाटा :

अप्रैल 2022 की शुरूआत से देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें स्थिर हैं, हालांकि इस अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, वैश्विक कीमतों में उछाल के बावजूद पंप की कीमतें लगभग चार वर्षों तक स्थिर रहने के कारण सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को पेट्रोल पर लगभग 20 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर लगभग 100 रुपये प्रति लीटर का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। हालांकि, जब अतीत में कच्चे तेल के दाम गिरे थे, तब सरकारी तेल कंपनियों ने अच्छा मुनाफा कमाया था, जिसका इस्तेमाल उन्होंने दरें बढ़ने पर होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए किया था।

व्यावसायिक ईंधन की कीमतों में पहले ही हो चुका है इजाफा :

इससे पहले इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने उद्योग की ओर से बयान देते हुए कहा था कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा लागत में वृद्धि के बावजूद पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की दरें नहीं बढ़ाई जा रही हैं। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों ने लागत को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइनों को बेचे जाने वाले जेट ईंधन, कमर्शियल एलपीजी, इंडस्ट्रियल डीजल और 5-किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि कर दी है। विश्लेषकों ने 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मतदान समाप्त होने के बाद ही 25 से 28 रुपये प्रति लीटर तक की मूल्य वृद्धि की संभावना जता दी थी।

वर्तमान में क्या हैं कीमतें :

वर्तमान में दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की कीमत 87.67 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ है।

'यूएई ने खींचे हाथ, भारत के डील से हटने के संकेत'

राफेल जेट पर अलग-थलग पड़ रहा फ्रांस

पेरिस, 1 मई (एजेंसियां)। फ्रांस का राफेल एफ5 फाइटर जेट के प्रोग्राम के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इस प्रोग्राम को आने वाले समय में फ्रांस की एयरपावर और डिफेंस इंडस्ट्रियल स्ट्रैटेजी का आधार माना जा रहा था लेकिन यह परवान चढ़ने से पहले ही मुश्किल में पड़ गया है। इस प्रोग्राम को संयुक्त अरब अमीरत (यूएई) से बड़े पैमाने पर फंडिंग मिलनी थी लेकिन यूएई पीछे हट गया है। वहीं इन विमानों के बड़े ग्राहक भारत से भी फ्रांस का तकनीक ट्रांसफर के मुद्दे पर मतभेद गहरा गया है।

डिफेंस-24 की रिपोर्ट के मुताबिक, राफेल की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर विवाद पर यूएई के प्रोग्राम से पीछे हटने के फैसले ने ऑप्ट्रॉनिक्स जैसे एरिया में फ्रांस के डिफेंस कोऑपरेशन में लिमिट को सामने ला दिया है। फ्रांस की टेक्नोलॉजी शेयर करने में हिचकिचाहट की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। उसने यूएई के तौर पर एक ऐसे पार्टनर को खो दिया है, जो डेवलपमेंट प्रोग्राम में अरबों यूरो का योगदान देने को तैयार था।

राफेल को लेकर भारत ने कई मुद्दों पर नाखुशी जाहिर की है। भारत ने 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने पर बातचीत में कुछ मुद्दों पर जोर दिया है। भारत ने साफ कर दिया है कि एयरक्राफ्ट के डिजिटल आर्किटेक्चर के जरूरी एलिमेंट्स (इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट भी शामिल) तक एक्सेस के बिना डील नहीं की जाएगी।

भारत के नजरिए से राफेल की डील सिर्फ प्रोक्योरमेंट नहीं बल्कि स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी का सवाल है। इंटीग्रेशन और सॉफ्टवेयर पर कंट्रोल के बिना सबसे एडवांस्ड प्लेटफॉर्म के डिपेंडेंसी बनने का रिस्क है। ऐसे में भारत ने फ्रांस जरूरी सोर्स कोड और इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट (आईसीडी) के बिना 43 अरब की संभावित डील से पीछे हटने का संकेत दिया है।

राफेल के मुद्दे पर यूएई और भारत के रुख से फ्रांस को अपने इस प्रोग्राम में 'अलगाव' का सामना करना पड़ रहा है।

बीजेपी सांसद हेमंत सावरा की कार का एक्सीडेंट एयरबैग ने बचाई जान

ठाणे, 1 मई (एजेंसियां)। सांसद एवं भाजपा के नेता हेमंत विष्णु सावरा को ले जा रही एक कार शुक्रवार तड़के महाराष्ट्र के ठाणे शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पालघर से सांसद सावरा इस हादसे में बाल-बाल बच गए लेकिन कार ड्राइवर मामूली रूप से घायल हुआ है। यह हादसा घोडबंदर रोड पर हुआ। कार गुजरात की ओर जा रही थी तभी विपरीत दिशा से आ रहे डंपर से उसकी टक्कर हो गई। कार के एयरबैग तुरंत खुल गए जिससे उसमें सवार लोग बच गए।

बताया जा रहा है कि सांसद की गाड़ी मुंबई से गुजरात वाली लेन में रॉन्ग साइड से आ रही थी, उसी दौरान मुंबई की लेन में जा रहे एक डंपर से उनकी इनोवा कार की जोरदार टक्कर हो गई। कार के एयरबैग तुरंत खुल गए जिससे उसमें सवार लोग बच गए। इस हादसे में गाड़ी को भारी नुकसान हुआ है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें सांसद सवरा और क्षतिग्रस्त कार नजर आ रही है।

हौज खास डियर पार्क से घटाई जाए हिरणों की भीड़

सुप्रीम कोर्ट का अहम आदेश

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के हौज खास स्थित ए एन झा डियर पार्क में हिरणों की बढ़ती संख्या और सीमित संसाधनों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश जारी किया है। 27 अप्रैल को दिए गए फैसले में अदालत ने स्पष्ट किया कि पार्क में अधिकतम 38 हिरण ही रखे जा सकते हैं, जबकि शेष को चरणबद्ध तरीके से उपयुक्त वन्यजीव अभयारण्यों में स्थानांतरित किया जाएगा। यह प्रक्रिया केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की निगरानी में तय वैज्ञानिक मानकों के अनुसार पूरी की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि हिरण जैसे वन्यजीवों को सामान्य परिस्थितियों में पिंजरों या सीमित बाड़ों में रखना न तो कानूनी रूप से उचित है और न ही पारिस्थितिक दृष्टि से।

अदालत ने कहा कि केवल अत्यंत विशेष परिस्थितियों में ही ऐसी व्यवस्था स्वीकार्य हो सकती है। यह टिप्पणी वन्यजीव संरक्षण के व्यापक सिद्धांतों को रेखांकित करती है, जिनमें जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में

सुरक्षित रखना प्राथमिकता माना जाता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व आदेश को बरकरार रखते हुए उसे अंतिम रूप दे दिया।अदालत ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को निर्देश दिया कि वह पार्क में बचे हिरणों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित स्टाफ सुनिश्चित करे।

साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि डियर पार्क का संरक्षित वन का दर्जा कायम रहना चाहिए और इसे किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह सीईसी द्वारा तैयार किए गए वन्यजीव स्थानांतरण संबंधी वैज्ञानिक दिशानिर्देशों की समीक्षा करे और आवश्यक संशोधनों के साथ उन्हें छह महीने के भीतर लागू करने पर विचार करे।

इन दिशानिर्देशों में पशुओं की पहचान और टैगिंग, सुरक्षित परिवहन, पशु चिकित्सा देखभाल, उपयुक्त आवास का चयन और स्थानांतरण के बाद निगरानी जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। ये मानक अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं, जो वैश्विक स्तर पर वन्यजीव संरक्षण के लिए मान्यता प्राप्त संस्था है।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि डियर पार्क का मिनी जू का दर्जा केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण पहले ही रद्द कर चुका है और 2021 में इसका लाइसेंस समाप्त हो गया था। ऐसे में बिना वैध मान्यता के बड़ी संख्या में वन्यजीवों को रखना कानूनी रूप से भी उचित नहीं माना गया।सीईसी ने स्थानांतरण के लिए राजस्थान के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व का निरीक्षण भी किया है, जिन्हें संभावित पुनर्वास स्थलों के रूप में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया तय मानकों के अनुसार और मानवीय तरीके से की जानी चाहिए।

इस मामले में अगली सुनवाई 19 जनवरी 2027 को निर्धारित की गई है, जिसमें अदालत निर्देशों के पालन की स्थिति की समीक्षा करेगी। यह फैसला एक बार फिर इस सिद्धांत को मजबूत करता है कि वन्यजीवों का संरक्षण उनके प्राकृतिक आवास में ही सबसे प्रभावी और टिकाऊ तरीके से संभव है।

असली कोर्ट, नकली आदेश मिजोरम में रिहा हुए 16 अपराधी जेल प्रशासन में हड़कंप

आईजोल, 1 मई (एजेंसियां)। मिजोरम के लुंगलेई स्थित जिला जेल से फर्जी कागज का इस्तेमाल कर 16 दोषियों के भागने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पिछले 4 महीनों के दौरान इन 16 दोषियों ने कोर्ट के जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से रिहा हो गए। मीडिया रिपोर्ट की माने तो यह धोखाधड़ी जनवरी में शुरू हुई थी और पिछले हफ्ते तक किसी को इसका पता तक नहीं था। वहीं, जब कोर्ट अधिकारियों को कुछ रिहाइयों को मंजूरी देने वाले रिकॉर्ड नहीं मिले, तब इसका खुलासा हो सका। इसके बाद 25 अप्रैल को एक शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया कि 13 दोषियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, और दो अभी भी फरार हैं।वहीं, एक दोषी की रिहाई के बाद मौत हो गई। इस मामले में जेल के अंदर और बाहर के लोगों की मिलीभगत से एक बड़ी साजिश होने का संदेह है। जेल अधिकारियों ने बताया कि, नकली आदेशों पर जाली मुहरें लगी थी और वे कोर्ट के निर्देशों से काफी मिलते-जुलते थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया था।

फारूक अब्दुल्ला का बड़ा बयान

गठबंधन से नहीं मिल रहा राज्य दर्जा बहाली को समर्थन, कांग्रेस पर साधा निशाना

पुलवामा, 1 मई (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर की राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन, खासकर कांग्रेस से अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनी हुई है, लेकिन गठबंधन इस मुद्दे पर एकजुट और मजबूत रुख अपनाने में विफल रहा है। जम्मू-कश्मीर के मुद्दों पर ठोस और संयुक्त रणनीति की कमी सबसे बड़ी समस्या है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन को केवल चुनावी मंच नहीं रहना चाहिए बल्कि देश और जम्मू-कश्मीर के भविष्य जैसे मुद्दों पर नियमित रूप से बैठकें करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विपक्ष अभी तक ऐसा नेतृत्व नहीं दे पाया है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सके। केंद्र सरकार पर भरोसा जताते हुए कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों ने दिया है और उम्मीद है कि चुनावी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद इस दिशा में निर्णय लिया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि बार-बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद राज्य का दर्जा बहाल नहीं होता है, तो उनकी पार्टी कानूनी विकल्पों पर भी विचार कर सकती है और सुप्रीम कोर्ट का रुख किया जा सकता है।

1 करोड़ की लूट में दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल गिरफ्तार

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में एक करोड़ रुपये की लूट के मामले में दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल गिरफ्तार किया गया है। बाड़ा हिंदू राव थाना पुलिस ने आरोपी हेड कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में पता चला कि समय सिंह मीणा 2009 बैच का सिपाही है। इस पर पहले भी तीन मुकदमे दर्ज हैं। फिर भी दिल्ली पुलिस की बटालियन में तैनात था। पुलिस के अनुसार, इस पर जो तीन मुकदमे हैं, वे सराय रोहिल्ला और चांदनी महल थाना इलाके के हैं। इसमें भी वह पकड़ा जा चुका है, उसके बाद भी दिल्ली पुलिस में तैनात था।

इसने 31 मार्च को लूट की वारदात को अपने साथियों के साथ अंजाम दिया था, जिसके बाद इसके सभी साथी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। बताया कि ये वारदात के बाद फरार हो गया था। दिल्ली पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस आरोपी को तलाशने के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का सहारा लिया गया, जिसके बाद इसकी टेक्निकल सर्विलांस के जरिए जानकारी जुटा गई।

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

उनके खिलाफ एफआईआर की मांग वाली याचिका खारिज

प्रयागराज, 1 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज हो गई। याची सिमरन गुप्ता ने ट्रायल कोर्ट संभल के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। भारतीय राज्य के संबंध में राहुल गांधी के बयान के आधार पर संभल ट्रायल कोर्ट में उन पर एफआईआर दर्ज करने के लिए सिमरन गुप्ता ने वाद दायर किया था।

ट्रायल कोर्ट के वाद खारिज किए जाने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने संभल ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। संभल की चंदौसी कोर्ट ने याचिकाकर्ता की ओर से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका को कमजोर होने के कारण खारिज कर दिया था।

सिमरन गुप्ता ने अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश चंदौसी कोर्ट की तरफ से दिए गए फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की थी। 15 जनवरी 2025 को राहुल गांधी ने कांग्रेस के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन के दौरान कहा था, हमारी लड़ाई आरएसएस, बीजेपी और खुद इंडियन स्टेट से है। उन्होंने कहा था, हमारी विचारधारा, आरएसएस की विचारधारा की तरह हजारों साल पुरानी है और हम हजारों वर्षों से आरएसएस की विचारधारा से लड़ रहे हैं। यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता नहीं है।

आईपीएल सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ पुरी से 4 गिरफ्तार, 25 लाख से अधिक नकदी जब्त

भुवनेश्वर, 1 मई (एजेंसियां)। आईपीएल-2026 के दौरान सट्टेबाजी के बढ़ते जाल पर बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर पुलिस ने पुरी में सक्रिय एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मौके से भारी मात्रा में नकदी और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। इस संदर्भ में मीडिया को जानकारी देते हुए पुरी पुलिस अधीक्षक प्रतीक सिंह ने कहा कि मसानीचंडी मंदिर के पास आइपीएल मैचों पर सट्टा लगाए जाने की गोपनीय सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर डीएसपी इंचार्ज साइबर थाना के नेतृत्व में टीम ने तत्काल छापेमारी की। छापे के दौरान कुछ लोग मौके से फरार हो गए, लेकिन चार आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रसन्न पुस्टी (38), बी नागेश्वर राव, विश्वनाथ लेंका और रमाकांत साहू शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ कि ये सभी 'स्काइएक्सचेंज' नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सट्टेबाजी का संचालन कर रहे थे।

मयूर विहार इलाके में युवक को चाकू से हमला कर किया घायल, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मयूर विहार इलाके में देर रात चाकूबाजी की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। दो लोगों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसे गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना 30 अप्रैल की रात की है, इस संबंध में करीब 10 बजे मयूर विहार पुलिस स्टेशन में कॉल आई। पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अस्पताल गए। घायल व्यक्ति की मेडिकल जांच की गई और बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि शिकायतकर्ता और घायल व्यक्ति अपने निवास स्थान के पास त्रिलोकपुरी इलाके में मौजूद थे।

भी दो हमलावर वहां पहुंचे और चाकू से घायल पर हमला कर दिया। शिकायतकर्ता के बयान और मेडिकल साक्ष्यों के आधार पर मयूर विहार पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है, और उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

1745 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

गृह मंत्री शाह ने एनसीबी को दी बधाई

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को बधाई देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हम नशीले पदार्थों के कार्टेल को पूरी तरह से कुचलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। गृह मंत्री ने लिखा कि एनसीबी ने नशीले पदार्थों के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह पर शिकंजा कसते हुए मुंबई में 1745 करोड़ रुपये मूल्य की 349 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है। यह 'बॉटम-टू-टॉप' (नीचे से ऊपर) दृष्टिकोण का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिसमें एजेंसी ने एक छोटी खेप का पता लगाते हुए एक विशाल नेटवर्क को बेनकाब किया। इस शानदार सफलता के लिए टीम एनसीबी को बधाई।

बता दें कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय नशीली दवाओं की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 1745 करोड़ रुपये मूल्य की 349 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है। यह जब्ती एक छोटे कंसाइनमेंट को ट्रैक करते हुए, बड़े नेटवर्क तक पहुंचने वाली 'नीचे से ऊपर' रणनीति का हिस्सा है। यह मामला एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़ा है। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने 28 अप्रैल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा था कि नार्को सिंडिकेट के खिलाफ जीरो टॉलरेंस। उन्होंने लिखा था कि एनसीबी ने तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने में एक बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि मोदी सरकार के ड्रग कार्टेल को पूरी तरह से खत्म करने के मिशन के तहत, हमारी नार्कोटिक्स विरोधी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मजबूत नेटवर्क के ज़रिए सीमाओं के पार भी अपनी पकड़ बना ली है। अब वे कहीं भी छिप जाएं, ड्रग सरगनाओं के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

बीते महीने 28 अप्रैल को एनसीबी की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया था कि नई दिल्ली में 1 एनसीबी जोनल डायरेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2026 का समापन हुआ, जिसमें एनसीबी की सभी फील्ड इकाइयों ने अगले तीन वर्षों में पूरे देश में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग से प्रभावी ढंग से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। एनसीबी की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया था कि एनसीबी के डीजी ने सभी अधिकारियों से आग्रह किया कि वे गृह मंत्री अमित शाह के विजन के अनुरूप, नेटवर्क-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाकर रोडमैप के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मासिक लक्ष्य हासिल करें।

हिमाचल की बस में 130 ग्राम चिट्टा बरामद, 13 साल का नाबालिग हिरासत में

कांगड़ा, 1 मई (एजेंसियां)। जिला कांगड़ा में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गगल थाना क्षेत्र के तहत बनोई पुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेकिंग के दौरान अमृतसर से बैजनाथ जा रही एचआरटीसी बस से 130.48 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने एक 13 वर्षीय नाबालिग को पकड़ा है। गगल थाना प्रभारी उधम सिंह राजपूत ने बताया कि सीआईए कांगड़ा की टीम एएसआई मनजीत सिंह के नेतृत्व में बुधवार रात करीब 9 बजे वाहनों की नियमित चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान शाहपुर की ओर से आ रही एचआरटीसी बस को रोककर तलाशी ली गई।

बस में एक नाबालिग बच्चा अकेला बैठा मिला। पूछताछ में उसकी उम्र 13 वर्ष पाई गई। बच्चे के पास मौजूद भूरा पिट्ठू बैग जब पुलिस ने जांच के लिए खुलवाया, तो उसमें से 130.48 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में नाबालिग ने खुलासा किया कि यह नशीला पदार्थ उसे अमृतसर में उसके एक रिश्तेदार ने दिया था। रिश्तेदार ने उसे बस में बैठाकर कहा था कि वह आगे चलकर उससे यह सामान ले लेगा। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है।

दिल्ली का मौसम, कब तक होगी बारिश

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में पूरे दिन कभी बारिश, कभी आंधी तो कभी धूप का मौसम बना हुआ है। हालांकि बारिश की वजह से तापमान में गिरावट जरूर दर्ज की गई है। दिल्ली समेत नोएडा और आस-पास के इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई, जिसके बाद गर्मी से राहत मिली है। दिल्ली में मौसम लगातार करवट ले रहा है। इस बीच आइये जानते हैं कि आज यानी शुक्रवार को मौसम कैसा रहेगा और आने वाले दिनों भी मौसम में क्या बदलाव होने वाला है। दिल्ली के अलावा देश के अन्य राज्यों में भी मौसम से जुड़ी हर जानकारी आप यहां देख सकते हैं।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, 'इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा उत्तरपूर्वी भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-60 किमी प्रति घंटा) के साथ व्यापक से लेकर व्यापक वर्षा होने की संभावना है, साथ ही भारी से बहुत भारी वर्षा भी हो सकती है।' मौसम विभाग ने बताया कि 3 से 6 मई के दौरान भी पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों और उससे सटे मध्य भारत में छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-60 किमी प्रति घंटा) के चलने की संभावना है। पूर्वी यूपी और तराई क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। वहीं कल यानी शनिवार से तापमान बढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं। हालांकि 4 मई से सक्रिय हो रहे नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से यूपी के कुछ इलाकों में दोबारा हल्की बारिश के आसार जताए जा रहे हैं। यूपी के अलावा बिहार और झारखंड में भी मौसम विभाग ने आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले एक सप्ताह तक बिहार और झारखंड में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई है।

बिहार में शनिवार से 70 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। कुछ इसी तरह के हालात झारखंड के भी कई हिस्सों में देखने को मिल सकते हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है।एमपी की बात करें तो यहां भी मौसम ने अचानक से करवट बदली। एक तरफ जहां लोगों को बारिश की वजह से गर्मी से राहत मिली तो वहीं किसानों की परेशानी भी बढ़ गई है। मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 घंटों में राज्य के 17 जिलों में तेज आंधी, गरज-चमक और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान मौसम विभाग ने लोगों को खुले स्थानों पर नहीं जाने की सलाह दी है।

2 किलो सोना, 15 गोल्ड लोन अकाउंट

घर में पाले 15 खूंखार कुत्ते; दिल्ली की नौकरानी का खुला रहस्य

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी महिला सोना उर्फ सोनिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला घरेलू नौकरानी का काम करती है। उसने अपने घर को खतरनाक कुत्तों (पिटबुल, अमेरिकन बुली आदि) से घेरकर "डॉग फोर्ट्रेस" बना रखा था ताकि पुलिस अंदर न आ सके। दरअसल, दिल्ली पुलिस को अप्रैल महीने में शिकायत मिली थी कि शालीबार बाग में घरेलू नौकरानी के द्वारा एक घर में गोल्ड की चोरी की गई है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पुलिस महिला तक पहुंच गई और उसे गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने चोरी के सोने के गहनों को गिरवी रखकर लगभग 5 लाख का लोन लिया था। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला के 15 गोल्ड लोन अकाउंट्स भी है। लगभग 2 किलो सोने के गहने अलग-अलग बैंक और फाइनेंस कंपनियों में ट्रेस किए गए हैं। उसके पास से 1 लाख नकद बरामद किए गए है। आरोपी महिला पहले भी कई मामलों में शामिल रही है।

उसका चोरी की वारदातों को अंजाम देने का तरीका भी ऐसा था कि सामान्य रूप से किसी को शक ही नहीं हो सकता। वह चोरी के गहनों को बैंक में गिरवी रखकर लोन लेती थी और घर में पुलिस न पहुंचे इसके लिए उसने 15 खूंखार कुत्ते पाल रखे थे। कुत्तों के डर के चलते कोई उसके घर में नहीं आ पाता था और लोग डरते थे। पुलिस को अंदर आने से रोकने के लिए खूंखार पिटबुल, अमेरिकन बुली और हाइब्रिड कुत्तों का एक सुरक्षित किला बनाया हुआ था। पुलिस की छापेमारी में उसके मुथूट फिनकॉर्प, मुथूट फाइनेंस बैंक और फेड बैंक में लगभग 2 किलोग्राम सोने के गहने मिले हैं। फिलहाल उसके सभी बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिए गए हैं।

एक साल में ईडी ने जब्त कीं 81 हजार करोड़ रुपए की संपत्तियां

दाखिल की 812 चार्जशीट, चौंकाने वाले आंकड़े उजागर

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। देश की प्रमुख जांच एजेंसी ईडी ने अपने 70वें स्थापना दिवस पर ऐसा रिपोर्ट कार्ड पेश किया, जिसने साफ कर दिया कि अब आर्थिक अपराधियों के लिए रास्ते आसान नहीं रहने वाले। ईडी डायरेक्टर ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 एजेंसी के लिए बेहद अहम रहा, जहां रिकॉर्ड स्तर पर केस दर्ज हुए, संपत्तियां जब्त की गईं और पीड़ितों को बड़ी राहत मिली। ईडी के मुताबिक इस साल कुल 812 चार्जशीट दायर की गईं, जिनमें 155 सप्लीमेंट्री चार्जशीट शामिल हैं। यह आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना है।

सबसे बड़ी बात यह रही कि ईडी का दोषसिद्धि दर 94% तक पहुंच गया है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। फिलहाल 2400 से ज्यादा मामले कोर्ट में लंबित हैं और एजेंसी को उम्मीद है कि इनमें भी ज्यादातर मामलों में आरोपियों को सजा मिलेगी संपत्ति जब्ती के मामले में भी ईडी ने बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। पिछले वित्त वर्ष में एजेंसी ने 81,422 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच कीं, जबकि अब तक कुल जब्त संपत्ति का आंकड़ा 2,36,017 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। एजेंसी का साफ कहना है कि उसका मकसद सिर्फ जांच करना नहीं, बल्कि अपराध से कमाए गए पैसे को पूरी तरह खत्म करना है ताकि अपराधी उस पैसे का इस्तेमाल दोबारा किसी गलत काम में न कर सकें। ईडी ने पीड़ितों को राहत देने में भी अहम भूमिका निभाई है। एजेंसी ने अब तक 63,142 करोड़ रुपये बैंकों, निवेशकों और होमबायर्स को वापस दिलाए हैं।

पीएसीएल मामले में ही करीब 15,581 करोड़ रुपये निवेशकों को लौटाए गए, जबकि उदयपुर के एक रियल एस्टेट केस में 200 से ज्यादा घर खरीदारों को उनकी संपत्ति वापस मिली। इन मामलों को ईडी ने अपनी बड़ी उपलब्धि बताया है, जहां लोगों को सालों बाद न्याय मिल सका। एजेंसी ने यह भी माना कि अब अपराध का तरीका तेजी से बदल रहा है। पहले जहां बैंक फ्रॉड और रियल एस्टेट घोटाले ज्यादा सामने आते थे, अब क्रिप्टोकरेंसी फ्रॉड, साइबर क्राइम, टेरर फंडिंग और ड्रग ट्रैफिकिंग जैसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ईडी अब इन मामलों में मनी ट्रेल पकड़कर अपराधियों तक पहुंच रही है।

लाल किला ब्लास्ट केस में की गई कार्रवाई को इसका उदाहरण बताया गया। विदेश भागे आर्थिक अपराधियों पर भी ईडी का शिकंजा कसता जा रहा है।भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत अब तक 54 लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है, जिनमें से 21 को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। इन मामलों में 2,178 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से एजेंसी ने अपनी प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाया है। अब ईडी के समन पर क्यूआर कोड सिस्टम लागू किया गया है, जिससे फर्जी नोटिस और धोखाधड़ी को रोका जा सके। साथ ही जांच प्रक्रिया में निगरानी और जवाबदेही भी बढ़ाई गई है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की भूमिका मजबूत होती दिख रही है। ईडी अब ग्लोबल एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और आने वाले समय में बीआरआईसी समेत कई अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर भारत की भागीदारी और बढ़ेगी।

गौतम अदाणी ने किए बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग, 1 मई (एजेंसियां)। अदाणी समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन गौतम अदाणी ने आज एक मई को केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए। साथ ही उन्होंने सोनप्रयाग से केदारनाथ तक प्रस्तावित रोपवे का एरियर सर्वे भी करेंगे। बता दें कि रोपवे के निर्माण का जिम्मा अदाणी समूह को दिया गया है। जानकारी के अनुसार गौतम अदाणी शुक्रवार सुबह दिल्ली से देहरादून पहुंचे।

इसके बाद वह निजी हेलिकॉप्टर से केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। यहां धाम पहुंचकर उन्होंने बाबा केदार की विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनकी पत्नी भी उनके साथ मौजूद रही। वीआईपी आगमन को देखते हुए केदारनाथ धाम क्षेत्र में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन ने अलर्ट रहा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शनिवार, 2 मई, 2026

सु वि चा र
सब्र सभी इन्सान में नहीं होता पर जिसमें होता है, उसे एक ना एक दिन सब्र का मीठा फल अवश्य मिलता है!

आरटीसी कर्मचारियों को बड़ी राहत
हड़ताल अवधि का वेतन जारी होगा, केस वापस होंगे
मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ऐलान

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आरटीसी कर्मचारियों की मांगों को लेकर सकारात्मक रुख अपनाते हुए बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की है कि हाल ही में हुई तीन दिन की हड़ताल अवधि का वेतन कर्मचारियों को जारी किया जाएगा और हड़ताल के दौरान दर्ज किए गए सभी केस वापस लिए जाएंगे। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यह बात आरटीसी यूनियन प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आरटीसी को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और संगठन के हित में कई सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे विपक्षी राजनीति के प्रभाव में न आएं और हड़ताल तथा धरना-प्रदर्शन से बचें।

बैठक में सरकार की ओर से कई महत्वपूर्ण योजनाओं की भी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि शमशाबाद में 150 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय स्तर का बस टर्मिनल बनाया जाएगा, जबकि गजुलारामाराम में 100 एकड़ भूमि बस टर्मिनल के लिए पहले ही आवंटित की जा चुकी है। इसके साथ ही 1000 इलेक्ट्रिक बसों को खरीदकर मेट्रो रेल नेटवर्क से बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की योजना भी तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीजल पर बढ़ते खर्च को देखते हुए इलेक्ट्रिक बसों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आरटीसी को वित्तीय संकट से बाहर निकालने और उसके संचालन को मजबूत बनाने के लिए सरकार दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आरटीसी के सभी लंबित भुगतान जल्द निपटाए जाएंगे। पीआरसी (वेतन पुनरीक्षण आयोग) को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर भी सरकार जल्द निर्णय लेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी ड्राइवर या कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी और आरटीसी को पुनर्जीवित करना सरकार की प्राथमिकता है।

डिजिटल धोखाधड़ी पर सख्ती, 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' की समीक्षा

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव ने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार तथा भारतीय रिजर्व बैंक, केंद्रीय जांच ब्यूरो और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी मामलों की समीक्षा की। बैठक में साइबर अपराधों और फर्जी बैंक खातों के जरिए हो रही ठगी पर विशेष चर्चा की गई। इस दौरान ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत चल रही कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बैंकों को निर्देश दिया कि वे भारतीय रिजर्व बैंक के एआई आधारित उपकरण म्यूलहंटरएआई को शीघ्र लागू करें, ताकि संदिग्ध खातों की पहचान कर साइबर धोखाधड़ी को रोका जा सके। बैठक में यह भी जोर दिया गया कि वित्तीय साइबर अपराध रोकने के लिए सभी एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में समन्वय, त्वरित कार्रवाई और व्यापक जन जागरूकता जरूरी है।

राज्य सरकार के सलाहकार (बीसी वेलफेयर) वी. हनुमंत राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से एमसीएचआरडी में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान राज्य में पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रारंभिक चर्चा हुई।

पांच वर्षीय बच्ची की मौत

जनगांव, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव जिले में मिशन भागीरथ के अधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण एक पांच वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जिसके बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बचन्नापेट मंडल के अलीमपुर गांव स्थित एक उच्च प्राथमिक विद्यालय में मिशन भागीरथा पाइपलाइन की मरम्मत के दौरान मजदूरों ने लगभग चार मीटर गहरा गड्ढा खोदा था, जिसे पिछले 20 दिनों से खुला छोड़ दिया गया था। लगातार रिसाव के कारण वह गड्ढा पानी से भरकर छोटे तालाब जैसा बन गया था। इसी दौरान आंगनवाड़ी सहायिका कविता की पांच वर्षीय पुत्री एलिकेट्टे मोक्षिता गलती से उस गड्ढे में गिर गई। बच्ची की बड़ी बहन दीक्षिता ने उसे गिरते हुए देखा और तुरंत अपनी मां को सूचना दी।मां ने बच्ची को बचाने के लिए गड्ढे में उतरकर उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने शव के साथ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि अधिकारियों की लापरवाही और खुले गड्ढे को बिना सुरक्षा उपायों के छोड़ने के कारण यह हादसा हुआ। प्रदर्शनकारियों ने मृतक परिवार के लिए न्याय की मांग करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

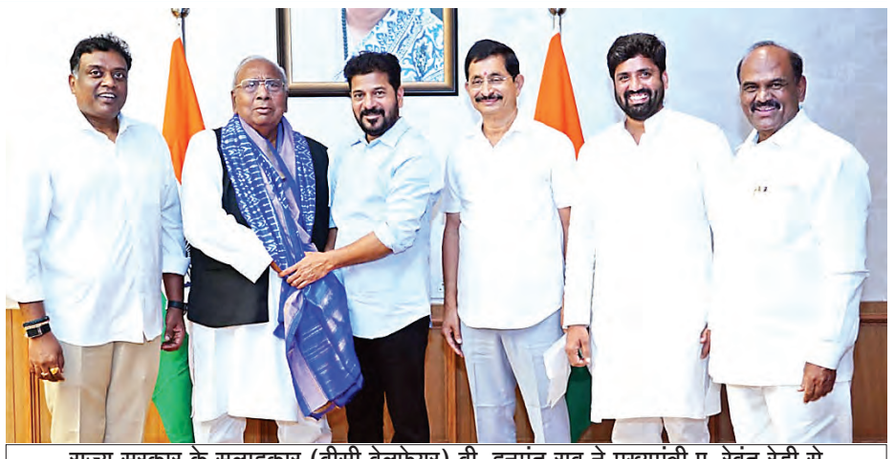

व्यावसायिक गैस मूल्य वृद्धि पर केंद्र पर बरसे उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे छोटे व्यापारी, रेहड़ी-पटरी वाले, होटल और आम जनता पर भारी बोझ पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद जानबूझकर यह बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि सरकार पहले से ही कीमतें बढ़ाने की तैयारी में थी और मतदान समाप्त होते ही इसे लागू कर दिया गया।

मंत्री ने कहा कि इस बढ़ोतरी से व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत अधिकांश महानगरों में 3000 रुपये से अधिक हो गई है, जो पहले करीब 2000 रुपये के आसपास थी।

उन्होंने बताया कि तेल कंपनियों ने इस वृद्धि का कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी को बताया है। उन्होंने कहा कि लगभग 30 से 35 प्रतिशत की इस बढ़ोतरी का सीधा असर खाद्य पदार्थों की कीमतों पर पड़ेगा और इसका भार अंततः आम लोगों को उठाना पड़ेगा। मंत्री ने कहा कि व्यावसायिक गैस का उपयोग होटल, कैफे, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसायों और सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा किया जाता है, इसलिए यह वृद्धि व्यापक प्रभाव डालने वाली है। उन्होंने इस निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार ऐसी नीतियों का विरोध करती रही है। अंत में उन्होंने केंद्र सरकार से इस बढ़ोतरी को तुरंत वापस लेने की मांग की, ताकि महंगाई के प्रभाव से आम जनता और छोटे व्यापारियों को राहत मिल सके।

इति पांडेय ने टीसीएस लंदन मैराथन में हासिल की उल्लेखनीय उपलब्धि

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने अपनी प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक सुश्री इति पांडेय, भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) 1995 बैच, को टीसीएस लंदन मैराथन 2026 में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। सुश्री इति पांडेय ने इस प्रतिष्ठित आयोजन में एक अनूठी उपलब्धि दर्ज करते हुए प्रथम महिला सिविल सेवक तथा प्रथम आईआरटीएस अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त किया है। लगभग 60,000 प्रतिभागियों वाली इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग दौड़ में 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के केवल 41 भारतीय वेटरन्स फिनिशर्स के विशिष्ट समूह में शामिल होकर उन्होंने यह विशिष्ट सम्मान अर्जित किया। यह उपलब्धि दृढ़ संकल्प, साहस, प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता का प्रेरणादायी उदाहरण है।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शाहनवाज कासिम ने पूर्वाह्न मल्टी ज़ोन-II के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने 1 मई 2026 को सुबह औपचारिक रूप से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने पर जोर देने की बात कही।

जुमेरात बाजार में एक्सपायर्ड तंबाकू बेचने वाला गिरफ्तार, 100 डिब्बे जब्त

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ने जुमेरात बाजार में छापेमारी कर एक व्यक्ति को संदिग्ध और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में एक्सपायर्ड और बिना मानक चिह्नों वाला तंबाकू जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार 30 अप्रैल 2026 को दोपहर लगभग 12:30 बजे मडिगा बंदु फंक्शन हॉल के पास नियमित जांच के दौरान यह कार्रवाई की गई। जांच में एलवी स्पेशल च्यूइंग तंबाकू के पैकेट पाए गए, जिनमें न तो निर्माण तिथि, न समाप्ति तिथि और न ही वैध बारकोड दर्ज था। कई पैकेट 2023 बैच के पाए गए, जिससे स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका जताई गई।

पुलिस ने बताया कि आरोपी मोहम्मद फिरोज अली (35 वर्ष), निवासी कुमराकी गुंबद, जियागुड़ा, ने स्वीकार किया कि उसने यह माल मलकपेट से सस्ते दामों पर खरीदा था और इसे साप्ताहिक बाजारों में बेचकर मुनाफा कमाने की योजना थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिनमें जीवन को खतरे में डालना, मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री और धोखाधड़ी शामिल हैं। कार्रवाई में लगभग 100 डिब्बे तंबाकू, जिनकी कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है, जब्त किए गए हैं। पुलिस ने कहा कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मजदूर दिवस पर गैस सिलेंडर महंगा
केटीआर ने कीमतें वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने रसोई गैस की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मजदूर दिवस के दिन गैस महंगी करना गरीब और मेहनतकश लोगों पर बोझ डालने जैसा है। तेलंगाना भवन में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने एक ही बार में गैस सिलेंडर के दाम में लगभग एक हजार रुपये तक की बढ़ोतरी कर दी है, जो अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत 3315 रुपये तक पहुंच गई है, जिससे होटल, छोटे व्यापारी और स्वरोजगार करने वाले लोगों को भारी नुकसान होगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि गैस के दाम बढ़ने से खाने-पीने की चीजें भी महंगी हो सकती हैं। इससे होटल और छोटे व्यवसाय बंद होने की स्थिति में आ सकते हैं और लाखों लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ सकता है। रामाराव ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल पर ज्यादा कर लगाकर उनकी कीमतें बढ़ा रही है, जिससे महंगाई बढ़ रही है और रुपये की कीमत कमजोर हो रही है।

अंत में उन्होंने लोगों से ईंधन की बढ़ी कीमतों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की और केंद्र सरकार से गैस, पेट्रोल और डीजल की बढ़ी हुई कीमतों को तुरंत वापस लेने की मांग की।

आउटर रिंग रोड पर भीषण हादसा, छह लोगों की मौत

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद के पास आउटर रिंग रोड पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा एग्जिट-16 के पास उस समय हुआ, जब एक कार खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार ट्रक के नीचे फंस गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। राहत और बचाव दल को शवों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

पुलिस के अनुसार हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार माना जा रहा है। कार में सवार सभी सात लोग एक ही परिवार के थे और सिरसिल्ला के निवासी थे। वे यादागिरिगुट्टा मंदिर दर्शन कर हैदराबाद लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-15-2026, दिनांक 25.04.2026
कार्य का नाम: वरिष्ठ मंडल अभियंता (DEN)/ दक्षिण/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन लोकेशन 491, 492, 494 एवं 486 में सीमित ऊंचाई के सबवे (LHS) के पहुंच मार्गों का सुधार।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 2,40,13,889.60, EMD: रु. 4,80,300.00.

(2) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-16-2026, दिनांक 25.04.2026
कार्य का नाम: वरिष्ठ मंडल अभियंता (DEN)/ दक्षिण/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन लोकेशन 471, 472, 473, 477, 479, 480, 490 एवं 493 में सीमित ऊंचाई के सबवे (LHS) के पहुंच मार्गों का सुधार।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 4,33,48,529.95, EMD: रु. 8,67,000.00.

(3) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-17-2026, दिनांक 25.04.2026
कार्य का नाम: वरिष्ठ मंडल अभियंता (DEN)/ दक्षिण/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन लोकेशन 482, 483, 484 एवं 485 में सीमित ऊंचाई के सबवे (LHS) के पहुंच मार्गों का सुधार।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 3,91,33,072.60, EMD: रु. 7,82,700.00.

कार्य समापन की अवधि: 12 (बारह) महीने (सभी क्रमांक के लिए)।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 19.05.2026 को 1500 बजे (सभी क्रमांक के लिए)।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर
PR-101/R/26-27

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME

I, Jaybhay Shahadeo Vithal, Father of No. 17006801W, NK, Jaybhay Raju Shahadeo, R/o, Dist: Ahmadnagar, Maharashtra, changed my name from Jaybhay Shahadeo Vithal to Jaybhay Shahadev Vitthal, vide Affidavit No. 466566 dt. 29.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Jaybhay Latabai Shahadeo, Mother of No. 17006801W, NK, Jaybhay Raju Shahadeo, R/o, Dist: Ahmadnagar, Maharashtra, changed my name from Jaybhay Latabai Shahadeo to Lata Shahadev Jaybhay, vide Affidavit No. 466537 dt. 29.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Bhapkar Panduran Sampat, Father of No. 17006825A, NK, Bhapkar Anil Pandurang, R/o, Dist : Pune, Maharashtra, changed my name from Bhapkar Panduran Sampat to Pandurang Sampat Bhapkar vide Affidavit No. 466552 dt. 30.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Bhapkar Chhaya Panduran, Mother of No. 17006825A, NK, Bhapkar Anil Pandurang, R/o, Dist: Pune, Maharashtra, changed my name from Bhapkar Chhaya Panduran to Chhaya Pandurang Bhapkar vide Affidavit No. 466554 dt. 30.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने शुरू किए एआई आधारित यात्री सहायता केंद्र

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से एआई आधारित नई सूचना प्रणाली भोलू मिनी और भोलू मैक्स की शुरूआत की है। इन उन्नत इंटरैक्टिव प्रणालियों का प्रदर्शन सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। महाप्रबंधक ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह तकनीक यात्रियों को तेज, सटीक और सहज जानकारी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और रेलवे सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

भोलू मिनी को मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन पर स्थापित किया गया है, जो तेलुगु भाषा में यात्रियों को जानकारी उपलब्ध कराता है। यह प्रणाली 24 घंटे सक्रिय रहती है और आवाज के माध्यम से ट्रेन की स्थिति, प्लेटफॉर्म और स्टेशन सुविधाओं से जुड़ी जानकारी देती है। वहीं भोलू मैक्स को काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर लगाया गया है, जो अधिक उन्नत प्रणाली है। इसमें स्पर्श स्क्रीन और आवाज दोनों के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह 12 भारतीय भाषाओं में सेवा प्रदान करता है और ट्रेन की स्थिति, मार्ग तथा स्टेशन सुविधाओं की जानकारी देता है।

रेलवे के अनुसार, इन प्रणालियों के उपयोग से पूछताछ काउंटर पर भीड़ कम होगी और यात्रियों को त्वरित सहायता मिलेगी। फिलहाल इनका संचालन परीक्षण के तौर पर किया जा रहा है और यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर आगे इसमें सुधार किया जाएगा। आने वाले समय में इस तरह की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों को रेलवे के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी लागू करने की योजना है।

व्यावसायिक गैस मूल्य वृद्धि जनविरोधी, तुरंत वापसी की मांग

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के उपाध्यक्ष नवाब मुजाहिद आलम खान ने व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस वृद्धि को अन्यायपूर्ण और अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 1992 रुपये का व्यावसायिक सिलेंडर लगातार बढ़ोतरी के कारण अब 3315 रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि 7 मार्च को 115 रुपये, 1 अप्रैल को 215 रुपये और 1 मई 2026 को 993 रुपये की बढ़ोतरी की गई, जिससे कीमतों में भारी उछाल आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बढ़ोतरी चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद की गई है, जिससे इसकी समय-सीमा पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनहित के बजाय राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि व्यावसायिक गैस के दाम बढ़ने से होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों पर गंभीर असर पड़ेगा। इसका बोझ अंततः आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा, जिससे महंगाई और बढ़ेगी तथा आम लोगों की परेशानियां बढ़ेंगी।

मजदूर दिवस पर रेलवे कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस 2026 के अवसर पर लगभग 100 रेलवे कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट और समर्पित कार्य के लिए सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में संगठन की अध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अमिता प्रकाश, सचिव अपर्णा मुरली, कोषाध्यक्ष वैशाली खाडे, संयुक्त सचिव रियु शर्मा तथा अन्य सदस्य और कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वंदना श्रीवास्तव ने कहा कि कर्मचारी भारतीय रेलवे की मजबूती का आधार हैं और उनके निरंतर प्रयासों से ही रेलवे का सुचारू संचालन संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि मजदूर दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि कार्यस्थल पर प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार और सम्मान की याद दिलाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण और सेवा भावना समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह एकता, जिम्मेदारी और उत्कृष्टता जैसे मूल्यों को मजबूत करती है।

महिला की गर्दन काटकर हत्या

मेरठ, 1 मई (एजेंसियां)। मेरठ में शुक्रवार सुबह महिला की गर्दन काटकर हत्या कर दी गई है। घटना लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के मजीद नगर गली नंबर 3 की है। यहां कौसर पत्नी साकिब उम्र 26 साल की गर्दन कटी लाश घर के अंदर कमरे में बेड के पास पड़ी मिली है। जिस वक्त लाश को घर में देखा गया उस वक्त कौसर का पति घर पर नहीं था वो लगभग एक घंटा पहले ही ईरिक्शा लेकर मंडी में अपने काम पर निकला था। कमरे में पत्नी कौसर उसकी 3 छोटी बेटियां ही सोई थीं।

घटना शुक्रवार सुबह 6 सेब 6.30 बजे के आसपास की बताई जा रही है। सबसे पहले मकान मालिक इसरार की पत्नी ने महिला की लाश को देखा। इसके बाद उसने अपने पति इसरार को इसकी जानकारी दी। इसरार ने महिला के पति साकिब, पुलिस और पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम हाउस खाली कर रहे नीतीश, सामान हो रहा शिफ्ट

7 सर्कुलर रोड वाला बंगला फूलों से सज रहा, लालू यादव के बनेंगे पड़ोसी

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। 20 सालों तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार का पता बदलने वाला है। पिछले दो दशकों से राज्य की सत्ता का केंद्र रहे '1 अणे मार्ग' स्थित सीएम आवास खाली हो रहा है। नीतीश कुमार अब 7 सर्कुलर रोड स्थित अपने नए आवास में शिफ्ट हो रहे हैं। शुक्रवार सुबह एक ट्रैक्टर में कुछ सामान 1 अणे मार्ग से 7 सर्कुलर रोड शिफ्ट किया जा रहा है। इसमें टेबल, चेयर, गमला, फोल्डिंग आइटम और कपड़ा स्टैंड है। वहीं 7 सर्कुलर रोड के बंगले को सजाने के लिए फूलों की माला लाई गई है। इससे पहले 10 अप्रैल को भी 1 अणे मार्ग से कुछ सामान 7 सर्कुलर रोड शिफ्ट किया गया था।

1 अणे मार्ग करीब 20 सालों तक बिहार की सियासत का केंद्र रहा है। यह बंगला कई ऐतिहासिक फैसलों और बड़ी राजनीतिक बैठकों का गवाह रहा है। नीतीश कुमार ने इसी आवास से बिहार के विकास की रूपरेखा तैयार की और दो दशक तक राज्य का शासन चलाया। नीतीश कुमार जिस 7 सर्कुलर रोड आवास में जा रहे हैं, उसे उन्होंने अपनी विशेष देखरेख में तैयार

करवाया गया है। इस बंगले की कुछ खास विशेषताएं हैं। यह बंगला आधुनिक तकनीक से बना है। बड़े भूकंप के झटकों को सहने में सक्षम है। बंगले के लॉन को खास लुक देने के लिए कोलकाता से मंगवाकर घास लगाई गई है। वर्तमान में इस आवास का उपयोग मुख्यमंत्री के कार्यालय के रूप में किया जा रहा था।

इस आवास में शिफ्ट होने के बाद नीतीश कुमार और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक-दूसरे के पड़ोसी बन जाएंगे। यहां से राबड़ी आवास बस दो घर बाद है। दोनों बंगलों के बीच की दूरी करीब 200 मीटर होगी। दोनों घर सर्कुलर रोड के दक्षिण तरफ है। नीतीश कुमार को 7 सर्कुलर रोड बंगला बेहद पसंद है।

2014 लोकसभा चुनाव हारने के बाद उन्होंने सीएम पद छोड़ दिया था। जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था। तब वे रहने के लिए 7 सर्कुलर रोड बंगले आ गए थे। इसी बंगले में रहते हुए नीतीश ने जीतन राम से मुख्यमंत्री की कुर्सी वापस ले ली थी।

विधानसभा 2015 में फिर जीत दर्ज की और मुख्यमंत्री बने थे। सीएम बनने के बाद नीतीश एक अणे मार्ग गए, लेकिन 7 सर्कुलर बंगला अपने पास ही रखा। विपक्ष ने 2 बंगले रखने का आरोप लगाया तो इसे मुख्य सचिव के नाम अलॉट किया गया। नीतीश ने अपनी देखरेख में इस बंगले को भूकंप रोधी तकनीक से लैस करवाया था। नीतीश कुमार अपने लिए नंबर 7 को लकी मानते हैं।

वह केंद्र सरकार में रेल मंत्री बने थे, तब उनके फोन नंबर का अंतिम अंक 7 था। नीतीश जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उन्हें जो गाड़ी मिली थी उसका नंबर 777 था। नीतीश ने 1977 में राजनीति शुरू की थी। 1987 में युवा लोकदल के अध्यक्ष बने थे। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को 7 निश्चय नाम दिया। अभी बिहार सरकार 7 निश्चय पार्ट-3 पर काम कर रही है।

ऊर्जा मंत्री के रिश्तेदार बनकर ठगी

कथित भाजपा नेताओं पर एफआईआर

आगरा, 1 मई (एजेंसियां)। आगरा के थाना ट्रांस यमुना में कथित भाजपा नेताओं के खिलाफ नौकरी के नाम पर 15 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने खुद को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का रिश्तेदार और प्रतिनिधि बताकर हाथरस के 5 बेरोजगार युवकों से रकम वसूली। नौकरी न लगने पर पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस ने धोखाधड़ी की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संजीव नगर, ट्रांस यमुना निवासी बजरंग दल कार्यकर्ता अनिल कुमार शर्मा ने एफआईआर कराई है। उन्होंने बताया कि लोहकरेरा, सिकंदरा निवासी गोविंद शर्मा और उसके भाई खेमचंद्र शर्मा से उनकी पहचान सोशल मीडिया पर हुई थी। दोनों खुद को भाजपा नेता बताते थे। मिलने आए तो मोबाइल में मंत्रियों के साथ फोटो दिखाकर कहा कि वे ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के रिश्तेदार और प्रतिनिधि हैं।

'बिना अपमान के इरादे के जाति से बुलाना एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं',

इलाहाबाद एचसी का बड़ा फैसला

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। देश में एससी-एसटी एक्ट को लेकर सख्त कानून है। जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने पर कड़ी सजा का प्रावधान है। इस बीच इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के एक मामले में बड़ा आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि अगर बेइज्जती या डराने का इरादा नहीं है तो किसी को भी जाति से बुलाना एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं है।

अदालत ने ये भी साफ किया कि इस तरह के मामलों को जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। इसके साथ ही अदालत ने एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामले को रद्द कर दिया। दरअसल इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस मदन पाल सिंह सिद्धार्थ नगर के अमय पांडेय के साथ ही अन्य तीन की अपील पर सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने सभी के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत चल रही आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। लेकिन कोर्ट ने ये साफ कर दुया कि गाली-गलौज और मारपीट से जुड़े आरोपों में आपराधिक मुकदमा जारी रहेगा। बता दें कि याचिकाकर्ताओं के वकील ने बहस के दौरान कहा कि इस केस में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

एफआईआर में कहीं भी जाति का आरोप नहीं था। सीआरपीसी की धारा 161 के बयान में ये आरोप बाद में जोड़ी गई। इसमें कहा गया था कि एक शादी समारोह में जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल कर अपमानित किया गया, लेकिन इसे लेकर कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए जा सके। अदालत ने कहा कि इस केस में लगाए गए आरोप में एससी/एसटी एक्ट के अपराध के जरूरी तत्व मौजूद नहीं है। सबूतों के आधार पर अपराध को साबित करना जरूरी है। कोर्ट ने इसके साथ ही याचिकाकर्ता के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। केस सिर्फ मारपीट और गाली-गलौज के आरोप में चलेगा। दरअसल अभियोजन पक्ष के आरोपों का समर्थन मेडिकल रिपोर्ट ने भी नहीं किया। सरकारी वकील की दलील थी कि विशेष अदालत ने पुलिस चार्जशीट पर संज्ञान लेकर समन जारी किया है,

इसीलिए मामला बनता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई भी सबूत नहीं है जिससे जाति को लेकर विवाद की बात साबित की जा सके। इसके साथ ही कोर्ट ने अपीलकर्ताओं के खिलाफ ट्रायल कोर्ट से एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(डीए) के तहत जारी समन आदेश रद्द कर दिया और कहा कि हालांकि आईपीसी की धारा 147, 323, और 504 के तहत अपराधों के संबंध में कार्यवाही कानून के अनुसार जारी रहेगी।

महिला से अश्लील हरकत करने वाले को यूपी पुलिस ने सिखाया सबक, आरोपी का किया हाफ एनकाउंटर

मुरादाबाद, 1 मई (एजेंसियां)। महिला से अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को मुरादाबाद पुलिस ने सबक सिखाया है, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी का हाफ एनकाउंटर किया है। पुलिस ने वीडियो वायरल होने के 24 घण्टे के भीतर आरोपी नौशाद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी नौशाद वीडियो वायरल होने के बाद छिपने की फिराक में भागते-भागते पुलिस निगाह में आ गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नौशाद के रामगंगा नदी किनारे छिपे होने की सूचना मिली थी। जिस पर क्षेत्र में सर्च कर गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर आरोपी ने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी नौशाद गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि, आरोपी को इलाज हेतु घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीएम सम्राट चौधरी ने की सत्यनारायण भगवान की पूजा

श्रीहरि से इन बातों के लिए की प्रार्थना

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद सम्राट चौधरी महज एक पखवाड़े के भीतर आधा दर्जन प्रमुख धार्मिक स्थलों का दौरा कर चुके हैं। इसे उनके सॉफ्ट इमेज और सांस्कृतिक कनेक्ट को मजबूत करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बड़ी पटनदेवी मंदिर, हरिहरनाथ मंदिर, पुनौरा धाम और तख्त श्री हरमंदिर साहिब समेत कई धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन किया है।

शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर सत्यनारायण भगवान की पूजा-अर्चना की। इसकी तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए बिहारवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में धर्म, करुणा और मानवता के प्रसार पर जोर देते हुए लिखा, "धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भाव हो, विश्व का कल्याण हो।" एक दिन पहले भी उन्होंने बुद्ध पूर्णिमा पर प्रदेश और देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान बुद्ध के जीवन और उनके अष्टांगिक मार्ग को मानव जीवन के लिए आदर्श बताया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री का यह तीर्थ-दौर सिर्फ आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश देने की रणनीति का हिस्सा भी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री का दिनभर व्यस्त कार्यक्रम प्रस्तावित है, लेकिन उससे पहले उन्होंने पूजा-अर्चना के साथ दिन की शुरुआत कर यह संकेत देने की कोशिश की कि शासन और आध्यात्मिकता, दोनों उनके एजेंडे का हिस्सा हैं।

यूपी चुनाव में ताल ठोकेंगे चिराग पासवान! भदोही पहुंचे लोजपा सांसद अरुण भारती ने बनाई रणनीति

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने भी यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों तेज कर दी हैं। बिहार से एलजेपी सांसद और यूपी प्रभारी अरुण भारती पार्टी के संगठन को मजबूती देने के लिए भदोही पहुंचे, जहां उन्होंने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। अरुण भारती ने आरोप लगाया कि सपा, बसपा, अपना दल और निषाद पार्टी सहित अन्य पार्टियां लोगों को छलने का काम कर रहे हैं। दलितों को वोट बैंक समझकर उनका शोषण किया जा रहा है। भदोही के गोपीगंज में चिराग़ पासवान के जीजा और जमुई से सांसद अरुण भारती ने यूपी चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की।

इस बैठक में उन्होंने सैकड़ों कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाते हुए स्पष्ट किया कि पूरे पूर्वांचल, महानगरों सहित हर जिले में संगठन की बैठक चल रही है उसका आकलन कर पार्टी के मजबूती पर जोर दिया जा रहा है। अरुण भारती ने कहा कि हम लोग यूपी में आगामी सभी चुनाव 2027 के लिये लड़ेंगे, अकेले लड़ेंगे या गठबंधन में लड़ेंगे इसका अंतिम फैसला पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ही करेंगे।

एआईएमआईएम का आरोप

सपा बीजेपी से मिली हुई है अखिलेश को चुनौती- दम है तो बुरका पहनने वाली महिला को सीएम कैंडिडेट बनाएं

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पूर्वांचल अध्यक्ष इसरार अहमद ने समाजवादी पार्टी (सपा) और अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और भाजपा एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रही हैं। इसरार अहमद ने कहा कि सपा और भाजपा गाहे-बगाहे एक-दूसरे का साथ देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद कहा है कि अखिलेश यादव कभी-कभी उनका सहयोग करते हैं। एआईएमआईएम नेता ने इसे सपा की 'मिलीभगत' की पुष्टि बताया।

इसरार अहमद ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा, 'जब सपा की सरकार बनी थी, तब उनके घोषणापत्र में मुसलमानों को 18 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया था। लेकिन सत्ता मिलते ही उन्होंने इस वादे को भुला दिया। आज जब पार्टी चुनाव हारने जा रही है, तब मुस्लिम महिलाओं के नाम पर वोट मांग रहे हैं।' एआईएमआईएम नेता ने कहा कि जब लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण बिल पेश किया, तब अखिलेश यादव ने मुस्लिम महिलाओं के नाम पर विरोध किया। लेकिन जब उनकी अपनी सरकार थी, तब मुस्लिमों के लिए कुछ नहीं किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश मुसलमानों के जज्बात से खेल रहे हैं और उन्हें सियासी रूप से बेवकूफ बना रहे हैं। इसरार अहमद ने अखिलेश यादव को सीधी चुनौती दी, 'अखिलेश यादव की बेगम डिंपल यादव को सांसद बना सकते हैं, लेकिन एक मुस्लिम महिला को मुख्यमंत्री का चेहरा क्यों नहीं बना सकते? एआईएमआईएम का कहना है कि उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री एक बुरकेवाली महिला होगी। अगर अखिलेश में दम है तो वे भी एक मुस्लिम महिला को सीएम कैंडिडेट घोषित करके दिखाएं।'

एआईएमआईएम पूर्वांचल अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी मुसलमानों के वोटों की खैरात पर पल रही है। जब वोट चाहिए तब मुस्लिम महिलाओं का नाम लेते हैं, लेकिन सत्ता में आकर वादे भूल जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करती है।

विक्रांत हत्याकांड में बड़ा एक्शन, भाजपा नेता सुधारस चौहान गिरफ्तार, पुलिस ने बड़ौत से पकड़ा

बागपत, 1 मई (एजेंसियां)। बागपत में डूडा के शहर मिशन प्रबंधक विक्रांत और राखी कश्यप की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस चर्चित दोहरे हत्याकांड में आरोपी भाजपा नेता सुधारस को पुलिस ने बड़ौत रोड स्थित चौहान एंक्लेव कॉलोनी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ते हुए मामले की गहराई से जांच कर खुलासा किया जाएगा। सहारनपुर जनपद के मिर्जापुर थाना क्षेत्र के नौगांवा गांव के पास 27 अप्रैल को रजबहे में राखी कश्यप का शव बोरे में बंद मिला था। घटनास्थल से प्लास्टिक का बोरा और रस्सी भी बरामद हुई थी।

इससे संकेत मिला कि हत्या के बाद शव को बोरे में बांधकर सुनसान जगह पर फेंका गया था। पुलिस के अनुसार वारदात पूरी योजना के तहत अंजाम दी गई थी। राखी की हत्या ने विक्रांत की हत्या की भी गुत्थी सुलझा दी। पुलिस को जहां पर राखी का शव मिला, वहां चौकर का प्लास्टिक बोरा और रस्सी मिली। आशंका है कि आरोपियों ने पहले राखी की हत्या की और फिर उसके शव को बोरे में डालकर रस्सी से बांध दिया। इसके बाद शव को सुनसान रजबहे में फेंक दिया गया, ताकि किसी को वारदात का पता न चल सके। बरामद साक्ष्य पुलिस के लिए अहम कड़ी बन गए हैं।

'मुआवजे पर 30 दिन में निर्णय करे जिला प्रशासन

न्यायिक आयोग नहीं', महाकुंभ भगदड़ केस पर हाई कोर्ट

प्रयागराज, 1 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने महाकुंभ मेले (जनवरी 2025) में मची भगदड़ को लेकर स्पष्ट किया है कि पीड़ितों को अनुग्रह मुआवजा देने संबंधी दावों का निपटारा राज्य द्वारा गठित न्यायिक जांच आयोग नहीं, बल्कि जिला प्रशासन और मेला प्राधिकरण करेगा। हाई कोर्ट ने कहा कि यह प्रक्रिया 30 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने संजय कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। याचिका में 29 जनवरी 2025 (मौनी अमावस्या) को हुई भगदड़ में उनके रिश्तेदार की मौत पर मुआवजा मांगा गया है।अदालत ने न्यायिक जांच आयोग के सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे का अवलोकन करते हुए कहा कि मुआवजा दावों का निपटारा करना आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। आयोग का कार्य केवल घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच करना, भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के सुझाव देना और प्रशासनिक समन्वय की समीक्षा करना है। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि राज्य सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल मनीष गोयल ने भगदड़ की घटना से इन्कार नहीं किया है और कुछ मृतकों के आश्रितों को पहले ही मुआवजा दिए जाने की बात सामने आई है। कोर्ट ने कहा, ऐसे में आयोग द्वारा यह जांच करना कि भगदड़ हुई या नहीं, आवश्यक नहीं है। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए अदालत ने निर्देश दिए कि सभी मुआवजा दावे जिला प्रशासन/मेलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं, जहां प्रत्येक मामले में मृत्यु या क्षति के तथ्यों का सत्यापन किया जाएगा। पुलिस की इनक्वेस्ट (पंचनामा) रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को जब तक विपरीत साक्ष्य न हो, प्रामाणिक माना जाएगा। साथ ही मेलाधिकारी को प्रत्येक दावे पर 30 दिनों के भीतर अंतिम निर्णय लेना होगा। वर्तमान मामले में अदालत ने पाया कि मृतक की इनक्वेस्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपलब्ध है और विवादित नहीं है, इसलिए कोर्ट ने मेलाधिकारी को तीन सप्ताह के भीतर निर्णय लेने और सात मई तक अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

11वीं मंजिल से कूदा युवक, मौत

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। लखनऊ के गुडंबा थानाक्षेत्र के जनेश्वर अपार्टमेंट की 11वीं मंजिल से एक युवक ने छलांग लगा दी। वह अपनी पत्नी के साथ किराये पर रहता था। उसके गिरने की आवाज सुनकर लोग दौड़कर वहां पहुंचे। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान महमूदाबाद सीतापुर निवासी प्रबल जैन (35) के रूप में हुई। प्रबल प्राइवेट करते थे। उनकी पत्नी पलासियो मॉल में जॉब करती हैं। करीब 10 बजे प्रबल ने 11वीं मंजिल से नीचे छलांग लगाई। बारिश के बाद मौसम सुहाना होने की वजह से लोग बाहर की तरफ घूम रहे थे। नीचे गिरने की आवाज से भीड़ जमा हो गई। मौके पर चीख पुकार मच गई। वहां मौजूद लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी।

कमर्शियल गैस के दाम 993 रुपये बढ़े

अखिलेश यादव बोले- भाजपाइयों ने बहुत एहसान कर दिया है

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। देशभर में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। भारत में एलपीजी कमर्शियल सिलेंडर (19केजी) और 5 किलो वाले एलपीजी के दाम में इजाफा हुआ है। अब 1 मई 2026 से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये और 5 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 261 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। वहीं लपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी पर समाजावदी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है।

सपा चीफ अखिलेश ने कहा कि ये 7 रुपये कम करके ये बीजेपी वाले किस पर एहसान कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-सिलेंडर महंगा नहीं होता, रोटी-थाली महंगी होती है। ये बात वही जानता है जो खुद खरीदकर खाता है, वो नहीं जो दूसरों के यहां जाकर खाता है या दूसरों की थाली से चुराता है। सिलेंडर महंगा करना था तो सीधे 1000 रुपये महंगा कर देते। 1000 में 7 रुपये कम करके ये भाजपा वाले किस पर एहसान कर रहे हैं? भाजपा 'महंगाई, बेरोज़गारी, बेकारी व मंदी' पर निंदा प्रस्ताव कब लाएगी? बता दें कि सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये का इजाफा किया गया है।

इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में इजाफा होना है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़कर 3,071.5 रुपये हो गई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने अपने बयान में बताया कि देश में मौजूद 33 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में यह तीसरी वृद्धि हुई है। पहली बार मार्च की शुरुआत में इसकी कीमत में लगभग 115 रुपये की वृद्धि की गई थी, जिसके बाद 1 अप्रैल को कीमतों को लगभग 200 रुपये और बढ़ाया गया।

जीतू सैनी एनकाउंटर की होगी मजिस्ट्रेट जांच बुलंदशहर में 4 आरोपी अब भी फरार

बुलंदशहर, 1 मई (एजेंसियां)। बुलंदशहर के खुर्जा में हुआ ट्रिपल मर्डर एक जरा सी सनक के कारण अंजाम दिया गया, जिसने परिवार उजाड़ दिए। 10 युवाओं का भविष्य जेल की सलाखों के पीछे धकेल दिया। मृतकों और सभी आरोपियों के घरों पर मातम पसरा हुआ है।

दोनों पक्षों में तनाव पूरी तरह है। आक्रोश है, जो कभी भी चिंगारी बनकर धधक सकता है। एहतियात के तौर पर मृतकों और आरोपियों के घरों पर पुलिस सुरक्षा तैनात है। कोई भी पूरे मामले में बात नहीं कर रहा है। जितना आक्रोश पहले मृतकों के परिजनों में था, वही आक्रोश अब जीतू सैनी के परिजनों में देखा जा रहा है। दोनों के घरों में महज 200 मीटर की दूरी है, जिसके कारण पुलिस प्रशासन अभी भी अलर्ट है।

सुबह ट्रिपल मर्डर के मुख्य आरोपी जीतू सैनी के मर्डर की मजिस्ट्रेट जांच की जाएगी। मंडलायुक्त की तरफ से डीएम बुलंदशहर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम इस पूरे एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच करेगी। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। इस प्रक्रिया को सात दिनों की भीतर पूरा किया जाएगा।

लड़की की हत्या में पांच को उम्रकैद

अलीगढ़, 1 मई (एजेंसियां)। अलीगढ़ के इगलास क्षेत्र के गांव हस्तपुर में तीन साल पहले दुकान के विवाद में बालिका की गोली मारकर हुई हत्या में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या–1 के न्यायाधीश विनय तिवारी ने गांव के ही राजेंद्र, श्रीकृष्ण, श्रीकांत, ऋषिकांत और नीरज को हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। वादिया रचना गौतम 7 नवंबर 2021 की दोपहर को अपनी परचून की दुकान पर बैठी थीं। उनके साथ बेटी रितिका भी बैठी थी।

इसी दौरान गांव के ही राजेंद्र, श्रीकृष्ण, श्रीकांत, ऋषिकांत और नीरज असलहों से लैस होकर वहां आ धमके। वे जबरन दुकान बंद कराने की जिद पर अड़ गए और गाली-गलौज करने लगे। जब मां-बेटी ने विरोध किया, तो इन हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोली रितिका को लगी और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उसकी मां लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ीं।

'पहले मुगलों, फिर अंग्रेजों के सिपाही, ये यादव हमें पीटते थे' ओम प्रकाश राजभर का बड़ा बयान

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने यादव समाज को लेकर विवादित बयान दिया है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यादव समाज के लोग पहले मुगलों की सेना में भर्ती होकर गैर-यादव पिछड़ों को मारते थे और इसके बाद यही काम अंग्रेजों की सेना में भर्ती होकर किया। इतना ही नहीं, राजभर ने कहा कि इतिहास में यादवों का कहीं जिक्र नहीं मिलता। राजभर का यह बयान यूपी विधानसभा के उस विशेष सत्र के अगले दिन आया है, जहां सपा विधायक अतुल प्रधान के साथ उनकी तीखी बहस हुई थी।

ओम प्रकाश राजभर ने शुक्रवार को अपने एक्स हैंडल पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'अखिलेश जी गैर-यादव ओबीसी समाज को उनका हक आखिर कब मिलेगा? वोट हमारा, राज तुम्हारा! तुम हमसे दंगे करवाओ, हमें लोगों से लड़वाओ और ओबीसी समाज का नारा दो। इतिहास में तुम्हारा कहीं कोई नाम नहीं मिलता। किसी विदेशी से संघर्ष नहीं किया। पहले मुगलों की सेना में सिपाही बनकर हमें मारते थे। अंग्रेजों की सेना में उनका सिपाही बनकर मारते थे। अब हमें एक दूसरे से लड़ाकर मूर्ख बनाकर राजनीतिक रूप से मारते हो। हमारा इतिहास महाराजा सुहेलदेव राजभर, रानी अवंती बाई लोधी का इतिहास है।

देह व्यापार के 6 आरोपी जेल भेजे गए

मथुरा, 1 मई (एजेंसियां)। मथुरा में होटल कारोबार की आड़ में चल रहे देह व्यापार के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक गेस्ट हाउस पर छापा मारकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, गेस्ट हाउस संचालक ग्राहकों की मांग पर युवतियां उपलब्ध कराता था। सीओ सिटी आशना चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एसबीआई चौराहे के पास स्थित गिर्राज गेस्ट हाउस पर छापेमारी की। इस दौरान मौके से छह युवक और चार युवतियां आपत्तिजनक स्थिति में मिलीं। जांच में यह भी सामने आया कि गेस्ट हाउस में ठहरने वालों का कोई वैध रिकॉर्ड नहीं रखा जा रहा था,

जर्मनी से अदावत अमेरिका को पड़ सकती है भारी

ट्रंप के इस ऐलान से टेंशन में क्यों है पेंटागन?

पेंटागन, 1 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन में हलचल मच गई है। ट्रंप ने कहा है कि वे जर्मनी से अमेरिकी सैनिकों को कम करने या वापस बुलाने पर विचार कर रहे हैं।

इस बयान से अधिकारी हैरान हैं, क्योंकि उन्हें पहले से ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं थी। बताया गया है कि ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद ही कई रक्षा अधिकारियों को इस संभावित फैसले का पता चला। यह बात इसलिए भी चौंकाने वाली है, क्योंकि हाल ही में पेंटागन ने दुनिया भर में तैनात अमेरिकी सैनिकों की समीक्षा की थी, जिसमें यूरोप से सैनिक हटाने की कोई बड़ी योजना नहीं थी। अधिकारियों का कहना है कि पेंटागन इस तरह की वापसी की तैयारी नहीं कर रहा था। लेकिन ट्रंप के पहले के फैसलों को देखते हुए अब इस पर

गंभीरता से विचार करना पड़ रहा है। इससे पहले 2020 में भी ट्रंप ने जर्मनी से 12,000 सैनिक हटाने का आदेश दिया था, लेकिन वह लागू नहीं हो पाया था।

ट्रंप के इस बयान से यूरोप में भी चिंता बढ़ गई है। जर्मनी में इस समय करीब 35,000 से 40,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। ये सैनिक सिर्फ अमेरिका के लिए ही नहीं, बल्कि नाटो की सुरक्षा के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। अगर इन्हें हटाया गया, तो रूस के खिलाफ पश्चिमी देशों की ताकत कमजोर हो सकती है। यह बयान ऐसे समय आया है जब जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत में अमेरिका कमजोर दिख रहा है। इसके बाद ट्रंप ने जर्मनी की आलोचना की और कहा कि उसे रूस-यूक्रेन युद्ध और यूरोप की समस्याओं पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। ट्रंप ने जर्मनी के अलावा स्पेन और इटली से भी सैनिक हटाने की बात कही है। उनका कहना है कि ये देश अमेरिका की पर्याप्त मदद नहीं कर रहे हैं। वहीं पेंटागन ने कहा है कि वह हर स्थिति के लिए तैयार है और राष्ट्रपति के आदेश का पालन करेगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जर्मनी से सैनिक हटाना आसान नहीं होगा। वहां अमेरिका के बड़े सैन्य अड्डे हैं, जिनमें यूरोप और अफ्रीका कमांड सेंटर शामिल हैं। अमेरिका के बाहर का सबसे बड़ा सैन्य अस्पताल भी वहीं है। इतने बड़े स्तर पर सैनिकों, उनके परिवारों और उपकरणों को दूसरी जगह ले जाना बहुत महंगा और मुश्किल होगा। अमेरिकी सांसदों ने भी इस मुद्दे पर सावधानी बरती है।

मां के साथ लिवइन में रह रहे प्रेमी ने किया बेटी से दुष्कर्म

पानीपत, 1 मई (एजेंसियां)। मां के साथ लिवइन में रह रहे प्रेमी ने 15 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया। जब बेटी ने अपनी मां को इसकी जानकारी दी तो उनके पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। तुरंत ही थाना मॉडल टाउन में पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मॉडल टाउन थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रह रही महिला ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसके तीन बच्चे दो बेटी और एक बेटा है। वह सात साल से जींद के एक गांव निवासी श्रीभगवान के साथ लिवइन में रह रही थी। बुधवार की रात को वह एक कमरे में सोए हुए थे। वहीं पर श्रीभगवान भी सोया हुआ था। रात को आरोपी ने बड़ी बेटी के साथ दुष्कर्म किया और उठकर बाहर आंगन में सो गया।

साथ ही किशोरी किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

वकील की बेटी ने 75 साल की महिला पर बरसाए थप्पड़, एफआईआर दर्ज

फरीदाबाद, 1 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में फरीदाबाद शहर के पॉश इलाके सेक्टर-29 से इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां कल शाम एक 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला, रेखा तुली के साथ उनकी पड़ोसन द्वारा बेरहमी से मारपीट की गई।

आज सुबह इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद महिला की पहचान पुख्ता हुई और इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-29 निवासी रेखा तुली कल शाम ओल्ड फरीदाबाद से पैदल अपने घर की ओर लौट रही थीं। जैसे ही वह अपने घर के करीब पहुंची, पड़ोस में रहने वाले एक वकील की बेटी ने उनका रास्ता रोक लिया। बिना किसी उकसावे के आरोपी महिला ने बुजुर्ग रेखा पर थप्पड़ों की बौछार कर दी। चश्मदीदों और परिजनों का कहना है कि आरोपी ने उन्हें करीब 10 से 12 थप्पड़ मारे जिससे संतुलन बिगड़ने के कारण वह सड़क पर गिर पड़ीं और उन्हें गंभीर चोटें आईं। इस विवाद की शुरुआत कल सुबह हुई थी जब इलाके में पानी की एक पाइपलाइन फट गई थी। सड़क पर पानी बहता देख पड़ोसियों ने शिकायत की जिसके बाद प्लंबर बुलाकर मरम्मत करा दी गई। हालांकि, आरोपी महिला इस बात से इतनी नाराज थी कि उसने शाम को मौका मिलते ही बुजुर्ग महिला को अपना निशाना बना लिया।

पीड़ित परिवार ने बताया कि आरोपी महिला पहले भी कई बार विवाद कर चुकी है। पहले भी सेक्टर-28 पुलिस चौकी में शिकायतें दी गईं लेकिन हर बार आरोपी के माफी मांगने पर पड़ोसी होने के नाते समझौता कर लिया जाता था। परिजनों का आरोप है कि इसी नरम रवैये के कारण आरोपी के हौसले बढ़ गए हैं।

अफगानिस्तान सीमा के पास 13 दहशतगर्द ढेर

पाकिस्तानी सेना ने खैबर पख्तूनख्वा में की कार्रवाई

पेशावर, 1 मई (एजेंसियां)। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान सीमा के पास पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कम से कम 13 आतंकवादियों को मार गिराया है।

यह जानकारी पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने शुक्रवार को दी।अंतर-सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) ने बताया कि फितना-अल-ख्वारिज से जुड़े आतंकवादी 28 और 29 अप्रैल को मोहम्मंद और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में मारे गए। फितना अल-ख्वारिज एक ऐसा शब्द है, जिसका इस्तेमाल सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को संदर्भित करने के लिए करती है।

मोहम्मंद जिले में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा

के रास्ते घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे ख्वारिजों के एक समूह की गतिविधियों का पता लगाया। बयान में कहा गया है कि सैनिकों ने समूह के साथ प्रभावी ढंग से मुठभेड़ की और आठ ख्वारिज मारे गए। एक अन्य मुठभेड़ में, सैनिकों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास ख्वारिजों के एक समूह द्वारा घुसपैठ के एक और प्रयास को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया और भीषण गोलीबारी के बाद पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया।

सुनैत्रा पवार का बीड़ जिले में संबोधन

आईटी परियोजना के लिए बजट स्वीकृत

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। आज महाराष्ट्र दिवस है। इसी मौके पर उप मुख्यमंत्री सुनैत्रा पवार ने बीड़ जिले के नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा किअपने पति और दिवंगत उप मुख्यमंत्री अजित पवार के विकास के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने जिले के लिए 117 करोड़ रुपये के आईटी परियोजना और 623 करोड़ रुपये के विकास बजट सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। यह अजित पवार के निधन के बाद जिले की उनकी पहली आधिकारिक यात्रा थी, जहां उन्होंने उनके पूर्व के दायित्वों को संभाला है। अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद, जिन्होंने उप मुख्यमंत्री और बीड़ के पालक मंत्री के रूप में कार्य किया था, सुनैत्रा पवार ने उनके विभागों का कार्यभार संभाला। आज उन्होंने बीड़ में पारंपरिक ध्वजारोहण समारोह किया, जिसके बाद जिले के विकासात्मक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की।

एक भावुक संबोधन में, उप मुख्यमंत्री सुनैत्रा पवार ने दिवंगत अजित पवार के क्षेत्र के प्रति समर्पण को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, मराठवाड़ा संतों और नायकों की भूमि है; मैं संत गोरोबा काका की जन्मभूमि में पैदा हुई थी। पालक मंत्री और उप मुख्यमंत्री के रूप में, अजित दादा ने बहुत कम समय में बीड़ के समग्र विकास के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए थे।

इस जिले के लिए उनके कई 'ड्रीम परियोजना' थे। उनकी अनुपस्थिति में, यह जिम्मेदारी मुझ पर आ गई है, और मैं उस दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

पवार ने बताया कि एमआईडीसी क्षेत्र में 117 करोड़ रुपये की लागत से एक आईटी परियोजना स्थापित की जा रही है।

पंजाब पुलिस का कमाल

मृत व्यक्ति का बयान चालान कर दिया पेश, हाई कोर्ट ने जांच के दिए आदेश

चंडीगढ़, 1 मई (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में एक हत्या मामले की सुनवाई के दौरान ऐसा खुलासा हुआ, जिसने पूरी जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अदालत के सामने यह तथ्य आया कि पंजाब पुलिस ने अपने चालान में एक ऐसे व्यक्ति का बयान शामिल किया, जिसकी मृत्यु कथित बयान दर्ज होने की तारीख से लगभग चार महीने पहले हो चुकी थी। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के समक्ष एक हत्या मामले की सुनवाई के दौरान यह सनसनीखेज तथ्य सामने आया कि पुलिस ने अपने चालान में एक ऐसे व्यक्ति का बयान शामिल कर दिया, जिसकी मृत्यु कथित बयान दर्ज होने की तारीख से लगभग चार महीने पहले ही हो चुकी थी।

यह खुलासा होते ही अदालत ने मामले को साधारण प्रक्रियागत त्रुटि मानने से इनकार कर दिया और पंजाब पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी करते हुए पूछा कि आखिर एक मृत व्यक्ति पुलिस रिकार्ड में बाद में बयान कैसे दे सकता है।

जस्टिस सुमित गोयल की पीठ ने इस पूरे घटनाक्रम को "अस्पष्ट, अकल्पनीय और न्यायिक चेतना को झकझोरने वाला" बताते हुए कहा कि यदि रिकॉर्ड प्रथम दृष्टया सही है, तो यह मामला केवल लापरवाही तक सीमित नहीं माना जा सकता।

मामला तब उभरा जब हत्या के आरोपित की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि पुलिस द्वारा पेश किए गए चालान में 19 सितंबर 2025 की तारीख का एक गवाह बयान संलग्न है, जबकि उसी गवाह की मृत्यु 29 मई 2025 को हो चुकी थी। तारीखों के इस असंभव टकराव ने अदालत को तुरंत हस्तक्षेप के लिए मजबूर कर दिया।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पंजाब के स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ला एंड ऑर्डर) को व्यक्तिगत स्तर पर पूरे प्रकरण की जांच कर शपथपत्र सहित विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दिए हैं। साथ ही संबंधित थाना प्रभारी को अगली सुनवाई पर केस डायरी सहित व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि यह केवल प्रशासनिक चूक थी, रिकॉर्ड में हेरफेर, फर्जी दस्तावेज निर्माण या जांच प्रक्रिया में किसी गहरे संस्थागत दोष का संकेत।

कांग्रेस को ठेंगा दिखाएंगे हेमंत सोरेन

इस फैसले से आएगी राहुल संग दोस्ती में दरार?

रांची, 1 मई (एजेंसियां)। झारखंड में मई 2026 यानी इसी महीने के अंदर राज्यसभा का चुनाव होना है। राज्य की दो राज्यसभा सीटों पर यह चुनाव होगा। एक तरफ सीएम हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और आरजेडी होंगी। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के बीच मुकाबला होगा। इन चुनावों को लेकर कांग्रेस और जेएमएम में खींचतान का दौर शुरू हो गया है। दो सीटों पर कांग्रेस ने कहा है कि एक सीट पर उनका अधिकार है, जबकि जेएमएम दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने के मूड में दिख रही है। इस बीच कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के.राजू ने कहा कि उनकी पार्टी अपने सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से इस साल जून में एक राज्यसभा सीट की मांग करेगी, क्योंकि दो सीटों में से एक पर उसका अधिकार बनता है।

राजू ने यह भी कहा कि पिछले तीन राज्यसभा चुनावों में राज्य का सत्तारूढ़ गठबंधन सिर्फ एक सीट जीतने की स्थिति में था, इसलिए तीनों बार सीट झामुमो के पास गई, लेकिन इस बार यह गठबंधन दोनों सीट जीतने की स्थिति में है। राजू ने कहा कि इस बार हमारे पास दो सीटों के लिए संख्या बल है, इसलिए हमें एक सीट के लिए अनुरोध करने का अधिकार है। हम जल्द ही (मुख्यमंत्री) हेमंत सोरेन से बात करेंगे और एक सीट के लिए अनुरोध करेंगे। इस साल जून में खाली हो रही झारखंड से दो राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के पिछले साल हुए निधन के बाद से रिक्त है तथा दूसरी सीट पर बीजेपी के दीपक प्रकाश का कार्यकाल पूरा हो रहा है। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 विधायक हैं। झामुमो के 34 विधायक हैं तो कांग्रेस 16 विधायकों के साथ गठबंधन का दूसरा सबसे बड़ा घटक है।

इसके अलावा आरजेडी क 4 और लेफ्ट के पास दो विधायक हैं। वहीं संख्याबल को देखते हुए दोनों सीटों पर इंडिया गठबंधन की दावेदारी बेहद मजबूत मानी जा रही है, लेकिन सीट बंटवारे को लेकर पेच फंस सकता है।

कौन हैं लोर्ना हजदिनी? जिस पर लगा जूनियर के यौन शोषण का आरोप

न्यूयॉर्क, 1 मई (एजेंसियां)। लोरना हजदिनी जेपी मॉर्गन चेस की एक सीनियर अधिकारी हैं, जो इन दिनों चर्चा में हैं। अप्रैल 2026 में उनके एक जूनियर कर्मचारी ने उनके खिलाफ यौन शोषण और उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद उनका नाम सुर्खियों में आ गया। लोरना हजदिनी न्यूयॉर्क में जेपी मॉर्गन चेस के लीवरेज्ड फाइनेंस विभाग में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर काम कर रही हैं। यह विभाग बड़े फाइनेंशियल डील्स और निवेश से जुड़ा होता है। बताया जाता है कि वह 2010 के दशक की शुरुआत से इस बैंक के साथ जुड़ी हुई हैं और लंबे समय से यहां काम कर रही हैं।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री ने भारत की कर दी इतनी तारीफ

कि वजह जानकर आपको भी फख्र होगा

इस्लामाबाद, 1 मई (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बाद तेल की कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं हैं। इसे लेकर पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज़ मलिक ने भारत और पाकिस्तान के बीच ईंधन संकट को लेकर स्पष्ट अंतर को उजागर किया है। मलिक ने बताया कि रणनीतिक तेल भंडार और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के कारण भारत उनके देश की तुलना में अपेक्षाकृत स्थिर है। भारत के इन भंडारों ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नाकाबंदी के कारण तेल आपूर्ति में आई रुकावट के प्रभाव को कम करने में मदद की।

मलिक ने पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा लगाई गई कठोर राहत पैकेज शर्तों को भी जिम्मेदार ठहराया। भारत ने

अपने विशाल विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग किया, कई देशों से कच्चा तेल खरीदा और वैश्विक तेल संकट के सबसे बुरे प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार और ईंधन कर उपायों का इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज़ मलिक ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान के पास रणनीतिक तेल भंडार नहीं हैं, हमारे पास केवल वाणिज्यिक भंडार हैं। हमारे पास पांच से सात दिनों के लिए पर्याप्त कच्चा तेल है। और तेल विपणन कंपनियों के पास मौजूद परिष्कृत उत्पाद केवल 20-21 दिनों तक चल सकता है। हम भारत की तरह नहीं हैं जिसके पास 60-70 दिनों का भंडार है और जिसे केवल एक हस्ताक्षर से जारी किया जा सकता है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज़ मलिक ने एक स्थानीय समाचार चैनल को बताया, "भारत के पास न केवल 600 अरब डॉलर का भंडार है, बल्कि वे रणनीतिक भंडार भी बनाए रखते हैं। इससे उन्हें इस संकट से निपटने में मदद मिली है। इसके अलावा, वे आईएमएफ कार्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं और तेल की कीमतों में वृद्धि के दौरान उन्होंने करों में कटौती करके खुद को संकट से बचाने की कोशिश की।।। उनके पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन थे।

मंत्री ने दावा किया कि तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पाकिस्तान को अपने लोगों को राहत दिलाने के लिए आईएमएफ से बात करनी पड़ी।

भाजपा विधायक के खिलाफ शिकायत

महिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

भोपाल, 1 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। आलोट विधानसभा सीट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय पर एक महिला द्वारा शोषण, उत्पीड़न और भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस ने सीधे राज्यपाल मंगुभाई पटेल से हस्तक्षेप की मांग की है। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि पीड़ित महिला ने अपने आरोपों से जुड़े दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं, निष्पक्ष जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

बिहारी को मिलती है गोली और गाली

तेजस्वी यादव का केंद्र पर बड़ा आरोप, क्यों कहा, श्रमिक दिवस का नाम बदल दो?

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने श्रमिकों को बधाई देते हुए केंद्र और एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला।

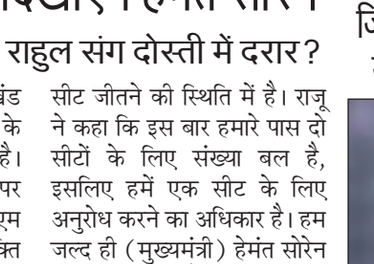

तेजस्वी ने कहा कि श्रमिकों ने अपनी मेहनत, समर्पण और पसीने से देश निर्माण में अतुलनीय योगदान दिया है, लेकिन उनके उत्थान और बेहतरी पर गंभीर चर्चा का अभाव चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों, उनके परिवारों और गांवों की प्रगति के बिना 'विकसित भारत' की बात करना बेईमानी है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि एनडीए की नीतियों का सबसे ज्यादा असर मजदूरों और कामगारों पर पड़ा है। उनके अनुसार, पिछले 21 वर्षों में बिहार से हर साल बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करते हैं।

यह एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। तेजस्वी ने कहा कि दूसरे राज्यों में 'बिहारी' कभी गोली तो कभी गाली का सामना करते हैं और इसके लिए उन्होंने लंबे समय से सत्ता में रही एनडीए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने नोटबंदी और लॉकडाउन का जिक्र करते हुए कहा कि इन फैसलों का सबसे ज्यादा असर प्रवासी मजदूरों पर पड़ा।

मरते दम तक भाजपा में नहीं जाऊंगा

राघव चड्ढा वाले सवाल पर आप सांसद संजय सिंह का तीखा जवाब

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने साफ कहा है कि वे मरते दम तक भाजपा में नहीं जाएंगे। राघव चड्ढा की तरह भाजपा में शामिल होने की संभावना पर पूछे गए सवाल के जवाब में संजय सिंह ने कहा, 'मरते दम तक भाजपा में नहीं जाऊंगा।'

एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में संजय सिंह से जब पूछा गया कि क्या भाजपा ने उन्हें अपने पाले में लाने की कोशिश की थी और क्या वे राघव चड्ढा की तरह भाजपा में जा सकते हैं, तो उन्होंने जोरदार जवाब दिया। संजय सिंह ने कहा, 'मोदी की एक गारंटी और है कि संजय सिंह कभी भाजपा में शामिल नहीं हो सकते। उनसे पूछिएगा कि एक आदमी हिन्दुस्तान में कौन है जो कभी भाजपा में शामिल नहीं होगा तो वह संजय सिंह का ही नाम लेंगे। मेरी गारंटी मोदी भी ले सकते हैं कि मैं मरते दम तक भाजपा में नहीं जाऊंगा।'

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने उन पर कभी ट्राई भी नहीं किया क्योंकि उन्हें जेल भेज दिया गया था। जब भी वे कोर्ट की तारीख पर आते थे, तो मोदी, शाह और अडानी पर हमला बोलकर जाते थे। संजय सिंह ने कहा, 'मुझे जेल में रखो या सूली पर चढ़ा दो, फर्क नहीं पड़ता।' संजय सिंह ने भाजपा की विचारधारा पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा देश को बांटने वाली और हिंदू-मुस्लिम करने वाली है। उन्होंने कहा, 'जो पार्टी अपने देश में रहने वाले दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों, ईसाइयों और सिखों के खिलाफ नफरत फैलाए, ऐसी पार्टी से देश का भला होने की उम्मीद नहीं की जा सकती।' बता दें कि हाल ही में आप के संसदीय दल में टूट के बाद राज्यसभा में केवल तीन सांसद ही बचे हैं। राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं के भाजपा में चले जाने के बाद संजय सिंह से यह सवाल जोर-शोर से पूछा जा रहा है।

अमेरिका ने 24 घंटे में 6500 टन हथियार इजरायल भेजे

ईरान पर दोबारा हमले की तैयारी पूरी?

वॉशिंगटन, 1 मई (एजेंसियां)। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीछे नहीं हटने की कसम खा रखे ईरान को घुटनों पर लाने की तैयारी कर ली है? क्या ईरान पर निर्णायक प्रहार का वक्त आ गया है। एक साथ अमेरिका में कई ऐसी चीजें हुई हैं जो इस ओर संकेत दे रही हैं।

मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य अभियानों को हैंडल करने वाले और अभी ईरान के बंदरगाहों पर नाकाबंदी करने वाले यूएस सेंट्रल कमांड ने राष्ट्रपति ट्रंप के सामने ईरान पर संभावित हमले का पूरा प्लान रख दिया है। यह 45 मिनट की ब्रीफिंग थी, जिसमें जॉइंट चीफ्स के चेयरमैन भी शामिल थे। यह ब्रीफिंग उस समय हुई जब खबरें आईं कि अमेरिका ने हाल ही में 6,000 टन से ज्यादा हथियार और सैन्य सामान इजरायल भेजा है। इससे यह अटकलें बढ़ गई हैं कि ट्रंप ईरान में बड़े स्तर पर फिर से लड़ाई शुरू करने की योजना बना सकते हैं, ताकि समझौते के लिए दोनों देशों के बीच चल रहा गतिरोध खत्म हो सके, ईरान को ट्रंप खुद की शर्तों पर झुका सकें। इजरायल डिफेंस मिनिस्ट्री के हवाले से द इजरायल टाइम्स और द जेरूसलम पोस्ट ने खबर छापी है कि इस हफ्ते अमेरिका से दो बड़े जहाज और कई विमान इजरायल पहुंचे हैं।

इनमें 6,500 टन (6,500,000 किलोग्राम) हवाई और जमीनी हथियार, सैन्य ट्रक, जॉइंट लाइट टैक्टिकल व्हीकलऔर अन्य सैन्य सामान शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस ऑपरेशन को इजरायल के रक्षा मंत्रालय के डिफेंस प्रोक्योरमेंट डायरेक्टरेट ने संभाला।

बुजुर्ग को गिरफ्तार क्यों किया, लिखकर दें

बॉम्बे एचसी ने सरकार पर ठोका जुर्माना

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने गिरफ्तारी को लेकर एक बड़ी अहम टिप्पणी की है।

हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए महाराष्ट्र सरकार को आदेश दिया है कि, वह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक 70 साल के याचिकाकर्ता की निजी आजादी के हनन के लिए उसे 25,000 रुपये का मुआवजा दे।

दरअसल, एक बुजुर्ग याचिकाकर्ता, जो कि एक कारोबारी हैं, उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। यह मामला उनकी बहू ने दर्ज कराया था, जिसने उन पर अपनी गरिमा को ठेस पहुंचाने और अन्य अपराधों का आरोप लगाया था। उन्होंने दलील दी कि पुलिस ने अनिवार्य कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया और पुलिस नोटिस का जवाब देने के बाद भी उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 2 मई - 2026

डगमगाता भारतीय शेयर बाजार

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को आई भारी गिरावट केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि यह निवेशकों के विश्वास, वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों का संकेत भी है। सेंसेक्स में 583 अंकों यानी 0.75 प्रतिशत और निफ्टी-50 में करीब 180 अंकों की गिरावट ने यह स्पष्ट कर दिया कि बाजार अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। इस गिरावट के कारण निवेशकों को लगभग पांच लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिस पर चिंता जायज है। पहली नजर में इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बाजार में बढ़ती बिकवाली रही। जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पूंजी निकालते हैं, तो इसका सीधा असर शेयर कीमतों पर पड़ता है। सामान्यतः विदेशी निवेश बढ़ने पर बाजार मजबूत होता है, जबकि पूंजी निकासी से गिरावट आती है। इस बार भी यही स्थिति देखने को मिली है। विदेशी निवेशकों की कमजोर भागीदारी ने बाजार को हिला कर रख दिया है। नतीजतन सूचकांक दबाव में आ गए। ध्यान देने योग्य है कि अप्रैल महीने के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः लगभग 7 और 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। इससे यह संकेत मिलता है कि हालिया गिरावट को पूरी तरह नकारात्मक संकेत नहीं माना जा सकता, बल्कि इसे बाजार की स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में भी देखा जाना चाहिए। फिर भी, 30 अप्रैल को अमेरिकी फेडरल रिजर्व की संभावित नीतिगत घोषणा से पहले निवेशकों की सतर्कता ने बाजार में दबाव बनाए रखा। वैश्विक स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने भी बाजार को प्रभावित किया है। दोनों देशों के बीच वार्ता का रुकना और संघर्ष की आशंकाओं का बढ़ना निवेशकों की चिंता का प्रमुख कारण बना हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ जाती है, जिसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ता है। अमेरिका द्वारा ईरान से जुड़ी 344 मिलियन डॉलर से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी फ्रीज किए जाने जैसे कदम भी तनाव की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें भी निवेश के माहौल को प्रभावित कर रही हैं। अप्रैल महीने में तेल की कीमतों में लगभग दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, फिर भी कीमतें अभी 115 डॉलर प्रति बैरल से नीचे नहीं आ पाई हैं। भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए महंगा तेल आर्थिक दबाव बढ़ाता है, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका बनी रहती है। यही कारण है कि सरकार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों को संतुलित रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ रहे हैं। रुपये की कमजोरी भी एक गंभीर संकेत है। हाल ही में रुपया एक समय 95.33 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया था, हालांकि बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 94.91 प्रति डॉलर पर पहुंचा। कमजोर रुपया विदेशी निवेश को प्रभावित करता है और आयात लागत बढ़ाता है, जिससे आर्थिक संतुलन बिगड़ जाना स्वाभाविक है। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये को स्थिर करने के लिए कदम उठाए हैं, लेकिन अमेरिकी केंद्रीय बैंक की आक्रामक नीतियों के कारण इसका प्रभाव सीमित रहा है। इन परिस्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार मिलकर निवेशकों का विश्वास बनाए रखें। साथ ही वैश्विक परिस्थितियों पर सतत निगरानी रखते हुए आर्थिक स्थिरता और विकास को संतुलित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। फिलहाल बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है, लेकिन यदि नीतिगत स्थिरता और निवेश वातावरण मजबूत रखा गया, तो भारतीय अर्थव्यवस्था इस चुनौतीपूर्ण दौर से मजबूती के साथ आ सकता है।

युद्ध का वास्तविक चेहरा मानवता पर भीषण प्रहार

संजीव ठाकुर

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।

युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है।इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है। युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है।

युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि मानवता को बचाना है, तो हमें संवाद, सहिष्णुता और प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। युद्ध का उन्माद क्षणिक हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम इतिहास से सीख लें और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शांति का मार्ग चुनें, क्योंकि अंततः वही मार्ग हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाता है।

भारत में श्रमिक संघों का भविष्य

डॉ. चक्रपाल सिंह

विश्व भर में पहली मई को मेहनतकशों की अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। भारत में भी इस दिन को श्रमिक संघ बड़े उत्साह और उमंग से मनाते हैं। 21वीं सदी, 19वीं एवं 20वीं सदी से एकदम भिन्न है । वर्तमान सदी वैश्वीकृत ग्राम व्यवस्था की सदी है , जिसमें कृत्रिम बुद्धिमता तथा कॉर्पोरेट दुनियां के हिसाब से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर श्रमिक कानूनों में सुधारों का सिल सिला जारी है। उद्योग जगत में इसके पार्श्व प्रभाव (side effect) साफ़ देखे जा सकते हैं। भारत भी अछूता नहीं है । परिणामतः सार्वजनिक एवं निजी उद्योगों में श्रमिकों की संख्या में निरंतर कमी के चलते श्रमिक संगठनों की समवेत शक्ति क्षीण हो चुकी है। संक्रमण के इस दौर में श्रमिक संघ एवं उनके कॉमरेड आत्म चिंतन की मुद्रा में हैं। उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि अवश्यंभावी, पूँजीवादी हमले एवं उसके शोषण से स्वयं को एवं देश को कैसे बचाया जाए। भारतीय श्रमिक संघों की गतिविधियां मुख्यतः संगठित (विशेषकर सरकारी, अर्ध सरकारी) क्षेत्रों तक ही सीमित रही हैं। जब संगठित क्षेत्र ही खतरे में हो, तो श्रमिक संघों का अस्तित्व खुद-ब-खुद खतरे में पड़ जाता है। अतः इनका अपने भविष्य को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। असमंजस एवं अनिश्चितता के वर्तमान आर्थिक दौर में श्रमिक संघों की प्रासंगिकता, भावी भूमिका एवं भविष्य पर विचार करने से पूर्व यह अनिवार्य हो जाता है कि उन ऐतिहासिक स्थितियों एवं परिस्थितियों तथा घटनाओं पर एक नजर डाली जाए जिन्होंने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रमिक संघों के उदभव एवं विकास में निर्णायक भूमिका निभाई।

विदित हो कि यूरोपीय तथा अन्य विकसित देशों में औद्योगिक क्रांति राजनैतिक क्रांति से पहले हुई। पूंजी एवं उसके पतियों !

का वहाँ की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था एवं प्रणाली पर स्पष्ट व निर्णायक प्रभाव पड़ा। जिन्होंने अपने औद्योगिक, व्यवसायिक एवं व्यापारिक हितों के हिसाब से नीतियों का प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सुनिश्चित किया। उदाहरणार्थ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस एवं जापान में उत्पादन एवं उसके साधनों के मालिक पूँजीपति ही थे और आज भी हैं। संपूर्ण समाज में सत्ता भी इन्हीं के हाथों में तब भी थी और आज भी है । यहाँ तक कि राज्य विधिक संस्थाएँ और जनसंपर्क साधन पूँजी पत्तियों के प्रभुत्व का समर्थन करते हैं। इस तरह कम जनशक्ति वाले पूँजीवादी देशों द्वारा 20वीं सदी में नई उत्पादन शक्तियों (मशीनीकरण) के विकास का शुरू हुआ सिलसिला 21वीं सदी में अप्रत्याशित रूप से यंत्रीकरण की बहुआयामी ऊंचाइयों पर पहुँच गया। जिसे हम आज तक पूँजीवादी व्यवस्था के नाम से जानते आ रहे हैं। 21 वीं सदी के आते आते इसने सभी राष्ट्रीय सीमाओं को लांघते हुए एक वैश्वीकृत आर्थिक ग्राम व्यवस्था का रूप धारण कर लिया, जिसे वर्तमान समय में विकासशील लोकतांत्रिक देशों में उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण, बाजारीकरण इत्यादि नामों से जाना जा रहा है। अंतर सिर्फ नामकरण का है। अवधारणा एवं नीयत में कोई अंतर नहीं है। स्थिति यह है कि अपने जमाने के कुख्यात पूँजीवादी देश ब्रिटेन का कभी गुलाम (उपनिवेश) रहा अमरीका आज विश्व की एकमात्र आर्थिक एवं सामरिक शक्ति के रूप में अपने आप को प्रतिष्ठित करने के लिए ना केवल चारों तरफ हाथ पैर चला रहा है बल्कि अंतरराष्ट्रीय दरोगा की भूमिका में है। अन्तर्राष्ट्रीय क़ानून एवं मान्य वैश्विक संस्थाएं भी उसके आगे बौनी नज़र आ रहीं हैं। और वैश्विक बिरादरी भी उसके आगे रहस्यमय चुप्पी साधे हुए नज़र आती है । आखिर! इस स्वआरोपित चुप्पी के नेपथ्य में पूँजी के सिबा और क्या है? विश्व आर्थिक मंदी एवं व्यापार में ठहराव की आशंका से भयभीत विकसित देश नए बाजारों की तलाश में अपनी आर्थिक शक्ति का खुल्लम-खुल्ला उपयोग कर रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन का गठन इसी दिशा में उठाया गया एक दूरगामी कदम था। पूंजीवादी खलीफाओं की स्वेच्छाचारिता के आगे जिसकी प्रासंगिकता ही खतरे में है। शुरू से ही मजदूरी के अनिश्चित घंटे (16 घंटे तक), शोषण एवं श्रमिकों के जीने की कठिनतम स्थितियां, पूंजीपतियों की उन्नति का मुख्य आधार रही हैं। अपने खून पसीने से सिंचित औद्योगिक प्रगति का लाभ, अपनी कई पीढ़ियां पूंजीपतियों की औद्योगिक भट्ठियों में झोंकने के बाद भी, मज़दूरों को इसका बाजिव लाभ जब नहीं मिला, तब श्रम के शोषण के विरुद्ध ऐसी आग भड़की जिसने देखते देखते कई अन्य देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया। शोषणात्मक कठिन स्थिति ने श्रमिकों में संगठित होने की ऐतिहासिक परिस्थितियां पैदा की और श्रमिक संघ की भावना का उदय हुआ।

पूंजी के शोषण एवं क्रूर जुल्मों के विरुद्ध मजदूर वर्ग एकजुट होना शुरू हो गया। जिसने "वर्ग संघर्ष" की अवधारणा को जन्म दिया। "वर्ग संघर्ष" में श्रमिक संगठनों की भूमिका एवं उद्देश्य के बारे में जहाँ मार्क्स एवं एंजिल इसे क्रांति के एजेंट के रूप में तथा वर्ग संघर्ष की प्रक्रिया में पूँजीवादी अर्थव्यवस्था को समाप्त करने वाले दल के रूप में स्वीकार कर रहे थे। वेब मजदूर संघों को प्रजातांत्रिक सिद्धांतों के विस्तार के रूप में ले रहे थे। कोल, तो श्रमिक संघों का अंतिम उद्देश्य श्रमिकों का उद्योगों पर नियंत्रण मानते थे। हकीकत में पूँजीवाद की तरह ये भी एक पक्षीय अतिवादी दृष्टिकोण ही थे। व्यापक अर्थों में श्रमिक संघों का उद्देश्य आर्थिक एवं श्रमिक शोषण के विरुद्ध , सामाजिक एवं अन्य अर्थों में बहु-आयामी था। पाश्चात्य देशों के ठीक विपरीत भारत में औद्योगिक क्रांति (चेतना) राजनैतिक क्रांति के काफी बाद आई। भारत में श्रमिक संघ आंदोलन का विकास पूँजीवादी कारखाना प्रणाली के विकास के साथ प्रारंभ हुआ। श्रमिकों में संगठनात्मक चेतना का प्रादुर्भाव 20 वीं सदी के प्रारंभ में स्वदेशी आंदोलन (1904) के साथ हुआ। यहाँ यह स्पष्ट करना जरूरी हो जाता है कि पूँजीवादी देशों की तरह भारत में वर्ग संघर्ष की स्थितियां नहीं थी। यहाँ वर्ण आधारित जातीय व्यवस्था जिसमें एक वर्ग सत्ता, दूसरा जमीन, तीसरा व्यवसाय एवं व्यापार पर काबिज था, चौथा वर्ण जो संपूर्ण भारतीय समाज का लगभग 85% हिस्से का प्रतिनिधित्व करता था, का अधिकांश हिस्सा कृषि , मजदूरी एवं अन्य वर्गों की सेवा में लगा हुआ था। ज़मीनी स्तर पर भारत में श्रम संघों की लड़ाई पूँजीवादी देशों के वर्ग संघर्ष से एकदम अलग थी। विचारधारात्मक स्तर पर भारतीय श्रमिक संघों तथा उनके अगुआओं से यहीं गंभीर चूक हुई। इन्होंने वर्ग संघर्ष की विचारधारा को भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों एवं परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलन किये बगैर वर्ण आधारित जातीय व्यवस्था में जस का तस लागू करने का प्रयास किया।

एक गठरी ने पूरी व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया

आरके जैन

सच का आ ई ना अक्सर वहीं मिलता है, जहाँ नजरें कम जाती हैं। ओडिशा के एक ग्रामीण इलाके की सुनसान राह पर चलता वह व्यक्ति केवल राहगीर नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन गया था। उसके कंधों पर रखी गठरी में कोई वस्तु नहीं, बल्कि उसकी मृत बहन के अवशेष थे- और भीतर अपमान, थकान व असहायता का गहरा बोझ था। कई किलोमीटर का यह सफर वर्षों की उपेक्षा और असमानता की खाई को पार करने जैसा था, जहाँ उसे मानवीय संवेदना की सीमा तक जाना पड़ा। उद्देश्य था-करीब बीस हजार रुपये-पर रास्ता इतना कठोर कि उसे अपनी बहन के अवशेष ही प्रमाण बनाने पड़े। यह दृश्य केवल पीड़ादायक नहीं, बल्कि भयावह है, जो व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

इसे केवल एक वायरल दृश्य मानकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ी चूक होगी। यह उस व्यक्ति की दास्तान है, जिसने व्यवस्था के दरवाज़े पर बार-बार दस्तक दी, पर हर बार कागज़ी औपचारिकताओं की दीवार से टकराकर लौटना पड़ा। वह व्यक्ति-एक अशिक्षित, दिहाड़ी मजदूर-दरअसल उसी भारत का चेहरा है, जो अक्सर योजनाओं और आँकड़ों की भीड़ में गुम हो जाता है। उसके लिए बैंक, प्रमाण-पत्र और प्रक्रियाएँ जीवन का सामान्य हिस्सा नहीं, बल्कि भय और उलझनों से भरा जाल हैं। बहन की मृत्यु के बाद बची थोड़ी-सी राशि ही उसके लिए आशा की अंतिम किरण थी। पर जब उस पर भी नियमों का कठोर पहरा लगा, तो उसका मानसिक संतुलन डगमगा गया। उसका यह कदम तर्कसंगत न हो, पर उसकी पीड़ा निस्संदेह सच्ची और असहनीय थी।

परिस्थिति का एक दूसरा आयाम भी है, जो उतना ही सख्त है और जिसे अनदेखा करना उचित नहीं। बैंक की मांग कोई मनमानी नहीं, बल्कि विधिक प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा थी। मृत्यु प्रमाण-पत्र और वारिस की पुष्टि जैसे प्रावधान उसी व्यवस्था की नींव हैं, जो छल और धोखाधड़ी को रोकती है। यदि बिना दस्तावेज़ के राशि दे दी जाती, तो वही समाज बाद में बैंक को लापरवाह ठहराता। नियम संवेदनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए जाते हैं।

यह स्वीकार करना होगा कि व्यवस्था की कठोरता ही उसकी विश्वसनीयता का आधार बनती है। किंतु प्रश्न अब भी बना हुआ है-क्या इस कठोर ढांचे में मानवीय संवेदना के लिए कोई स्थान शेष है, या वह कागज़ी औपचारिकताओं के बोझ तले दबकर रह गई है?

यहीं से सवाल एक चुभती हुई सच्चाई बनकर उभरता है-दोष नियमों में है या उन्हें पाने की प्रक्रिया में? ग्रामीण भारत में मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाना भी कई लोगों के लिए कठिन काम बन जाता है। जानकारी की कमी, दफ्तरों की दूरी और भाषा-व्यवहार की खाई आम आदमी को बेबस कर देती है। उस व्यक्ति के लिए यह प्रक्रिया उतनी ही जटिल रही होगी, जितनी हमारे लिए किसी अनजाने देश के कानून समझना। उसका कदम गलत था, पर इसकी जड़ उस व्यवस्था में भी है, जिसने उसे सही रास्ता कभी दिखाया ही नहीं। जब रास्ते साफ नहीं होते, तो भटकाव मजबूरी बन जाता है।

डिजिटल दुनिया में उमड़ता गुस्सा अपने आप में एक कड़वा सच उजागर करता है। हम बिना पूरी तस्वीर देखे तुरंत व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर देते हैं, जबकि असल समस्या कई स्तरों पर फैली होती है। यह मानना सही है कि गरीबी इंसान को संवेदनशील बनाती है, लेकिन जब यही संवेदना अति में बदल जाती है, तो सच्चाई ओझल हो जाती है। बैंक को दोष देना सरल है, पर यह सवाल उठाना कठिन है कि क्या हमने अपने समाज को इतना जागरूक बनाया है कि वह इन प्रक्रियाओं को समझ सके। यह घटना केवल एक व्यक्ति का दुख नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक कमी का परिणाम है, जिसमें हम सब किसी न किसी रूप में भागीदार हैं। अब बात सिर्फ खेद जताने तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि ठोस सुधार की मांग करती है। बैंकों और प्रशासन को यह स्वीकार करना होगा कि नियम तभी प्रभावी होते हैं, जब वे आम लोगों के लिए सहज और पहुँच में हों। ग्रामीण क्षेत्रों में सहायता केंद्र, सरल और स्पष्ट भाषा में जानकारी, तथा पंचायतों के साथ मजबूत समन्वय-ये सब अब जरूरत बन चुके हैं। संवेदनशीलता का अर्थ नियमों से समझौता नहीं, बल्कि उन्हें इस तरह लागू करना है कि हर व्यक्ति उन्हें समझ सके और अपनाने में सक्षम हो। अगर व्यवस्था लोगों तक पहुँचने में असफल रहती है, तो उसका अस्तित्व ही सवालों के घेरे में आ जाता है। यह घटना एक गहरी और कड़वी सच्चाई को सामने लाती है- हमारी व्यवस्था ऊपर से भले ही सुदृढ़ दिखे, लेकिन उसकी जड़ों में कहीं न कहीं कमजोरी छिपी हुई है। सबसे पीछे खड़ा आम व्यक्ति आज भी जरूरी जानकारी और बुनियादी सुविधाओं से दूर रह जाता है।

अक्सर ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासन की सक्रियता देखने को मिलती है, पर यह प्रश्न लगातार उठता है कि यह पहल पहले क्यों नहीं दिखाई दी? क्या हर बार हमें किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार करना पड़ेगा, तभी बदलाव की शुरुआत होगी? अब गंभीरता से सोचने का समय है कि कहीं हम ऐसा समाज तो नहीं बन गए हैं, जो केवल हादसों के बाद ही जागता और सक्रिय होता है।

अब यह पल हमसे कठोर जवाब मांग रहा है-क्या हम केवल आक्रोश में सिमटे रहेंगे, या सच में ठोस बदलाव की ओर बढ़ने का साहस करेंगे? हड्डियों की वह गठरी केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है, जिसमें संवेदनशीलता और नियमों के बीच संतुलन बुरी तरह बिगड़ चुका है। यदि हमने इस घटना से कोई ठोस सीख नहीं ली, तो कल फिर कोई आम व्यक्ति अपनी बेबसी का यही बोझ ढोता नजर आएगा। और तब हमारी संवेदनाएं भी उतनी ही भारी और सुन्न हो जाएंगी, जितना उसके कंधों पर रखा वह बोझ था।

नकली गम के असली हिस्सेदार

डॉ. सुरेश कुमार

शहर के उस वीवीआईपी मोहल्ले में दुख भी ब्रांडेड था। दीवान साहब क्या मरे, कोठी के बाहर मातम की सेल लग गई। सफ़ेद कुर्ते-पजामे में लोग ऐसे सजे थे जैसे किसी मातम-थीम वाली पार्टी में आए हों। रुआंसा होना वहाँ शिष्टाचार था, पर रोना मिडिल क्लास होने की निशानी। तभी शोक-लिमिटेड कंपनी की गाड़ी रुकी और चार पेशेवर मातमगीर उतरे। इनके चेहरे पर दुख की ऐसी परत थी कि फेयरनेस क्रीम भी शर्मिंदा हो जाए।

छोटा बेटा, जो पिता की वसीयत और नेटफ्लिक्स के सब्सक्रिप्शन के बीच झूल रहा था, धीरे से बोला, देखिए, माहौल ऐसा बनाइए कि पड़ोसियों को लगे कि पिता नहीं, कोई भगवान गकए हैं। पैकेज में हिचकियां और छाती पीटना भी शामिल है न? मुख्य मातमगीर ने उसे ऐसे देखा जैसे कोई कलाकार किसी नौसिखिए को देखता है, और बस इतना कहा, साहब, हम आंसुओं की खेती करते हैं, फसल ऐसी काटेंगे कि पूरा मोहल्ला डूब जाएगा। दीवान साहब के शव के पास पहुंचते ही मुख्य मातमगीर ने जो तान छेड़ी, उसे सुनकर मोहल्ले के कुत्ते भी डिप्रेशन में चले गए। ओ मेरे अन्नदाता! आप क्या गए, मोहल्ले की रौनक चली गई!

उसकी आवाज़ में वो दर्द था जो अक्सर ईएमआई बाउंस होने पर भी नहीं होता। उसने शव के पैर ऐसे पकड़े जैसे वो कोई खोया हुआ खजाना हो। घर की औरतें, जो अब तक साड़ियों के मैचिंग और कैटरिंग के मेन्यू पर चर्चा कर रही थीं, अचानक 'हाथ से बने' आंसुओं के मुकाबले में पिछड़ने लगीं।

लोग फुसफुसा रहे थे-क्या वफादार लोग हैं, दीवान साहब की रूह भी ऊपर बैठकर खुश हो रही होगी कि चलो, कोई तो है जो मुफ्त में नहीं रो रहा। बड़ा बेटा अपनी रुमाल भिगोने के लिए बार-बार आंखों में ग्लिसरीन डाल रहा था ताकि इन भाड़े के रुदालियों से कंपटीशन कर सके।श्मशान की राह में उन चारों ने ऐसा कोहराम मचाया कि लगा साक्षात यमराज को भी अपनी नौकरी से इस्तीफा देना पड़ेगा।

वे दीवान साहब के गुणों का ऐसा बखान कर रहे थे जैसे वो कोई समाज सुधारक थे, जबकि सच ये था कि दीवान साहब ने पूरी जिंदगी ब्याज और बददुआएं कमाने में बिताई थी। चिता के पास पहुंचकर मुख्य मातमगीर ने अपनी छाती पीटनी शुरू की, बाबूजी, हमें किसके भरोसे छोड़ गए? छोटा बेटा मन ही मन मुस्कराया, पैसा वसूल है भाई, एकदम नेचुरल एक्टिंग। जैसे-जैसे आग की लपटें बढ़ीं, उन चारों का विलाप पेशेवर दायरे से बाहर निकलकर व्यक्तिगत होने लगा।

वे अब चीख नहीं रहे थे, तड़प रहे थे। उनकी आंखों से बहता पानी अब पैकेज का हिस्सा नहीं लग रहा था। अंतिम क्रिया खत्म हुई। बेटे ने चेक बुक निकाली और मुख्य मातमगीर के पास गया, ये लो तुम्हारा बोनस, बहुत जानदार परफॉर्मेंस थी। मातमगीर ने चेक की तरफ देखा भी नहीं, उसकी नजरें चिता की राख पर टिकी थीं। उसने अपनी फटी हुई कमीज की जेब से एक पुराना खत निकाला और राख में डाल दिया।

साहब, हम रोने के पैसे नहीं लेते, हम तो बरसों का हिसाब बराबर करने आए थे।₹ बड़े बेटे ने चिढ़कर पूछा, ₹क्या मतलब? पहेलियां मत बुझाओ। मातमगीर की आंखों में अब वो आग थी जो चिता में भी नहीं बची थी। वह बोला, पच्चीस साल पहले दीवान साहब ने जिस अनाथालय की जमीन हड़प कर ये कोठी खड़ी की थी, हम उन अनाथ बच्चों की पहली खेप हैं। उन्होंने हमें सड़कों पर रोने के लिए छोड़ा था, आज हम उन्हें उसी कर्ज का ब्याज चुकाने आए थे। आज हम प्रोफेशनल बनकर नहीं, बल्कि उनके पापों के गवाह बनकर रोए हैं। चारों सन्नाटे को चीरते हुए निकल गए, और कोठी के वारिस वहां खड़े होकर अपनी वसीयत के कागज देख रहे थे, जिन पर अब राख जमी थी।

समाजोन्मुखी पत्रकारिता के पितामह हैं देवर्षि नारद

योगेश कुमार गोयल

नारद मुनि की छवि को एक चुगलखोर अर्थात इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दिया गया है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना ही परिलक्षित होता रहा है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर एक सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते रहे हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं और पत्रकारिता के प्रथम पितृ पुरूष हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ वे ब्रह्माण्ड के प्रथम दिव्य पत्रकार के रूप में लोकमंडल के संवाददाता हैं। उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक अर्थात पत्रकार माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे।

मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 2 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है।

धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्याओं में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचाकर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी को सभी लोकों के समाचारों की जानकारी रखने वाले कवि, मेधावी नीतिज्ञ तथा एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है। जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाया करते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत दुखी हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि हे नारद! ऐसा नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा आपने क्या देख लिया, जिसके आधार पर आप यह कह रहे हैं? तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़कर दलदल लांघकर निकल गया, जिसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु एक गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौनसा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ ही मोहरें मिली जबकि साधु को गड्ढे में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है। सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे एक ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध 'नारद पुराण' देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है।

आज मनाई जाएगी नारद जयंती

ब्रह्माजी के सात मानस पुत्रों में से एक हैं देवऋषि नारद

कब है नारद जयंती 2026

नारद जयंतीः शनिवार, 2 मई 2026
प्रतिपदा तिथि प्रारंभः 1 मई 2026 को रात 10:52 बजे से शुरू
प्रतिपदा तिथि समाप्तः 3 मई 2026 को रात 12:49 बजे

हिंदू धर्म में नारद जयंती का विशेष महत्व माना जाता है। नारद जयंती ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाई जाती है। यह दिन देवर्षि नारद के जन्म से जुड़ा है, जिन्हें ज्ञान, भक्ति और देवताओं के संदेशवाहक के रूप में जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु और नारद जी की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मनोकामनाएं पूरी होने का आशीष मिलता है। इस दिन पूजा पाठ, दान पुण्य और विष्णु आराधना का विशेष महत्व माना गया है। जानिए साल 2026 में यह पर्व कब मनाया जाएगा और इसका महत्व क्या है।

दान-पुण्य करना होता है शुभ

नारद जयंती के दिन दान-पुण्य करना अत्यंत शुभ माना गया है। इस दिन ब्राह्मणों को भोजन कराना, जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और धर्म कार्यों में भाग लेना विशेष फलदायी होता है। मान्यता है कि इससे व्यक्ति के जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं और कष्ट दूर होते हैं।

नारद जयंती पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूजा स्थान की सफाई कर गंगाजल का छिड़काव करें। सबसे पहले भगवान विष्णु की पूजा करें और उन्हें फूल, चंदन और फल अर्पित करें। धूप दीप जलाकर आरती करें और पंचामृत में तुलसी डालकर भोग लगाएं। इसके बाद नारद जी की विधि-विधान से पूजा करें। मान्यता है कि इस दिन बांसुरी अर्पित करना भी शुभ होता है।

60 साल बाद दुर्लभ 'दिव्य योग' में होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो रहे हैं। इस बार की यात्रा 60 साल बाद आ रहे दिव्य 'अग्नि अश्व वर्ष' महासंयोग में हो रही है, जिसे हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म में मोक्ष का द्वार माना जाता है। जून के पहले सप्ताह से यात्री रवाना होंगे।

अगर आप कैलाश मानसरोवर यात्रा करने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल, इस यात्रा के लिए आज से रजिस्ट्रेशन शुरू हो रहा है। दिलचस्प बात ये है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा इस बार एक दिव्य योग में होने जा रही है, जिसमें भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर के श्रद्धालु शामिल होंगे। यात्रा जून के पहले सप्ताह से शुरू होगी और पहले जत्थे को रवाना किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि इस बार कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर 60 साल बाद तिब्बती और हिमालयी ज्योतिष का दुर्लभ महासंयोग बन रहा है। इस योग का नाम है अग्नि अश्व वर्ष, जोकि हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म में मोक्ष का द्वार कहा जाता है। तिब्बती ज्योतिष में 60 सालों का चक्र होता है। इस साल अग्नि तत्व और अश्व का दुर्लभ संगम बना है। यही वजह है कि 2026 में होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा में तीनों धर्मों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा में 500 श्रद्धालु होंगे शामिल

कैलाश मानसरोवर यात्रा करवाने के लिए सरकार तेजी से तैयारियां करने में जुटी हुई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यात्रा की शुरुआत उत्तराखंड के रास्ते आयोजित की जाएगी और इसमें 500 श्रद्धालुओं को शामिल करने का प्लान बनाया गया है।

इस यात्रा को विदेश मंत्रालय हर साल जून से अगस्त-सितंबर के बीच दो अलग-अलग रास्तों से आयोजित करता है। एक रास्ता लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड) और दूसरा नाथू ला दर्रा (सिक्किम) है। ये यात्रा अपने धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक अहमियत के लिए जानी जाती है। हर साल सैकड़ों लोग यह यात्रा करते हैं। हिंदुओं के लिए भगवान

शिव का निवास स्थान होने के नाते इसका धार्मिक महत्व जैन और बौद्ध धर्म के लोगों के लिए भी है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के रूट

लिपुलेख दर्रा मुख्य मार्ग है। इस रास्ते से यात्रा दिल्ली से शुरू होती है और टनकपुर, पिथौरागढ़, धारचूला, गुंजी और लिपुलेख दर्रे से होकर गुजरती है। भारत-चीन सीमा तक यह रास्ता पूरी तरह से गाड़ियों के चलने लायक है और इसमें कैलाश पर्वत की पवित्र बाहरी परिक्रमा और भीतरी परिक्रमा शामिल है। श्रद्धालु मानसरोवर झील पर रुककर हवन और पूजा करते हैं।

नाथू ला दर्रा रूट सिक्किम के रास्ते से है,। यह यात्रा भी दिल्ली से ही शुरू होती है और नाथू ला पार करने से पहले गंगटोक तक जाती है। भू-राजनीतिक पाबंदियों के कारण इस रास्ते का इस्तेमाल कम किया जाता है। लिपुलेख दर्रा रूट की तरह ही, इस रास्ते में भी बहुत कम ट्रेकिंग करनी पड़ती है और यात्रा ज्यादा आरामदायक होती है।

कैलाश मानसरोवर के पात्रता, डॉक्यूमेंट्स

तीर्थयात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं को MEA पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण पूरा करना होगा। इसके लिए वैध भारतीय पासपोर्ट या OCI कार्ड, अपडेटेड मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और सरकार की ओर से जारी पहचान पत्र होना जरूरी होता है। चुने गए तीर्थयात्रियों को विदेश मंत्रालय की ओर से पूरी यात्रा योजना और दिशानिर्देश प्राप्त होते हैं। साथ ही प्रस्थान से पहले ओरिएंटेशन सत्र भी आयोजित किए जाते हैं।

कैलाश मानसरोवर के लिए पूछे जाने वाले सवाल

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए शरीर को अनुकूल बनाना क्यों जरूरी है?

यात्रा से पहले ज्यादा ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन के स्तर के साथ तालमेल बिठाने के लिए शरीर को अनुकूल बनाना जरूरी है। एक्यूट माउंटेंस सिकनेस, हाई एल्टीट्यूड पल्मोनरी एडिमा (HAPE) और हाई एल्टीट्यूड सेरेब्रल एडिमा (HACE) जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कम करता है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा में आमतौर पर कितना समय लगता है?

इस यात्रा में आमतौर पर 1520 दिन लगते हैं, जो रास्ते और मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है।

इस यात्रा के दौरान सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

ज्यादा ऊंचाई, कम ऑक्सीजन का स्तर और ऊबड़-खाबड़ इलाका। इन सभी चीजों के मेल की वजह से यह यात्रा शारीरिक रूप से बहुत थकाने वाली हो जाती है, यहां तक कि सेहतमंद यात्रियों के लिए भी।

दिल के सबसे अमीर होते हैं 9 मूलांक के लोग

इस मूलांक के लोग बाहर से भले ही सख्त दिखाई दें लेकिन अंदर से इनका दिल बड़ा कोमल होता है। इनसे किसी का भी दुख देखा नहीं जाता है और ये तुरंत मदद के लिए तैयार हो जाते हैं। इनका मन समाज सेवा में खूब लगता है। अब तो आप जान ही गए होंगे कि यहां हम मूलांक 9 वालों के बारे में बात कर रहे हैं। बता दें किसी भी महीने की 9, 18 और 27 तारीख में जन्मे लोगों का मूलांक 9 होता है। ये लोग दिल के अमीर माने जाते हैं। इनके अंदर परोपकार की भावना कूट-कूटकर भरी होती है।

मूलांक 9 वाले क्यों कहलाते हैं 'कलयुग के कर्ण'

मूलांक 9 वालों के रग-रग में परोपकार की भावना दौड़ती है। ये लोग जब भी किसी को परेशान देखते हैं तो उसकी मदद करने लगते हैं। कई बार तो ये दूसरों की खुशी के लिए अपनी तिजोरी तक खाली कर देते हैं। इनके अंदर दया की भावना काफी ज्यादा होती है। इस मूलांक के लोग दिखावे के दान में विश्वास नहीं रखते। ये चुपचाप दूसरे की मदद कर देते हैं। यही कारण है कि इन्हें समाज में खूब मान-सम्मान मिलता है। सामाजिक कार्यों में ये लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

मूलांक 9 वालों की अन्य बड़ी खूबियां

ये दृढ़ इच्छाशक्ति वाले होते हैं। एक बार जो ठान लेते हैं, उसे पूरा करके ही दम लेते हैं।

मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति में भी ये कभी हार नहीं मानते।

ये बेहद मेहनती होते हैं। अपनी इसी खूबी के चलते करियर में ऊंचा मुकाम प्राप्त करते हैं।

इस मूलांक के लोग नौकरी से ज्यादा बिजनेस में सफलता पाते हैं।

इनके अंदर नेतृत्व करने की अच्छी क्षमता होती है।

मूलांक 9 वालों की कमजोरियां

मंगल के कारण इन्हें गुस्सा जल्दी आता है। जिस वजह से इनका कई बार नुकसान होने की संभावना रहती है। अपनी उदारता के कारण ये अक्सर गलत लोगों पर भरोसा कर बैठते हैं और लोग भी इनकी इस अच्छाई का खूब फायदा उठा लेते हैं।

इस ज्योतिष उपाय से मां लक्ष्मी कभी नहीं छोड़ती घर

हर किसी चाहत होती है कि धन की देवी उसके घर में हमेशा टिकी रहें, ताकि उसे कभी भी धन-धान्य की कोई कमी न हो। यदि आपकी भी कुछ ऐसी ही कामना है और आप चाहते हैं कि मां लक्ष्मी आपके घर को कभी न छोड़कर जाएं तो आपको इस लेख में बताई गई बातों को अपने जीवन में जरूर अपनाना चाहिए। जीवन से जुड़ी तमाम तरह की जरुरतों को पूरा करने और तमाम तरह के सुख-साधन प्राप्त करने के लिए धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा मिलना बेहद जरूरी माना गया है। माता लक्ष्मी की कृपा हर समय बरसती रहे और कभी रुपये-पैसों की कमी न हो इसके लिए हर कोई सुबह से लेकर देर रात तक खूब परिश्रम और प्रयास करता है। हिंदू मान्यता के अनुसार धन की देवी की कृपा पाने के लिए सिर्फ परिश्रम, प्रयास ही नहीं काफी है, बल्कि पूजा और जीवन में कुछेक आदतों से मां लक्ष्मी शीघ्र प्रसन्न होती हैं। आइए ज्योतिष में बताए गये उन उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिसे करने पर माता लक्ष्मी हमेशा आपके घर में टिकी रहती हैं।

आपके घर में कैसे टिकेंगी माता लक्ष्मी?

सनातन परंपरा में माता लक्ष्मी को चंचला कहा गया है जो बामुश्किल ही एक स्थान पर टिकती हैं और हमेशा भ्रमण करती रहती हैं, लेकिन आप चाहें तो उन्हें अपने घर में रोक कर उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं जीवन से जुड़ी उन आदतों के बारे में जिन्हें अपनाने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होकर हमेशा आशीर्वाद बरसाती हैं -

हिंदू मान्यता के अनुसार जिस घर में कलह नहीं होती है और उसमें रहने वाले एकदूसरे का सम्मान करते हैं, वहां लक्ष्मी जी निवास करती हैं।

हिंदू मान्यता के अनुसार जिस घर में पवित्रता, साफ-सफाई रहती है, वहां माता लक्ष्मी निवास करती हैं।

मां लक्ष्मी को मनाने के लिए सिर्फ घर की पवित्रता ही नहीं बल्कि आचरण का भी सही होना जरूरी माना गया है। मान्यता है कि मां लक्ष्मी धर्मनिष्ठ, सदाचारी और इंद्रियों पर नियंत्रण रखने वाले व्यक्ति के घर में निवास करती हैं।

मां लक्ष्मी उस घर में प्रसन्न होकर निवास करती हैं, जहां पर घर पर आए हुए अतिथि का मान-सम्मान होता है।

हिंदू मान्यता के अनुसार दान देने से धन घटता नहीं बल्कि बढ़ता है। यही कारण है कि मां लक्ष्मी उस घर में चिरकाल तक निवास करती हैं जो गरीबों की मदद करता है और समय-समय पर जरूरतमंदों को दान देता है।

मां लक्ष्मी को मनाने के ज्योतिष उपाय

हिंदू मान्यता के अनुसार माता लक्ष्मी का आशीर्वाद पाने के लिए व्यक्ति को प्रतिदिन सूर्योदय से पहले उठकर घर की साफ-सफाई करके तन और मन से पवित्र हो जाना चाहिए।

धन की देवी का आगमन मुख्य द्वार से होता है, इसलिए हमेशा अपने घर के द्वार स्वच्छ और मांगलिक प्रतीकों से सजाकर रखना चाहिए।

प्रतिदिन प्रातःकाल स्नान-ध्यान करने के बाद घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर हल्दी मिले पानी को छिड़कना चाहिए।

धन की देवी की कृपा पाने के लिए घर में माता लक्ष्मी के चित्र या मूर्ति के साथ श्रीयंत्र, कनकधारा यंत्र और कुबेर यंत्र की विशेष पूजा करनी चाहिए।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए प्रतिदिन पूजा के बाद कमल गट्टे की माला से 'ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः' जप करना चाहिए।

धन की देवी को प्रसन्न करने के लिए प्रतिदिन माता लक्ष्मी की कृपा बरसाने वाला श्री सूक्त का पाठ करना चाहिए।

जब कोई समस्या आती है तो तुरंत प्रतिक्रिया न दें; पहले रुकें, सोचें और फिर निर्णय लें

कभी-कभी जीवन में ऐसे मोड़ आते हैं, जहां रास्ता साफ दिखाई देना बंद हो जाता है। जिस काम को हम पहले बहुत आसान समझते थे, वही अचानक उलझा हुआ और कठिन लगने लगता है, लेकिन जब हम धैर्य के साथ सोच-विचार करते हैं, तो मुश्किल से मुश्किल काम भी पूरा हो जाता है। ये बात गौतम बुद्ध और उनके प्रिय शिष्य आनंद के एक किस्से से समझ सकते हैं...

एक दिन गौतम बुद्ध और आनंद किसी घने जंगल से गुजर रहे थे। गर्मी बहुत तेज थी और दोनों थक चुके थे। प्यास से व्याकुल होकर बुद्ध ने आनंद से कहा कि पास ही एक झरना है, वहां से पानी ले आओ, बहुत प्यास लगी है। आनंद तुरंत झरने की ओर चल पड़े।

जब वे झरने के पास पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि हाल ही में एक बैलगाड़ी वहां से गुजरी, जिसके पहियों की वजह से मिट्टी और गंदगी पानी में मिल गई है, पानी पूरी तरह मटमैला हो गया। आनंद ने सोचा कि ऐसा पानी पीना ठीक नहीं होगा, इसलिए वे खाली हाथ लौट आए और बुद्ध को बताया कि पानी साफ नहीं है।

बुद्ध ने कहा, "तुम फिर से जाओ और वहां किनारे पर कुछ देर बैठ जाओ।"

आनंद थोड़ा हैरान हुए, लेकिन गुरु की बात मानकर फिर से झरने पर चले गए। वे वहां चुपचाप किनारे पर बैठ गए और पानी को देखने लगे। कुछ ही समय बाद, धीरे-धीरे मिट्टी के कण नीचे बैठने लगे। पानी पहले से साफ दिखने लगा।

थोड़ी देर बाद आनंद ने साफ पानी भरा और वापस बुद्ध के पास आ गए। बुद्ध ने शांत स्वर में कहा, "देखा तुमने? जब पानी को शांत रहने दिया जाता है, तो उसकी गंदगी खुद नीचे बैठ जाती है और पानी साफ हो जाता है।"

फिर बुद्ध ने आनंद को समझाया, "जीवन भी ऐसा ही है। जब परिस्थितियां बिगड़ती हैं, मन अशांत हो जाता है। उस समय अगर हम घबराकर प्रतिक्रिया देते हैं, तो स्थिति और खराब हो जाती है, लेकिन अगर हम धैर्य रखते हैं और स्वयं को शांत करते हैं, तो समय के साथ समाधान अपने आप स्पष्ट होने लगता है।"

आनंद ने समझ लिया कि असली शक्ति स्थिति को बदलने में नहीं, बल्कि स्वयं को स्थिर रखने में है। धैर्य ही समाधान की कुंजी है।

गौतम बुद्ध की सीख

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि जीवन में सफलता केवल परिस्थितियों को बदलने से नहीं, बल्कि अपने मन को नियंत्रित करने से आती है।

तुरंत प्रतिक्रिया न दें

जब कोई समस्या आती है, तो हमारा पहला झुकाव तुरंत प्रतिक्रिया देने का होता है, लेकिन कई बार यह प्रतिक्रिया स्थिति को और बिगाड़ देती है। इसलिए पहले रुकें, सोचें और फिर निर्णय लें।

धैर्य बनाए रखें

धैर्य एक दिन में आने वाला गुण नहीं है। इसे रोज छोटे-छोटे अभ्यासों से विकसित किया जा सकता है, जैसे किसी विवाद में शांत रहना या तुरंत जवाब न देना। नियमित अभ्यास से धैर्य बनाए रखने की क्षमता बढ़ती है।

मन को शांत रखें

मेडिटेशन, गहरी सांस लेना और आत्मनिरीक्षण जैसी विधियां मन को शांत और स्थिर करती हैं। जब मन शांत होता है, तब समस्याएं छोटी लगने लगती हैं और समाधान स्पष्ट हो जाता है।

समस्या को समय दें

हर समस्या तुरंत हल नहीं होती। कुछ परिस्थितियां समय के साथ खुद ही बेहतर हो जाती हैं, जैसे झरने का पानी साफ होना। इसलिए हर चीज को समय देना सीखें।

नकारात्मकता से दूरी रखें

डर, गुस्सा और चिंता मन को और अधिक अशांत करते हैं। ऐसे में सकारात्मक सोच और सही संगति बहुत महत्वपूर्ण है।

स्पष्ट सोच के लिए दूरी बनाएं

कभी-कभी समस्या से थोड़ी दूरी बनाना जरूरी होता है। इससे हम स्थिति को नए दृष्टिकोण से देख पाते हैं।

खुद पर विश्वास रखें

कठिन समय अस्थायी होता है। खुद पर विश्वास बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही हमें आगे बढ़ने की ताकत देता है। जैसे शांत जल में प्रतिबिंब स्पष्ट दिखाई देता है, वैसे ही शांत मन में समाधान भी आसानी से दिखाई देता है।

अवकाश अवश्य मनाएं पर इन चार बातों का ध्यान रखें

बच्चों की स्कूलों की छुट्टियां लग चुकी हैं या लग रही हैं। अधिकांश पैरेंट्स बच्चों को लेकर यात्रा पर निकलने की तैयारी में हैं। ऋषि-मुनि भी अवकाश अर्जित करते थे। छुट्टियां मनाने का उनका अपना ढंग था, क्योंकि गुरुकुल व्यवस्था थी। जब आप अवकाश का मन बनाएं तो सबसे पहले समय-सीमा तय करें। सहयोगी कौन रहेंगे? क्षेत्र बदले तो सावधानी रखिए। पुराना स्थान छोड़ा है तो वहां से संपर्क कितने समय रखना है, इसमें सचेत रहें। और सबसे बड़ी बात, सकुशल लौटें।

अवकाश का सदुपयोग कैसे हो, इस पर रामचरितमानस में एक पंक्ति आई है। राम जी, सीता जी और लक्ष्मण वन के समय एकांत में अवकाश ही मना रहे थे। तो पंक्ति है- एहि बिधि गए कछुक दिन बीती, कहत बिराग ग्यान गुन नीती। कुछ दिन ऐसे बीते कि उन्होंने एक-दूसरे से वैराग्य, ज्ञान, गुण और नीति पर चर्चा की। अवकाश मनाएं, पर ये चार बातें इस दौरान होती रहें तो मानसिक स्वास्थ्य के साथ जाएंगे, शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मनाएंगे और दोनों के साथ ही लौटेंगे।

शोहरत के पीक पर हीरोइन ने लिया बॉलीवुड से ब्रेक
पति हैं स्टार क्रिकेटर, जन्मदिन पर फैन्स ने लुटाया प्यार

आज अनुष्का शर्मा अपना जन्मदिन मना रही हैं और इस खास मौके पर फैन्स समेत तमाम फिल्मी सितारों ने उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दी है। अनुष्का उन चंद हीरोइन्स में से एक हैं जिन्होंने अपनी एक्टिंग की दम पर फिल्मी दुनिया में एक खास मुकाम हासिल किया है। इसके बाद करियर के पीक पर फिल्मी दुनिया से ब्रेक ले लिया। बीते कुछ समय से अनुष्का किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। आज जन्मदिन के मौके पर हम जानते हैं अनुष्का के करियर और जिंदगी की कहानी।

शाहरुख खान संग किया था हिट डेब्यू

अनुष्का ने साल 2008 में आई फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। डेब्यू फिल्म ने ही बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया था और अनुष्का को हीरोइन बना गया। इसके बाद अनुष्का ने लगातार दमदार एक्टिंग से भरपूर फिल्में दीं। बदमाश कंपनी और बैंड बाजा बारात ने अनुष्का को बॉलीवुड में तगड़ा नाम दिलाया। इसके बाद लेडीज वर्सेस रिक्की बहल में भी उन्होंने अपनी एक्टिंग के निशान छोड़े और शाहरुख खान संग जब तक है जान नाम की फिल्म में भी कमाल का काम किया। इसके बाद अनुष्का ने पीके, एनएच10, दिल धड़कने दो समेत कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है।

करियर के पीक पर लिया ब्रेक

अनुष्का शर्मा ने भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के साथ शादी रचाई है। अनुष्का और विराट के इश्क के चर्चे तो शादी के कुछ साल पहले ही शुरू हो गए थे। करियर के पीक पर अनुष्का ने साल 2017 में विराट से शादी रचाई थी। शादी के बाद अनुष्का ने अपने करियर का विस्तार कम कर दिया। अब बीते कुछ साल से अनुष्का बेहद कम ही कैमरे पर नजर आती हैं। आज जन्मदिन के मौके पर फैन्स ने अनुष्का के करिदारों को याद किया है। साथ ही सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी है।

अनुष्का के जन्मदिन पर देखें उनकी ये बेहतरीन फिल्में

अनुष्का ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में की हैं और इनके लिए उन्हें कई अहम अवॉर्ड्स से भी सम्मानित किया गया है। साल 2012 में आई फिल्म जब तक है जान में अनुष्का ने कमाल का काम किया था। इसके साथ ही पीके, रब ने बना दी जोड़ी और सुल्तान जैसी फिल्में अनुष्का के जन्मदिन पर जरूर देखनी चाहिए।

राहुल रॉय के सपोर्ट में आया एआईसीडब्ल्यूए
पीएम मोदी को लिखा पत्र, 60+ कलाकारों के लिए पेंशन और मेडिकल इंश्योरेंस की मांग की

ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन (AICWA) एक्टर राहुल रॉय के वायरल वीडियो की आलोचना के बीच उनके सपोर्ट में आया है। साथ ही एसोसिएशन ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 60 साल से ज्यादा उम्र के कलाकारों के लिए पेंशन और मेडिकल इंश्योरेंस की मांग की बात कही है।

60 साल से ऊपर कलाकारों के लिए पेंशन की मांग

एसोसिएशन ने यह भी कहा कि हमने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 60 साल से ज्यादा उम्र के कलाकारों के लिए पेंशन और मेडिकल इंश्योरेंस शुरू करने की मांग की है। बॉलीवुड और क्षेत्रीय फिल्म इंडस्ट्री में कई सीनियर आर्टिस्ट उम्र बढ़ने के साथ काम कम मिलने पर आर्थिक और स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते हैं। यह सच्चाई नजरअंदाज नहीं की जा सकती। एसोसिएशन ने बॉलीवुड से अपील की है कि राहुल रॉय को अच्छे प्रोजेक्ट्स में काम दिया जाए।

राहुल रॉय ने इमोशनल पोस्ट शेयर की थी

फिल्म 'आशिकी' फेम राहुल रॉय ने हाल ही में एक कंटेंट क्रिएटर के साथ वायरल हुए वीडियो पर रिएक्ट करते हुए एक इमोशनल पोस्ट लिखी थी।

राहुल रॉय का यह वीडियो डॉ. वनिता घाडगे देसाई नाम के हैंडल से शेयर किया गया था। इसमें राहुल गाने 'तेरे दर पे सनम' पर कंटेंट क्रिएटर के साथ नजर आए। यह गाना 1993 की फिल्म 'फिर तेरी कहानी याद आई' का है, जिसमें राहुल के साथ पूजा भट्ट थीं।

राहुल रॉय के सपोर्ट में उतरा बॉलीवुड

राहुल रॉय की पोस्ट पर कमेंट करके बॉलीवुड के कई सेलेब्स उनके सपोर्ट में आए। फिल्ममेकर फराह खान ने कमेंट करते हुए उन्हें गुड लक कहा। सोनू सूद ने राहुल को भाई बताते हुए लिखा, 'कीप रॉकिंग ब्रदर'। एक्टर अनुपम खेर ने भी राहुल का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें बेस्ट बताया।

वहीं, शिल्पा शिरोडकर ने कहा कि हमें वह करना चाहिए जो हमारे लिए जरूरी है, लोगों को बातें करने दें। इनके अलावा निकितिन धीर, टीना दत्ता, करणवीर बोहरा और माहिका शर्मा जैसे कलाकारों ने भी राहुल के लिए प्रार्थना की और उनके प्रति अपना प्यार जताया

'या अल्लाह! रसगुल्ला!' धर्म का अपमान नहीं, हाई कोर्ट से भारती सिंह और शेखर सुमन को बड़ी राहत, एफआईआर रद्द

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को कमीडियन भारती सिंह और एक्टर शेखर सुमन को बड़ी राहत देते हुए साल 2010 में दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ये स्पष्ट किया कि हास्य-व्यंग्य और तुकबंदी के उद्देश्य से किए गए कॉमेंट का का लक्ष्य किसी समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं होता। बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट की तरफ से कहा गया कि जिन शब्दों को आपत्तिजनक बताया जा रहा है (या अल्लाह! रसगुल्ला! दही भल्ला!) उन्हें लेकर याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ये केवल तुकबंदी और हास्य के लिए इस्तेमाल किए गए शब्द हैं।

कोर्ट ने भारती सिंह और शेखर सुमन की दलील पर जताई सहमति

कोर्ट की तरफ से कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि 'दही भल्ला' और 'रसगुल्ला' आम खाद्य पदार्थ हैं, जो सभी समुदायों के लोग खाते हैं। इन अभिव्यक्तियों में कोई धार्मिक रंग नहीं है और इस तर्क को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सामान्य सामाजिक उपयोग में ये शब्द अपने आप में न्यूट्रल हैं। किसी हास्यपूर्ण कार्य में खाद्य पदार्थों का मात्र उल्लेख धर्म का अपमान नहीं हो सकता। यह साबित करने के लिए सबूत होने चाहिए कि इन शब्दों को अपमान के हथियार के रूप में चुना गया था।

कहा- ऐसे कार्यक्रमों में कलाकारों और जजों का उद्देश्य हंसी पैदा करना

कोर्ट ने यह भी माना कि कलाकारों को टारगेट करना आसान हो गया है, क्योंकि उन तक पहुंच बहुत आसान है लेकिन आपराधिक कानून का इस्तेमाल गलत तरीके से करना भी गलत है। उन्होंने आगे कहा कि शो पारिवारिक मनोरंजन कार्यक्रम के रूप में प्रसारित होता था और काफी समय से चल रहा था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ऐसे कार्यक्रमों में कलाकारों और जजों का उद्देश्य हंसी पैदा करना होता है।

'कोर्ट उस तर्क को स्वीकार नहीं कर सकता जिसमें ठोस आधार का अभाव हो'

कोर्ट के मुताबिक, 'वर्तमान परिस्थितियां मामले के रद्द करने वाली लग रही हैं। मंच पर प्रदर्शन करने वाला कलाकार अक्सर निर्धारित स्क्रिप्ट के हिसाब से ही एक्टिंग करता है। उपलब्ध सबूतों से यह स्पष्ट नहीं होता कि याचिकाकर्ता जजों ने उन डायलॉग को लिखा था। उनकी भूमिका इतनी सीमित है कि उन पर लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया में सिद्ध नहीं होते। कोर्ट प्रोसेक्यूशन के उस व्यापक तर्क को स्वीकार नहीं कर सकता जिसमें ठोस आधार का अभाव हो। जब शिकायत में आवश्यक तथ्यों का अभाव हो और अपराध की पुष्टि न होती हो तो ऐसी स्थिति में आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।'

कार्यवाही को रद्द और निरस्त किया गया

कोर्ट ने मामले को रद्द करने वाले अपने आदेश में कहा, 'भारतीय दंड संहिता की धारा 295-ए के साथ धारा 34 के तहत दंडनीय अपराध के लिए पायधोनी पुलिस स्टेशन में दिनांक 27 नवंबर 2010 को दर्ज की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट और उससे उत्पन्न सभी परिणामी कार्यवाही को रद्द और निरस्त किया जाता है।'

ब्रेस्ट कैंसर की सर्जरी कराई ये एक्ट्रेस, सुनाई सर्वाइवल की आपबीती

चकाचौंध और परफेक्शन की मांग करने वाली फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर कमियों को छिपाने की कोशिश की जाती है, लेकिन अभिनेत्री राजश्री देशपांडे ने एक अलग ही राह चुनी है। ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझने और उसे मात देने के बाद राजश्री ने अपनी सर्जरी के निशानों को छिपाने के बजाय उन्हें गर्व से दुनिया के सामने पेश किया है। उनकी यह साहसी पहल न केवल उनके फैंस को प्रेरित कर रही है, बल्कि कैंसर से जूझ रही लाखों महिलाओं के लिए आशा की एक नई किरण बनकर उभरी है।

बीमारी का खुलासा और सर्जरी का सफर

इस साल मार्च में राजश्री ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी बीमारी का खुलासा कर सबको चौंका दिया था। उन्होंने बताया था कि एक रूटीन चेकअप के दौरान उन्हें ग्रेड 1 ब्रेस्ट कैंसर इनफिल्ट्रेटिंग डक्टल कार्सिनोमा का पता चला। किसी भी इंसान के लिए कैंसर शब्द सुनना ही डरावना होता है और राजश्री के लिए भी यह सफर आसान नहीं था। उन्होंने स्वीकार किया था कि बीमारी का पता चलने के बाद वे अकेले में फूट-फूट कर रोई थीं और मानसिक रूप से काफी टूट गई थीं। अस्पताल के बिस्तर से अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा था कि जब उनके माता-पिता को इस बारे में पता चला, तब जाकर उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसे साझा करने की हिम्मत जुटाई। समय पर बीमारी की पहचान होने के कारण उनकी सर्जरी सफल रही, लेकिन उस दौरान होने वाले अनगिनत टेस्ट और अस्पताल के चक्करों ने उन्हें भावनात्मक रोलरकोस्टर पर सवार रखा।

निशानों को बनाया अपनी ताकत

हाल ही में राजश्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खूबसूरत और भावुक तस्वीरें साझा की हैं। साड़ी में सजी राजश्री इन तस्वीरों में खिलखिलाती हुई नजर आ रही हैं, लेकिन एक तस्वीर ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस तस्वीर में वे अपनी सर्जरी के निशानों को बिना किसी झिझक के दिखा रही हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरे ये निशान मेरे जीवित बचने (सर्वाइवल) की कहानी कहते हैं। हर एक निशान इस बात की याद दिलाता है कि मैंने लड़ाई लड़ी, मैं बची और मैंने जीत हासिल की।'

लोग कर रहे तारीफ

राजश्री ने उन सभी महिलाओं को संदेश दिया जो अपनी बीमारी या शरीर के निशानों के कारण खुद को कमतर महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि ये निशान कोई दाग या कमियां नहीं हैं, बल्कि यह साहस का ताज हैं। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे अपनी चमक को कम न होने दें और खुद पर गर्व करें। उनके इस पोस्ट पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री और उनके चाहने वालों ने प्यार बरसाया है। अभिनेत्री शुभांगी लाटकर समेत कई सितारों ने उन्हें असली योद्धा और 'प्रेरणास्रोत' बताया है।

काम के प्रति समर्पण

कैंसर जैसी बीमारी और सर्जरी के दर्द से उबरने के तुरंत बाद राजश्री अपने काम पर वापस लौट आई हैं। वे इन दिनों अपनी आगामी मराठी फिल्म 'बाप्या' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। अपनी फिल्म की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वे आज अपने दिल में प्यार और आत्मा में साहस लेकर खड़ी हैं। समीर तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ गिरीश कुलकर्णी, श्रीकांत मोहन यादव और देविका दफ्तरदार जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'चाल-ढाल देखनी है बिकिनी पहनो', मिथुन चक्रवर्ती की बहू से बंद कमरे में डायरेक्टर ने कर दी गंदी डिमांड, मदालसा ने सुनाई आपबीती

मनोरंजन जगत की चकाचौंध के पीछे छिपे अंधेरे सच अक्सर कलाकारों के बयानों के जरिए सामने आते रहते हैं। टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक 'अनुपमा' में 'काव्या' के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री और मिथुन चक्रवर्ती की बहू मदालसा शर्मा ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों के एक बेहद चौंकाने वाले और असहज कर देने वाले अनुभव को साझा किया है। 'द मेल फेमिनिस्ट' पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान मदालसा ने बताया कि कैसे एक नामी फिल्म निर्देशक ने उनके सामने एक ऐसी मांग रखी थी, जिसने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया था।

जब 19 साल की उम्र में हुआ एक नामचीन निर्देशक से सामना

मदालसा ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि यह घटना तब की है जब वे मात्र 19 साल की थीं और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। उन्होंने बताया कि उस समय एक बेहद प्रसिद्ध फिल्म निर्माता ने उन्हें फिल्म की कहानी और कास्टिंग के सिलसिले में एक मीटिंग के लिए बुलाया था। मदालसा ने कहा, 'उस निर्देशक ने मुझसे कहा कि वह फिल्म के लिए एक ऐसी लड़की की तलाश में हैं जो बिकिनी पहनने में सहज हो। उस वक्त मुझे लगा कि आज के दौर में बिकिनी पहनना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन मैं यह समझना चाहती थी कि क्या फिल्म की कहानी में इसकी वास्तव में आवश्यकता है या यह सिर्फ एक अलग एंगल है।' 19 साल की होने के बावजूद मदालसा काफी सूझबूझ वाली थीं। उन्होंने निर्देशक से कहानी की मांग और किरदार के बारे में सवाल किए, लेकिन निर्देशक के इरादे कुछ और ही थे।

'मैं तुम्हारी बॉडी की चाल ढाल देखना चाहता हूं'

निर्देशक की बातों ने तब और भी भद्दा मोड़ ले लिया जब उसने मदालसा के सामने एक अजीबोगरीब शर्त रख दी। मदालसा के मुताबिक उस डायरेक्टर ने उनसे कहा कि वह यह देखना चाहता है कि वे बिकिनी में कैसी दिखती हैं। निर्देशक का तर्क था, 'मैं तुम्हारी बॉडी लैंग्वेज देखना चाहता हूं और यह परखना चाहता हूं कि क्या तुम कैमरे के सामने इसे पहनने में वाकई सहज रहोगी या नहीं।' निर्देशक चाहते थे कि मदालसा उसी वक्त उनके सामने बिकिनी पहनकर दिखाएं। यह मांग सुनकर मदालसा के होश उड़ गए, लेकिन उन्होंने घबराने के बजाय पूरी हिम्मत के साथ उस स्थिति का सामना किया। उन्हें समझ आ गया था कि यह पेशेवर मीटिंग नहीं, बल्कि कास्टिंग काउच की एक कोशिश है।

क्या बोलीं मदालसा?

मदालसा शर्मा ने उस निर्देशक को जो जवाब दिया, वह आज की नई अभिनेत्रियों के लिए एक मिसाल है। उन्होंने निर्देशक की आंखों में आंखें डालकर दो टूक शब्दों में कहा, 'देखिए, मैं पेशे से एक अभिनेत्री हूं। अगर फिल्म की कहानी की मांग है कि मुझे बिकिनी पहननी है या साड़ी और लहंगा पहनना है तो मैं उसे कैमरे के सामने पूरे आत्मविश्वास के साथ पहनूंगी क्योंकि वह मेरे काम का हिस्सा है, लेकिन आपके सामने बिकिनी पहनना मेरे काम का हिस्सा नहीं है!' मदालसा ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा, 'अगर आप मेरे टैलेंट पर भरोसा करके मुझे कास्ट करना चाहते हैं तो आप कर सकते हैं। और अगर नहीं तो मुझे पता है कि दरवाजा किस तरफ है!' इतना कहकर मदालसा तुरंत वहां से उठकर बाहर निकल गईं। उन्होंने इस बात की रत्ती भर भी परवाह नहीं की कि वह निर्देशक उनके बारे में

'3 इडियट्स' का मिलीमीटर याद है? 14 साल में हो गया हैंडसम हंक, इस कदर दीवानी हुई टर्किश हसीना, झटपट कर ली शादी

आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म '3 इडियट्स' का हर किरदार आज भी दर्शकों के जेहन में ताजा है। फिल्म में इंजीनियरिंग कॉलेज के हॉस्टल में रहने वाला वह छोटा सा लड़का 'मिलीमीटर' तो आपको याद ही होगा, जो रैंचो और उसके दोस्तों के कपड़े प्रेस करने से लेकर उनके छोटे-मोटे काम चुटकी बजाते ही कर देता था। उस मासूम और चुलबुले किरदार को अभिनेता राहुल कुमार ने निभाया था। आज सालों बाद 'मिलीमीटर' पूरी तरह बदल चुका है और एक हैंडसम हंक बन गया है। दिलचस्प बात यह है कि राहुल की असल जिंदगी की प्रेम कहानी किसी फिल्मी पटकथा से भी ज्यादा रोमांचक और जादुई है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई जादुई मुलाकात

राहुल कुमार हाल ही में एक बार फिर चर्चा में आए, जब दिल्ली की सड़कों पर एक पोर्ट्रेट फोटोग्राफर की नजर उन पर और उनकी पत्नी पर पड़ी। फोटोग्राफर ने जब इस कपल की सादगी और खूबसूरती देखी तो उसने उनसे एक फोटो शूट का आग्रह किया। राहुल और उनकी विदेशी पत्नी ने बड़े ही विनम्र अंदाज में इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया। कैमरे के सामने आते ही राहुल के चेहरे पर वही पुरानी और प्यारी मुस्कान तैर गई, जिसने सालों पहले सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन किया था। इस वीडियो के जरिए दुनिया को पता चला कि '3 इडियट्स' का वह छोटा सा लड़का अब न केवल बड़ा हो गया है, बल्कि वैवाहिक बंधन में भी बंध चुका है।

फिल्म '3 इडियट्स' से शुरू हुआ सात समंदर पार का प्यार

राहुल कुमार की पत्नी का नाम केजिबान दोगान है, जो तुर्की की रहने वाली हैं। उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत बेहद अनोखी है। केजिबान ने बताया कि उन्होंने बरसों पहले '3 इडियट्स' फिल्म देखी थी और उन्हें मिलीमीटर का किरदार बेहद पसंद आया था। फिल्म से प्रभावित होकर उन्होंने राहुल को सोशल मीडिया पर मैसेज किया और यहीं से बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। लगभग 14 साल पहले शुरू हुई यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। एक फिल्म जो शिक्षा व्यवस्था पर आधारित थी, वह अनजाने में दो अलग-अलग संस्कृतियों और देशों के दिलों को जोड़ने का जरिया बन गई। इस साल 4 मई को दोनों ने शादी कर अपने इस लंबे रिश्ते को एक नया नाम दिया।

सादगी और शालीनता ने जीता सबका दिल

फोटोग्राफी सेशन के दौरान राहुल और केजिबान की केमिस्ट्री देखते ही बन रही थी। राहुल जहाँ सफेद शर्ट और बेज पैंट में बेहद शालीन नजर आ रहे थे, वहीं केजिबान लाल रंग के भारतीय परिधान में किसी 'देसी कुड़ी' की तरह लग रही थीं। फोटोशूट के दौरान राहुल की विनम्रता ने फोटोग्राफर को भी प्रभावित किया। जब राहुल ने मजाक में पूछा कि क्या उनके माथे का टीका सही लगा है, तो वहां मौजूद हर शख्स उनकी सादगी का कायल हो गया। राहुल ने फोटोग्राफर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अब उनसे सोशल मीडिया पर जुड़े रहेंगे। यह सहजता ही है जो उन्हें आज भी एक बेहतरीन कलाकार के रूप में स्थापित करती है।

मिलीमीटर से किलोमीटर तक का सफर

जैसे ही इस फोटोशूट का वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की गईं, फैंस पुरानी यादों में खो गए। वीडियो के बैकग्राउंड में बजते रोमांटिक गानों और उनकी खूबसूरत तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। लोगों ने मजेदार कमेंट्स करते हुए लिखा कि 'मिलीमीटर' अब सचमुच 'किलोमीटर' बन गया है। फैंस को राहुल का ट्रांसफॉर्मेशन बेहद पसंद आ रहा है। वे न केवल दिखने में पहले से कहीं ज्यादा प्रभावशाली हो गए हैं, बल्कि उनके अभिनय कौशल में भी निखार आया है।

अभिनय के साथ संगीत की दुनिया में भी सक्रिय

फिल्म '3 इडियट्स' के बाद राहुल कुमार ने खुद को केवल एक ही इमेज में कैद नहीं रखा। आज वे एक सफल अभिनेता होने के साथ-साथ एक बेहतरीन गायक और संगीतकार भी हैं। उन्होंने 'बंदिश बैंडिट्स', 'कैंपस बीट्स' जैसी मशहूर वेब सीरीज और 'संदीप और पिंकी फरार' जैसी फिल्मों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर राहुल ने यह साबित कर दिया है कि एक बाल कलाकार के रूप में शुरू हुआ सफर कड़ी मेहनत से एक मुकम्मल पहचान तक पहुँच सकता है। उनकी यह खूबसूरत लव स्टोरी और करियर का ग्राफ आज कई युवाओं के लिए प्रेरणा है।

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुईं हेमा मालिनी आशा भोसले को भी दी श्रद्धांजलि

हेमा मालिनी ने गुरुवार को नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में 'लेंस एंड लेगेसीः बॉलीवुड इन फोकस' प्रदर्शनी के भव्य उद्घाटन के अवसर पर दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र और गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए हेमा मालिनी ने बॉलीवुड उद्योग में धर्मेंद्र के योगदान को याद किया और कहा कि दिवंगत अभिनेता ने अपने काम से लाखों दिलों को जीता था। मा मालिनी ने कहा, 'मने धर्मेंद्र जी को श्रद्धांजलि दी है, और इसीलिए मैं यहां हूं। उन्होंने उद्योग के लिए बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने अपने अभिनय से लाखों लोगों के दिलों को छुआ है।'

आशा भोसले को भी किया याद

उन्होंने गायिका आशा भोसले को उद्योग की सुनहरी आवाज बताते हुए उन्हें भी श्रद्धांजलि दी। हेमा मालिनी ने अपने करियर में भोसले के योगदान को भी याद किया।हेमा मालिनी ने कहा, 'रसिद्ध गायिका आशा भोसले अब हमारे बीच नहीं हैं। उनकी आवाज सुनहरी थी। उन्होंने मेरी कई फिल्मों में गाने गाए थे। वे दिग्गज थे (धर्मेंद्र, आशा भोसले)।' रत की सबसे प्रिय आवाजों में से एक, आशा भोसले का 12 अप्रैल को 92 वर्ष की आयु में कई अंगों के फेल होने के कारण निधन हो गया। इस महीने की शुरुआत में मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। विक्की कौशल और आमिर खान सहित कई सितारे अंतिम संस्कार में शामिल हुए। शास्त्रीय गायक और रंगमंच अभिनेता पंडित दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री आशा भोसले ने कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा और एक अद्वितीय विरासत का निर्माण किया।

2025 में हुआ था धर्मेंद्र का निधन

संगीतकार आर.डी. बर्मन के साथ आशा भोसले को भारतीय सिनेमा के सबसे चर्चित सहयोगों में गिना जाता है। उनके प्रतिष्ठित गीतों में 'पिया तू अब तो आजा' और विद्रोही गीत 'दम मारो दम' शामिल हैं। धर्मेंद्र की बात करें तो, अभिनेता का 24 नवंबर, 2025 को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया, और वे छह दशकों से अधिक की एक विशाल विरासत छोड़ गए। अपनी करिश्माई उपस्थिति, सौम्य मुस्कान और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाने वाले, उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक माना जाता था। उनके काम में 'शोले', 'चुपके-चुपके', 'आया सावन झूम के', 'आई मिलन की बेला' और 'अनुपमा' जैसी क्लासिक फिल्में शामिल हैं।

'क्या वैभव एआई हैं?' अब इंग्लिश क्रिकेटर जोस बटलर ने सूर्यवंशी पर उठाए सवाल; जोफ्रा आर्चर को मैसेज भेज पूछा

आईपीएल 2026 में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी का जलवा ऐसा है कि अब उनकी बल्लेबाजी पर मजाक-मजाक में सवाल उठने लगे हैं कि क्या वह इंसान हैं या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)! पहले पाकिस्तान के एक विश्लेषक नौमान नियाज ने यह बात कही थी और अब इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी ने भी इसी अंदाज में चुटकी ली है।

'एआई' वाली चर्चा बनी मजाक

वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी को लेकर सोशल मीडिया पर एआई वाला मजाक तेजी से वायरल हो गया है। पाकिस्तान के विश्लेषक नौमान नियाज ने मजाक में कहा था कि उनके अंदर एआई चिप लगी है, जिससे वह इतने लंबे-लंबे छक्के मारते हैं। इस पर खुद वैभव ने भी हल्के अंदाज में जवाब दिया था कि यह 'चिप' भगवान ने लगाई है और वह बस मौके का फायदा उठा रहे हैं।

इंग्लैंड के दिग्गज भी हुए शामिल

अब इंग्लैंड के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर भी इस मजाक का हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के पॉडकास्ट में मजेदार खुलासा किया। बटलर ने कहा, 'मैंने जोफ्रा आर्चर को मैसेज किया और पूछा- क्या वह AI है? क्या एलन मस्क ने इस टीनएजर को बनाया है, जो बल्ले से जादू करता है? लेकिन नहीं, वह असली है और उसे खेलते देखना शानदार है। मुझे लगता है कि हम उसे इस गर्मी इंग्लैंड में भी देख सकते हैं।' बटलर यहां जून में होने वाले भारत के इंग्लैंड दौरे की बात कर रहे थे।

बड़े गेंदबाजों पर भी भारी

बटलर ने एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि वैभव ने दुनिया के बड़े गेंदबाजों के खिलाफ भी बिना डर के बल्लेबाजी की है। बटलर ने कहा, 'मैं इंस्टाग्राम देख रहा था, जहां पैट कमिंस से बात की जा रही थी। उनसे कहा गया कि वह एक खास क्लब में शामिल हो गए हैं, बुमराह और हेजलवुड के साथ। फिर बताया गया कि उन्होंने भी पहली ही गेंद पर वैभव से छक्का खाया।'

पहली गेंद पर ही छक्का!

बटलर के मुताबिक, वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जैसे दिग्गज गेंदबाजों की पहली गेंद पर ही छक्का जड़ा है। उन्होंने कहा, 'एक 15 साल के खिलाड़ी के लिए यह अविश्वसनीय है। कोई कोच कहेगा कि पहले गेंद देख लो, लेकिन उसने तय किया कि पहली ही गेंद पर छक्का मारना है। यह सच में हैरान कर देने वाला है।'

रिकॉर्ड्स की झड़ी

वैभव सूर्यवंशी पहले ही आईपीएल में अपनी पहचान बना चुके हैं। 2025 में उन्होंने सबसे तेज भारतीय शतक जड़ा था और 2026 में भी शानदार फॉर्म जारी रखी। उनकी लगातार आक्रामक बल्लेबाजी उन्हें इस सीजन का सबसे बड़ा स्टार बना रही है।

विराट ने एक ही ओवर में जड़े लगातार पांच चौके इस लिस्ट में संयुक्त रूप से नंबर एक बने कोहली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल के इतिहास में एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। कोहली आरसीबी की तरफ से एक ओवर में सर्वाधिक चौके लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से नंबर-1 बन गए हैं। विराट कोहली ने गुरुवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले के दूसरे ओवर में पांच चौके लगाए। उन्होंने कगिसो रबाडा के खिलाफ ओवर की शुरुआती पांच गेंदों पर ऐसा किया, जिसके साथ कोहली ने क्रिस गेल और शेन वॉटसन की बराबरी कर ली।

शानदार फॉर्म में दिख रहे हैं कोहली

क्रिस गेल ने साल 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ ईश्वर पांडे के एक ही ओवर में पांच चौके लगाए थे, जबकि शेन वॉटसन ने साल 2016 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के विरुद्ध तिषारा परेरा के खिलाफ ऐसा किया था। इस सीजन शानदार फॉर्म में नजर आ रहे कोहली ने गुरुवार को गुजरात के खिलाफ 13 गेंदों का सामना करते हुए 28 रन बनाए। इस पारी में एक छक्का और पांच चौके शामिल थे।

आईपीएल 2026 की 9 पारियों में विराट कोहली 54.14 की औसत के साथ 379 रन बना चुके हैं। इनमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। कोहली ने इस सीजन 69*, 28, 32, 50, 49, 19, 81, 23* और 28 रन की पारियां खेली हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अगर गुजरात टाइटंस के खिलाफ यह मैच जीत लेती है, तो आरसीबी 14 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर होगी। इस टीम ने अब तक आठ में से छह मैच जीते हैं।

दोनों टीमों ने नहीं किया कोई बदलाव

शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस इस मुकाबले में साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), जेसन होल्डर, शाहरुख खान, वाशिंगटन सुंदर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और मानव सुथार के साथ मुकाबले में उतरी है। वहीं, रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विराट कोहली, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, कृणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा और जोश हेजलवुड के साथ यह मैच खेल रही है।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए राहत की खबर, लुंगी एनगिडी की हुई वापसी; कब खेलेंगे आईपीएल मैच?

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ी राहत मिली है। उनके स्टार तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी सिर पर लगी चोट से उबरकर फिर से गेंदबाजी करते नजर आए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें एनगिडी नेट्स में पूरी लय के साथ गेंदबाजी करते दिख रहे हैं।

पंजाब के खिलाफ मुकाबले में हुए थे चोटिल

हाल ही में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान एनगिडी को सिर में गंभीर चोट लग गई थी। वह मिड-ऑफ से कैच पकड़ने की कोशिश में पीछे की ओर गिर पड़े थे और उनका सिर जमीन से जोर से टकराया था। इसके बाद वह दर्द में दिखे और तुरंत उठ नहीं पाए। मैदान पर मौजूद मेडिकल टीम ने तुरंत उनका इलाज किया। उनके सिर और गर्दन को स्थिर कर स्ट्रेचर पर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी जांच की गई।

कब खेलेंगे आईपीएल मैच?

दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से जारी किए गए वीडियो में काइल जैमीसन कहते सुनाई देते हैं, 'एनगिडी आ गए हैं।' जिसके बाद एनगिडी को तेज गेंदबाजी करते और स्टंप्स हिट करने के बाद जश्न मनाते देखा गया। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक एनगिडी अभी अगले मैच में नहीं खेल पाएंगे। आईसीसी के नियमों के अनुसार, कन्कशन (सिर की चोट) के बाद खिलाड़ी को कम से कम सात दिन का अनिवार्य आराम करना होता है। इसी कारण वह एक मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले से बाहर रह सकते हैं।

आईपीएल के बीच 2 क्रिकेटर गिरफ्तार महिलाओं की नहाते हुए बना रहे थे वीडियो

श्रीलंका क्रिकेट टीम के 2 खिलाड़ियों को गिरफ्तार किया गया है. एक शर्मनाक घटना सामने आई है जहां श्रीलंकाई अंडर-19 क्रिकेट टीम के 2 खिलाड़ियों को चोरी छिपे एक महिला डॉक्टर का वीडियो रिकॉर्ड करते हुए पकड़ गया है. यह घटना नाराहेनपिटा इलाके में स्थित एक होटल की बताई जा रही है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें कहा गया कि बाथरूम में नहाते समय महिलाओं का वीडियो रिकॉर्ड किया जा रहा है. बताया जा रहा है कि एक प्रोफेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए कई महिला डॉक्टर होटल में रुकी हुई थीं. बाथरूम में छोटे-छोटे छेद और खुली जगह का फायदा उठाकर इन खिलाड़ियों ने मोबाइल फोन के इस्तेमाल से महिलाओं का नहाते हुए वीडियो रिकॉर्ड किया.

दोनों खिलाड़ियों को मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां 5 लाख श्रीलंकाई रुपये की निजी जमानत दे दी गई. इस मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होनी है. पुलिस जांच में जुटी हुई है कि कहीं किसी वीडियो को इंटरनेट पर शेयर तो नहीं किया गया है. यह भी पता चल है कि इन युवा क्रिकेटरों ने होटल में कुछ पुरुषों का भी वीडियो रिकॉर्ड किया था.

श्रीलंका क्रिकेट पहले ही विवादों में घिरा हुआ है, क्योंकि हाल ही में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शम्मी सिल्वा सहित बोर्ड के अन्य सभी पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया था. फिलहाल बोर्ड का कामकाज केंद्र सरकार ने अपने हाथों में ले लिया है. एक 9 सदस्यीय ट्रांसफॉर्मेशन समिति का गठन किया गया, जिसमें पूर्व क्रिकेटर कुमार संगाकारा को भी शामिल किया गया.

बता दें कि श्रीलंका क्रिकेट पहले भी ऐसे विवादों में घिरा रहा है. करीब 4 साल पुरानी बात है जब टी20 वर्ल्ड कप 2022 के दौरान ऑलराउंडर खिलाड़ी दनुष्का गुणातिलका को बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. यहां तक कि दिग्गज खिलाड़ी तिलकरत्ने दिलशान भी यौन

क्या एक ही प्रारूप खेलने से रोहित-कोहली पर पड़ेगा असर? वनडे विश्व कप को लेकर कही ये बात

अपने करियर के आखिर में स्वयं सिर्फ वनडे मुकाबले खेलने वाले शिखर धवन समझते हैं कि मैच की कमी से लय कैसे बिगड़ सकती है। लेकिन उन्हें लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए यह कोई दिक्कत नहीं होगी क्योंकि 2027 विश्व कप से पहले उनके पास खेलने के लिए काफी मैच होंगे। स्वयं के अनुभव से सीखते हुए धवन ने माना कि मैच की कमी से खिलाड़ी की लय बिगड़ सकती है।

Ro-Ko की फिटनेस पर क्या बोले धवन?

धवन ने कहा, हां, जब आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिर्फ एक ही प्रारूप खेलते हैं तो आपकी लय बिगड़ जाती है। इसलिए खिलाड़ी फिटनेस पर ध्यान देते हैं क्योंकि आप बहुत अधिक मैच नहीं खेल रहे होते। आप रोहित और विराट की बात कर रहे हैं और वे काफी समझदार खिलाड़ी हैं। यह एक चुनौती है लेकिन वे जानते हैं कि चुनौती को मौके में कैसे बदलना है। अगर आप उनकी फिटनेस देखें तो विराट हमेशा से फिट रहे हैं लेकिन रोहित ने अपनी फिटनेस में जबरदस्त बदलाव किया है।

धवन बोले- दोनों में मिलेंगे कई मौके

धवन ने कहा कि अगले वनडे विश्व कप से पहले इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को लय में आने के काफी मौके मिलेंगे। उन्होंने कहा, अब जब 2027 विश्व कप नजदीक है तो उन्हें खेलने के लिए बहुत सारे वनडे मैच मिलेंगे। अगर आप उस समय को देखें जब मैं सिर्फ एक ही प्रारूप का खिलाड़ी बन गया था तो उस समय लगातार टी20 विश्व कप (2021 और 2022) हो रहे थे और मैं वनडे प्रारूप में खेल रहा था जो कि बहुत कम होते थे। इसलिए रोहित और विराट के लिए मैच की कोई दिक्कत नहीं होगी और इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए अभी काफी समय है।

सनराइजर्स हैदराबाद को लगा झटका, शिवम मावी पूरे आईपीएल सत्र से बाहर; किस खिलाड़ी को मिला मौका?

सनराइजर्स हैदराबाद को तगड़ा झटका लगा है। टीम के युवा गेंदबाज शिवम मावी ग्रोइन इंजरी की वजह से पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम प्रबंधन ने आरएस अम्ब्रीश को टीम में शामिल किया है। आईपीएल की तरफ से जारी किए गए बयान के मुताबिक, 'दाएं हाथ के तेज गेंदबाज शिवम मावी चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।'

आरएस अम्ब्रीश को मिला मौका

मावी की जगह सनराइजर्स के टीम प्रबंधन ने युवा ऑलराउंडर आरएस अम्ब्रीश को टीम में शामिल किया है। वह भारत के अंडर-19 विश्व कप स्क्वॉड का भी हिस्सा रह चुके हैं। वह इस टूर्नामेंट में भारत की अंडर-19 टीम के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी थे, जिनके नाम 11 विकेट थे।

गिल के आउट होने पर कोहली ने आक्रामक अंदाज में मनाया जश्न, गुजरात के कप्तान ने अब इस तरह कसा तंज

आईपीएल 2026 में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। यह मैच भले ही हाई स्कोरिंग वाला नहीं रहा, लेकिन इसमें विराट कोहली और शुभमन गिल के बीच फनी बेंटर जरूर देखने मिला। कोहली मैदान पर आक्रामक रवैये के लिए जाने जाते हैं। कई बार वह अपने जोशीले अंदाज से विरोधी टीम को जवाब देते हैं। ऐसा हुई आरसीबी और गुजरात के बीच मैच के दौरान भी हुआ।

कोहली ने पकड़ा गिल का कैच

कोहली और गिल भारतीय टीम के दो स्टार खिलाड़ी हैं। लेकिन आईपीएल में ये आमने-सामने थे। गिल जहां गुजरात की कप्तानी कर रहे हैं, वहीं कोहली आरसीबी के स्टार बल्लेबाज हैं। गुजरात ने इस

मुकाबले में आरसीबी को चार विकेट से हराया, लेकिन मैदान पर उस वक्त दिलचस्प वाक्या देखने मिला जब गिल अपना विकेट गंवा बैठे। कोहली ने गिल का कैच लपका और जोश में जश्न मनाया। इसे देखकर गिल भी पवेलियन लौट गए। शुभमन गिल 18 गेंद में 43 रन बनाकर आउट हुए।

इंस्टा पोस्ट के जरिये गिल ने लिए मजे

कोहली के जश्न का जवाब गिल ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये दिया। गिल ने मैच के बाद एक फोटो शेयर की जिसमें कोहली नजर आ रहे हैं। उन्होंने जेसन होल्डर को टैग करते हुए लिखा, 'प्ले होल्ड होल्डर। आज टीम ने बोल्ड प्रदर्शन किया।' गिल ने हालांकि पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कोहली की फोटो के साथ यह कैप्शन बताया है कि उन्होंने इस पोस्ट के जरिये आरसीबी के मजे लिए हैं। इससे पहले गिल ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच के बाद भी पीली सीटी पकड़े एक फोटो शेयर की थी।

मैच का हाल

अरशद खान की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल और जोस बटलर की दमदार बल्लेबाजी के बदौलत गुजरात टाइटंस ने आरसीबी के खिलाफ चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। गुरुवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने देवदत्त पडिक्कल की 40 रनों की पारी की मदद से 19.2 ओवर में 10 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम ने 15.5 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

गुजरात पांचवें स्थान पर मौजूद

गुजरात की यह आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 26वीं जीत है। वहीं, 13 मुकाबलों में टीम को शिकस्त मिली है। इस जीत के साथ शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम की स्थिति अंक तालिका में मजबूत हो गई है। नौ में से पांच मुकाबले जीत चुकी गुजरात के खाते में 10 अंक हो गए हैं। हालांकि, नेट रन रेट -0.192 है। वहीं, आरसीबी तीन मैच हारकर फिलहाल दूसरे पायदान पर मौजूद है।

कनाडा ने इस भारतीय को सौंपी पुरुष टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी

क्रिकेट कनाडा ने मोंटी देसाई को पुरुषों की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनाया है। देसाई की नियुक्ति को कनाडा क्रिकेट के विकास के लिए अहम माना जा रहा है। मोंटी देसाई के पास 20 साल से ज्यादा का अंतरराष्ट्रीय कोचिंग का अनुभव है। इसमें नेपाल को वनडे टीम का दर्जा दिलाने और कई आईसीसी इवेंट्स के लिए क्वालिफाई कराने में मदद करना शामिल है। देसाई ने नेपाल के अलावा, अफगानिस्तान और यूएई की सफलता में योगदान दिया है।

मोंटी देसाई बोले- गर्व महसूस हो रहा है

कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद मोंटी देसाई ने कहा, मुझे यह जिम्मेदारी लेते हुए गर्व महसूस हो

रहा है। मैं क्रिकेट कनाडा को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं। कनाडा में मेरे पिछले अनुभव ने मुझे संभावना और खेल के लिए मौजूद पैशन को स्पष्ट तौर पर समझने में मदद की है। वैश्विक रूप से क्रिकेट के विकास में एसोसिएट क्रिकेट का विकास अहम है। नेपाल और अफगानिस्तान जैसी टीमों ने दिखाया है कि विश्वास, अनुशासन और निडरता से क्या हासिल किया जा सकता है। कनाडा के पास भी ऐसा ही मौका है, और मेरा फोकस एक ऐसी संस्कृति बनाने पर होगा जो इस क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार प्रदर्शन में बदल दे।

क्रिकेट कनाडा के अध्यक्ष अरविंदर खोसा ने कहा, हमारी सबसे पहली प्राथमिकता पेशेवर और लक्ष्य की एक नई और मजबूत भावना के जरिए क्रिकेट कनाडा की पहचान को फिर से बनाना है। मोंटी देसाई की नियुक्ति इसी उद्देश्य के साथ की गई है। एसोसिएट देशों, खासकर नेपाल और अफगानिस्तान के साथ उनका अनुभव, प्रभावी नेतृत्व, अनुशासन और एक साफ लंबी अवधि के जरिए टीमों को बदलने की उनकी काबिलियत दिखाता है। हमें भरोसा है कि उनके नेतृत्व में कनाडा क्रिकेट टीम तरक्की करेगी।

आज से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 994 तक महंगा

5 किग्रा वाले सिलेंडर के दाम भी 261 बढ़े; मई में होने वाले 4 बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 मई से 994 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3071.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 261 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब 'छोटू' सिलेंडर की रिफिल कीमत 813.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं।

मई में होने वाले बड़े बदलाव

कॉमर्शियल सिलेंडर 994 रुपए तक महंगा

बदलावः तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 994 रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत 3071.50 हो गई है। पहले ये 2078.50 में मिल रहा था। असरः कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है।

5 किलो वाला फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर 261 रुपए महंगा

एफटीएल सिलेंडर की कीमत 261 रुपए बढ़कर 813.50 रुपए हो गई है। पहले इसकी कीमत 552.50 रुपए थी। 5 किलो घरेलू सिलेंडर के दाम अभी भी 339 रुपए पर स्थिर हैं। एफटीएल सिलेंडर को छोटू सिलेंडर भी कहते हैं जिसे कोई भी बिना एड्रेस प्रूफ के ले सकता है। इनका ज्यादातर इस्तेमाल प्रवासी मजदूर, छात्रों या छोटे दुकानदार करते हैं।

ऑनलाइन गेमिंग के लिए नए नियम आज से लागू

बदलावः देश में आज 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं। इसके तहत 'ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया' बनेगी। यह संस्था ऑनलाइन गेम्स को रेगुलेट करने, उन्हें अलग-अलग कैटेगरी में बांटने और उनकी मॉनिटरिंग का काम करेगी।

इसके तहत गेम्स को तीन कैटेगरी में बांटा गया है। ऑनलाइन मनी गेम्स, ऑनलाइन सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स। मनी गेम्स बैन है जबकि अन्य गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए रजिस्ट्रेशन जरूरी होगा।अब विदेशी गेमिंग कंपनियां भी भारतीय कानूनों से बच नहीं पाएंगी। अगर कोई कंपनी भारत में सर्विस दे रही है, तो उसका मुख्यालय कहीं भी हो, उसे भारतीय नियमों का पालन करना होगा। यूजर्स की सुरक्षा के लिए ऑनलाइन गेम्स में उम्र की सीमा, पेरेंटल कंट्रोल और टाइम लिमिट जैसे फीचर्स होंगे। गेमिंग के दौरान होने वाले फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर भी नजर रखी जाएगी। असरः सख्त नियमों और उम्र सीमा/पेरेंटल कंट्रोल जैसे फीचर्स से गेमिंग की लत और धोखाधड़ी के मामलों में कमी आने की उम्मीद है, जिससे यूजर्स के लिए सुरक्षित माहौल बनेगा। वहीं विदेशी कंपनियों पर नकेल कसने से सट्टेबाजी रुकने की उम्मीद है। इससे सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होगी और ई-स्पोर्ट्स को एक वैध खेल के रूप में ज्यादा पहचान मिलेगी।

डीजल और हवाई ईंधन का निर्यात सस्ता होगा

बदलावः केंद्र सरकार ने 1 मई से अगले 15 दिनों के लिए डीजल एक्सपोर्ट पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटाकर 23 प्रति लीटर कर दी है। अप्रैल में यह 55.5 थी।वहीं एटीएफ यानी, हवाई ईंधन पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटाकर 33 प्रति लीटर कर दी गई है। अप्रैल में यह 42 थी। इसके अलावा पेट्रोलियम मंत्रालय ने ईंधन की परिभाषा बदलते हुए अब एटीएफ में सिंथेटिक फ्यूल की ब्लेंडिंग की अनुमति दे दी है।असरः ड्यूटी कम होने से भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों जैसे रिलायंस और नायरा को विदेशी बाजारों में ईंधन बेचना सस्ता पड़ेगा, जिससे उनके मुनाफे में सुधार हो सकता है।वित्त मंत्रालय ने साफ किया है कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं किया गया है, इसलिए आम जनता के लिए ईंधन की कीमतें स्थिर रहेंगी।

एक ही दिन में मार्क जकरबर्ग ने गंवाया 19.9 अरब डालर

यह राधाकिशन दमानी की कुल नेटवर्थ से अधिक है

नई दिल्ली,1 मई (एजेंसियां)। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गुरुवार को भारी गिरावट आई। कंपनी का शेयर 8.55 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। इससे कंपनी के फाउंडर मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ में 19.9 अरब डॉलर की गिरावट आई।

यह डीमार्ट की पेरेंट कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स के फाउंडर और जाने माने निवेशक राधाकिशन दमानी की कुल नेटवर्थ से अधिक है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक दमानी की नेटवर्थ 19 अरब डॉलर है। इस गिरावट के बाद जकरबर्ग की नेटवर्थ 217 अरब डॉलर रह गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं। इस बीच गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में गुरुवार को 9.97 फीसदी तेजी आई। इससे कंपनी के फाउंडर लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ में भारी उछाल आई। पेज की नेटवर्थ 27.1 अरब डॉलर की तेजी के साथ 325 अरब डॉलर पहुंच गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 55.5 अरब डॉलर की तेजी आई है। ब्रिन की नेटवर्थ 25 अरब डॉलर बढ़कर 301 अरब डॉलर पहुंच गई। इस साल उनकी नेटवर्थ 51.3 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

फेसबुक में गिरावट, गूगल में तेजी

फेसबुक के शेयरों में गुरुवार को 8.55 फीसदी गिरावट आई इससे मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ 19.9 अरब डॉलर गिर गई गूगल की पेरेंट अल्फाबेट के शेयरों में 9.97% तेजी आई इससे लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ में इजाफा हुआ

कौन-कौन है टॉप 10 में

ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 283 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर हैं। लैरी एलिसन ($213 अरब) छठे, माइकल डेल ($178 अरब) सातवें, जेंसन हुआंग ($165 अरब) आठवें, जिम वॉल्टन ($156 अरब) नौवें और बर्नार्ड आरनॉल्ट ($155 अरब) आठवें नंबर पर है। गौतम अडानी 103 अरब डॉलर के साथ 18वें और मुकेश अंबानी (94.5 अरब डॉलर) 19वें नंबर पर हैं। अडानी ने इस साल 18.6 अरब डॉलर कमाए हैं जबकि अंबानी ने 13.2 अरब डॉलर गंवाए हैं।

ईरान युद्ध के बीच तेजी से घट रहा अमेरिका का ऑयल रिजर्व, रेकॉर्ड पर पहुंच गया एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में फिलहाल शांति की उम्मीद नहीं दिख रही है। अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध बना हुआ है और एक बार फिर युद्ध भड़कने की आशंका जताई जा रही है। इस बीच कच्चा तेल गुरुवार को 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था।

इस बीच अमेरिका का स्ट्रेटजिक पेट्रोलियम रिजर्व तेजी से घट रहा है। पिछले हफ्ते इसमें 7.12 मिलियन बैरल की गिरावट आई जो अक्तूबर 2022 के बाद एक हफ्ते में आई सबसे बड़ी गिरावट है। साथ ही लगातार पांचवें हफ्ते इसमें गिरावट आई है जो 2023 के बाद गिरावट का सबसे लंबा दौर है। पिछले पांच हफ्तों में अमेरिका का स्ट्रैटजिक रिजर्व 17 मिलियन बैरल की गिरावट के साथ 398 मिलियन बैरल रह गया है। यह पिछले साल अप्रैल के बाद इसका सबसे लो लेवल है। इसके साथ ही देश में कमर्शियल क्रूड का स्टॉक भी पिछले हफ्ते 6.08 मिलियन बैरल गिर गया। यह फरवरी की शुरुआत के बाद इसमें एक हफ्ते में आई सबसे बड़ी गिरावट है।

महंगाई बढ़ने का खतरा

पेट्रोल और डिस्टिलेट के स्टॉक में भी तेज गिरावट आई है। पेट्रोल का स्टॉक 6.08 मिलियन बैरल गिरा है जबकि डिस्टिलेट के

स्टॉक में 4.49 मिलियन बैरल की गिरावट आई है। इससे पेट्रोल की मौसमी आपूर्ति 2014 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गई। सप्लाई टाइट होने से देश में पेट्रोल की कीमत में भारी तेजी आई है। इसके कारण महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

अमेरिका का तेल भंडार

अमेरिका का स्ट्रेटजिक पेट्रोलियम रिजर्व तेजी से घट रहा है पिछले हफ्ते इसमें 7.12 मिलियन बैरल की गिरावट आई पिछले पांच हफ्तों में 17 मिलियन बैरल गिर गया रिजर्व कमर्शियल क्रूड स्टॉक भी 6.08 मिलियन बैरल गिर गया इस बीच अमेरिका से कच्चे तेल का रोजाना एक्सपोर्ट इतिहास में पहली बार 14 मिलियन बैरल के पार पहुंच गया है। होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण दुनिया में कच्चे तेल की स्थिति टाइट हो गई है। इस कारण दुनिया भर में अमेरिकी तेल की मांग बढ़ी है।

ईरान युद्ध के बीच टूट गए जीएसटी कलेक्शन के सारे रेकॉर्ड, अप्रैल में सरकार की बंपर कमाई

नई दिल्ली,1 मई (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में भारी इजाफा हुआ है। इससे भारत में आर्थिक गतिविधियों पर तत्काल कोई असर नहीं पड़ा है। देश में अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन 2.42 लाख करोड़ रुपये के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। नए वित्त वर्ष के पहले महीने जीएसटी कलेक्शन में भारी उछाल इस बात का संकेत है कि देश की इकॉनमी तेजी से आगे बढ़ रही है।

अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन में पिछले साल के मुकाबले 8.7 फीसदी की तेजी आई है। इससे पहले एक महीने में सबसे अधिक जीएसटी कलेक्शन का रेकॉर्ड पिछले साल अप्रैल में बना था। उस महीने यह 2.37 लाख करोड़ रहा था। इस बार नेट जीएसटी कलेक्शन 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल की तुलना में 7.3 फीसदी अधिक है।

अप्रैल में टोटल रिफंड भी 19.3 फीसदी बढ़कर 31,793 करोड़ रुपये रहा। इस तरह नेट जीएसटी रेवेन्यू 2,10,909 करोड़ रुपये रहा। इसमें इम्पोर्ट लिंक्ड रेवेन्यू की मजबूत भूमिका रही।

रेकॉर्ड पर जीएसटी कलेक्शन

अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन 2.42 लाख करोड़ के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

यह कलेक्शन पिछले साल अप्रैल की तुलना में 8.7 फीसदी अधिक है

पिछले साल अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन 2.37 लाख करोड़ रहा था

नेट जीएसटी कलेक्शन भी 7.3% बढ़कर 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा

महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और यूपी सबसे आगे

टॉप 5 राज्य

अप्रैल में ग्रॉस इम्पोर्ट रेवेन्यू 25.8 फीसदी उछलकर 57,580 करोड़ रुपये पहुंच गया जबकि ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू 4.3 फीसदी तेजी के साथ 1.85 लाख करोड़ रुपये रहा। कस्टम से नेट रेवेन्यू यानी आयात पर जीएसटी में 42.9 फीसदी तेजी आई जबकि नेट डोमेस्टिक रेवेन्यू में केवल 0.3 फीसदी तेजी रही। इससे साफ है कि अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन में तेजी में एक्सटरनल ट्रेड की अहम भूमिका रही।

गिरते रुपए से कैसे निपटेगा आरबीआई

जापान जैसे हालात, सामने कितनी बड़ी चुनौती?

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के चलते भारतीय रुपये में गिरावट जारी है। गुरुवार को एनर्जी इम्पोर्ट की बढ़ी हुई लागत के कारण रुपया अब तक के सबसे लो लेवल पर पहुंच गया। भारत की स्थिति करेंसी के मामले में जापान जैसी हो गई है। वहां भी येन डॉलर के मुकाबले 160 के लेवल पर पहुंच गया है, जो कि 2024 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। भारत और जापान अभी लगभग सेम लाइन पर खड़े दिखाई दे रहे हैं क्योंकि दोनों देश के गवर्नर ब्याज दरें बढ़ाने में हिचकिचा रहे हैं। आइए इस खबर में यह समझते हैं कि आरबीआई के सामने रुपये को लेकर कितनी चुनौती है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा के रुपये के सामने कई सारी चुनौतियां आ गई हैं, जिसके पीछे की सबसे बड़ी वजह फॉरेन एक्सचेंज मार्केट का प्रेशर मानी जा रही है और ईरान में दो महीने पहले शुरू हुए युद्ध का असर भी इसमें प्रमुख रहा है। यह असर फिलिपीन पेसो और इंडोनेशियाई रुपिया पर भी पड़ा है। इन देशों के सेंट्रल बैंक भी अपनी पॉलिसी रेट्स बढ़ाने में हिचकिचा रहे हैं, लेकिन पिछले दो सालों में भारतीय मुद्रा एशिया में सबसे खराब परफॉर्म करने वाली करेंसी रही है और यह स्थिति अगर ज्यादा समय तक बनी रहती है तो वह इकोनॉमी के लिए अच्छी खबर नहीं है। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में रुपये का कमजोर होना शायद एक प्लान्ड स्ट्रेटेजी थी, ताकि एक्सपोर्टर्स को अमेरिका के टैरिफ से बचाया जा सके। दिसंबर 2024 में गवर्नर बनने के बाद मल्होत्रा ने पॉलिसी रेट में 125 बेसिस पॉइंट की कटौती की थी। साथ ही आरबीआई ने बैंकों में करीब 20 ट्रिलियन रुपये डाले थे, जो महामारी के दौरान दी गई लिक्विडिटी से भी ज्यादा था। फिर भी ये पैसा बैंकिंग सिस्टम से बाहर निकल गया, क्योंकि ग्लोबल इन्वेस्टर्स ने लोकल एसेट्स बेचकर डॉलर में पैसा वापस ले लिया। नतीजा ये हुआ कि बैंकों के लिए फंडिंग अभी भी टाइट बनी हुई है।

महंगे तेल ने बिगाड़ा एयर इंडिया का खेल

फ्लाइट्स ऑपरेट करना हो रहा मुश्किल, 100 उड़ानें कम करने की तैयारी

नई दिल्ली,1 मई (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। इससे एटीएफ यानी विमान ईंधन की कीमत भी बहुत बढ़ गई है। इससे एयरलाइन कंपनियों की मुश्किल बढ़ गई है। एयर इंडिया रोजाना करीब 100 उड़ानें कम करने की तैयारी में है। इनमें डोमेस्टिक और इंटरनेशनल रूट्स शामिल हैं। एयर इंडिया रोजाना करीब 1,100 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है।

कंपनी जून में यूरोप, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर के लिए फ्लाइट्स में सबसे ज्यादा कटौती करेगी। सोमवार को फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। इस फेडरेशन में इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट शामिल हैं। फेडरेशन का कहना था कि विमान ईंधन यानी एटीएफ की मौजूदा कीमतें इंडस्ट्री पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रही हैं। सरकार को लिखे पत्र में एफआईए ने कहा कि इस दबाव के कारण एयरलाइन इंडस्ट्री अब बंद होने की कगार पर पहुंच गई है। सरकार ने डोमेस्टिक जेट फ्यूल में राहत दी है लेकिन अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर कोई राहत नहीं दी गई है। दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमतें मार्च की तुलना में दोगुनी हो चुकी हैं। हालांकि आज सरकार ने जेट फ्यूल की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं की। ग्लोबल एवरेज जेट फ्यूल की कीमत 24 अप्रैल को खत्म सप्ताह में 179.46 डॉलर प्रति बैरल थी जो फरवरी की तुलना में 80 फीसदी ज्यादा है। फरवरी के अंतिम दिनों में इसकी कीमत 99.40 डॉलर थी। एयरलाइन कंपनियों की ऑपरेटिंग कॉस्ट में जेट फ्यूल की हिस्सेदारी 40 फीसदी तक होती है। इसमें मामूली तेजी भी एयरलाइन कंपनियों के मुनाफे को प्रभावित कर सकती है और इससे एयर टिकट की कीमत बढ़ सकती है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि अधिकांश फ्लाइट्स पर कंपनी ऑपरेटिंग कॉस्ट भी नहीं निकाल पा रही है।

अगर एटीएफ में तेजी जारी रही तो हमें फ्लाइट्स में और कटौती करनी पड़ेगी।एटीएफ की कीमत बढ़ने से एयर इंडिया पर इंडिगो से ज्यादा असर हो रहा है। इसकी वजह यह है कि टाटा ग्रुप की इस कंपनी का इंटरनेशनल ऑपरेशन ज्यादा है। पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने से एयर इंडिया की यूरोप और नॉर्थ अमेरिका जाने वाली फ्लाइट्स को लंबा रूट लेना पड़ रहा है। इससे तेल की खपत और क्रू कॉस्ट बढ़ गया है। नॉर्थ अमेरिका जाने वाली फ्लाइट्स को वियना या स्टॉकहोम में रुकना पड़ रहा है। इससे एयरलाइन का खर्च बढ़ गया है। एयर इंडिया का घाटा पहले ही 20,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। टाटा संस और उसकी स्ट्रैटजिक पार्टनर सिंगापुर एयरलाइन्स पर इस घाटे को कम करने और एयर इंडिया को मुनाफे में लाने का भारी दबाव है। हाल में कंपनी के विदेशी सीईओ कैंपबेल विल्सन ने कार्यकाल समाप्त होने से एक साल पहले ही इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उत्तराधिकारी की नियुक्ति होने तक वह अपने पद पर बने रहेंगे। एयर इंडिया को टाटा ग्रुप ने 2022 में खरीदा था।

2025-26 सीजन में भारत का चीनी निर्यात 8 लाख टन रहने का अनुमान

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। भारत मौजूदा 2025-26 विपणन सत्र (अक्तूबर-सितंबर) में केवल 7.5 से 8 लाख टन चीनी का निर्यात कर सकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने प्रतिकूल वैश्विक मूल्य समता को इसका कारण बताया है। विश्व का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश मिलों के बीच आनुपातिक रूप से वितरित कोटा के माध्यम से निर्यात को सरकारी नियंत्रण में रखता है। 2025-26 के लिए, खाद्य मंत्रालय ने शुरू में 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दी, फिर 5 लाख टन का अतिरिक्त कोटा खोला, जिसमें से केवल 87,587 टन को ही मंजूरी मिली। अधिकारी ने कहा, पूरे सीजन में लगभग 7.5-8 लाख टन माल की भौतिक खेप आने की संभावना है। फिलहाल निर्यात के लिए वैश्विक कीमतों में कोई समानता नहीं है। अधिकारी ने आगे बताया कि भारत 3 मार्च तक 5 लाख टन का निर्यात कर चुका है और मिलों द्वारा पूरे सीजन के निर्यात कोटा का उपयोग करने की संभावना नहीं है, भले ही सीजन की शुरुआत में निर्यात अधिक सक्रिय था। हाल के वर्षों में घरेलू चीनी खपत के पैटर्न में बदलाव आया है, और मांग में वृद्धि स्थिर हो गई है जबकि खपत की मात्रा में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस प्रवृत्ति के कारण कुल खपत में कमी आई है, जिससे उत्पादन में मामूली सुधार के बावजूद निर्यात के लिए अपेक्षा से अधिक अधिशेष उपलब्ध है। इस सीजन में अब तक घरेलू चीनी उत्पादन 27.5 मिलियन टन तक पहुंच गया है, जबकि कुल उत्पादन 28.2 मिलियन टन रहने का अनुमान है - जो 2024-25 में दर्ज किए गए 26.1 मिलियन टन से थोड़ा अधिक है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स में नेतृत्व बदलाव; रवि के. बने 22वें सीएमडी, डॉ. डीके सुनील रिटायर

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में बड़ा बदलाव हुआ है। रवि के ने शुक्रवार को कंपनी के 22वें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में पद संभाल लिया। उन्होंने डॉ. डीके सुनील की जगह ली है, जो 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त हो गए।

रवि के के पास अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विविध क्षेत्रों में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। इससे पहले वे एचएएल में निदेशक (संचालन) के पद पर कार्यरत थे और कंपनी को 'महारत्न' का दर्जा दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य एचएएल को नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, परिचालन उत्कृष्टता और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एयरोस्पेस और रक्षा उद्यम में बदलना है। रवि के ने अपने करियर में कई अहम नेतृत्व जिम्मेदारियां निभाई हैं। वे कार्यकारी निदेशक और एलसीए तेजस डिवीजन के महाप्रबंधक रह चुके हैं, साथ ही कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट योजना) जैसे रणनीतिक पदों पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके कार्यकाल के दौरान एचएएल ने कई बड़े रक्षा अनुबंध सफलतापूर्वक पूरे किए। इनमें भारतीय वायु सेना को 180 एलसीए तेजस और भारतीय सेना एवं वायु सेना को 156 एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति से जुड़े अनुबंध शामिल हैं। उन्हें भारतीय वायु सेना में एलसीए तेजस बेड़े के सफल संचालन का श्रेय भी दिया जाता है। रवि के ने ग्राहक-केंद्रित पहलों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बेड़े की सेवाक्षमता बढ़ाने, भारतीय वायु सेना के ठिकानों के साथ निर्बाध डेटा संचार स्थापित करने और समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए एकल संपर्क बिंदु (एसपीओसी) प्रणाली लागू करने में अहम भूमिका निभाई।

दैनिक पंचांग

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले,लो, अ,)

आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, चू, चे, वो)

आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आपकी रचनात्मकता स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होती है, जो आपके कार्यों में नई ऊर्जा लाती है। दृढ़ संकल्प बढ़ता है, जिससे आप जटिल जिम्मेदारियों को तीव्रता और उद्देश्य के साथ पूरा कर पाते हैं। यदि आप आशावादी बने रहते हैं तो विकास के अवसर आपकी पहुँच में हैं। सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

भावनात्मक ध्यान तेज होता है, जिससे आपको कार्यस्थल में सूक्ष्म बदलावों और गतिशीलता को समझने में मदद मिलती है। एक आंतरिक जागरूकता आपको अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करेगी। संरेखित सोच और भावना आपको जानकारी को आसानी से आत्मसात करने और स्पष्टता और भावनात्मक जागरूकता के साथ खुद को व्यक्त करने में मदद करती है।

सिंह (मा, मी ,मू,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज कार्यस्थल पर कई अलग तरह की स्थितियां आपके समक्ष आएंगी और आप इसके लिए बाध्य होगे की आप स्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेकर आगे बढे । आज आपके काम की नैतिकता के लिए अतिरिक्त ध्यान देने की जरुरत है । अपने सहकर्मियों के साथ न चलने के कारण कुछ तनाव की स्थितियां सामने आ सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप ज़मीनी और तार्किक सोच के ज़रिए सफलता पाएँगे। रचनात्मकता आपको निखारने में मदद करती है, लेकिन ज़रूरत से ज़्यादा आलोचनात्मक होने से बचें। अगर सावधानी से काम लिया जाए, तो तेज़ सोच सफलता दिला सकती है। यह दिन बिना ज़्यादा प्रतिक्रिया दिए अच्छे अवसरों पर अमल करने का है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपका नेतृत्व चमकता है, और आपकी जिज्ञासा आपको काम या पढ़ाई में नए विचारों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। तार्किक सोच आपको स्थिर ध्यान के साथ योजनाओं को परिणामों में बदलने में मदद करती है। आपको अहंकार के बिना नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

भावनात्मक संघर्ष आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकता है। मान्यता पाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हो सकती है, लेकिन सहकर्मियों, विशेषकर महिलाओं के साथ तनाव उभर सकता है। अचानक उत्साह के कारण विलक्षण व्यवहार हो सकता है और परियोजनाओं में रुचि बदल सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित रखें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खु, खे, खो, गा, गी)

आप अपने कार्यों को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

रचनात्मक ऊर्जा आज आपके करियर को बढ़ावा देती है, जिससे आपको आत्मविश्वास के साथ खुद को अभिव्यक्त करने में मदद मिलती है। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, खासकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में। आप पहल करने और कार्यों को सीधे करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

गहलोत ने सीएम भजनलाल को लिखा लेटर

बोले- राजस्थान में सबसे कम मजदूरी की दरें, यह चिंताजनक; तुरंत बढ़ाएं

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान में मजदूरी की दरें देश में सबसे कम है। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस से एक दिन पहले गुरुवार को गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेटर लिखा। इसमें गहलोत ने राजस्थान में न्यूनतम मजदूरी की दरों को बढ़ाने की मांग करने के अलावा कई सवाल उठाए। गहलोत ने सीएम भजनलाल को लिखे लैटर में न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने के साथ इससे जुड़े कई सुझाव भी दिए।

गहलोत ने लैटर में लिखा कि श्रम विभाग के आंकड़ों के अनसार- मार्च 2026 तक राजस्थान न्यूनतम मजदूरी मामले में देश के निचले स्तर के राज्यों में शामिल है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। इसमें सुधार की आवश्यकता है। अभी राजस्थान में अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी केवल 7 हजार

410 रुपए प्रति महीने और अत्यधिक कुशल श्रमिकों के लिए 9 हजार 334 रुपए प्रति महीने है।

गहलोत ने लिखा- पिछले एक दशक में मजदूरी दरें केवल 40-50 प्रतिशत बढ़ी हैं, जबकि इसी अवधि में भारत का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) लगभग दोगुना हो चुका है। इसका अर्थ है कि श्रमिकों की वास्तविक क्रय शक्ति में केवल 20-30 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि हुई है। शेष वृद्धि महंगाई की भेंट चढ़ गई।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लिखा- तुलनात्मक रूप से केरल में मजदूरी दरें 90 से 110 प्रतिशत, तमिलनाडु और दिल्ली में 80 से 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राजस्थान इन राज्यों से बहुत पीछे है। यहां कुछ नीतिगत परिवर्तनों की आवश्यकता है। जैसे परिवर्तनीय महंगाई भत्ता का अनियमित संशोधन मजदूरी को CPI से जोड़ा गया है, लेकिन संशोधन नियमित और समयबद्ध नहीं है। इससे श्रमिकों को महंगाई का पूरा बोझ उठाना पड़ता है।

गहलोत ने लिखा- राजस्थान सरकार सभी असूचीबद्ध रोजगारों के लिए एक ही दर अधिसूचित करती है। कृषि, निर्माण, घरेलू कार्य, ईंट भट्टा समेत विभिन्न क्षेत्रों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं। क्षेत्र के अनुसार विशिष्ट मजदूरी दरें होनी चाहिए। परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आवश्यक मदों को मजदूरी की गणना में अभी तक शामिल नहीं किया गया है, जबकि इनकी लागत निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में इनको भी मजदूरी दर की गणना में शामिल करना चाहिए।

गहलोत ने सरकार को सुझाव देते हुए लिखा- न्यूनतम मजदूरी को 12 हजार से 15 हजार रुपए प्रतिमाह की सीमा में तुरंत संशोधित किया जाए। ये आज की महंगाई और जीवन-यापन की वास्तविक लागत के अनुरूप हो। संशोधन को हर 6 महीने में अनिवार्य रूप से लागू करने की व्यवस्था की जाए, ताकि श्रमिकों को महंगाई से वास्तविक सुरक्षा मिले।

'गैर मर्द संग रोमांटिक फोटो सोशल मीडिया पर डालना क्रूरता'

युवक ने कमेंट किया 'आई लव यू जान'; कोर्ट ने कहा- यह शादी का अपमान

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। पत्नी के सोशल मीडिया पर गैर मर्द (दूसरे पुरुष) के साथ रोमांटिक फोटोज डालना, फोटो पर उस व्यक्ति के 'आई लव यू जान' सहित अन्य प्यार भरे कमेंट्स करने को कोर्ट ने पति के साथ क्रूरता माना है। इसके साथ ही कोर्ट ने करीब 10 साल पुरानी शादी को रद्द कर दिया। महिला ने सोशल मीडिया पर खुद को अविवाहित (अनमैरिड) बताया था। जयपुर के फैमिली कोर्ट नंबर-1 ने 17 अप्रैल को फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा- अन्य पुरुष के साथ रोमांटिक दिखने वाली तस्वीरों को सोशल मीडिया पर पोस्ट करना न केवल वैवाहिक संबंधों के लिए घातक है, बल्कि क्रूरता की श्रेणी में भी आता है। चाहे वह पुरुष महिला का रिश्तेदार हो या दोस्त। इस तरह के कृत्य को वैवाहिक दुर्व्यवहार माना जा सकता है। वैवाहिक संबंधों के अपमान की श्रेणी में भी रखा जा सकता है।

मामले से जुड़े वकील डीएस शेखावत ने बताया- जयपुर के रहने वाले युवक-युवती की शादी 27 नवंबर 2015 को हुई थी। पति ने अदालत में याचिका दायर कर पत्नी के व्यवहार को मानसिक क्रूरता बताते हुए तलाक की मांग की थी। तलाक याचिका में पति ने कहा- पत्नी का व्यवहार शादी के अगले दिन से ही मेरे प्रति सामान्य नहीं रहा। वह अक्टूबर 2017 से ही अलग रह रहे हैं।

पति ने आरोप लगाया कि पत्नी का गैर व्यक्ति के साथ संबंध है। पति ने सबूत के तौर पर सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई पत्नी और अन्य पुरुष की रोमांटिक फोटो पेश की। इसके जवाब में पत्नी ने कहा- फोटोज मेरी ही हैं, लेकिन जिस आईडी से पोस्ट की गई हैं, वो मेरी नहीं है। अदालत ने कहा कि पत्नी का केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं है कि आईडी उसकी नहीं है। अगर ऐसा है तो उसने इस तरह की फोटोज अपलोड करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में कोई शिकायत दर्ज क्यों नहीं करवाई। वहीं, पत्नी यह भी कह रही है कि उसने ऑनलाइन एप के जरिए शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन उसके सबूत भी उसने पेश नहीं किए। ऐसे में साफ है कि आईडी पत्नी की ही थी। वह ही इस तरह की फोटो उस पर अपलोड करती थी।

इसके साथ पत्नी का यह कहना कि जिस व्यक्ति के साथ उसके पति ने फोटो पेश की है, वो रिश्ते में उसका जीजा है। अदालत ने कहा- अगर ऐसा होता तो पत्नी उस व्यक्ति को कोर्ट में पेश करके अपने पक्ष में उसकी गवाही भी करा सकती थी। लेकिन पत्नी ने ऐसा भी नहीं किया। अदालत ने कहा कि पति ने कोर्ट में पत्नी के मोबाइल मैसेज और चैट भी प्रस्तुत की है। इससे यह साफ है कि पत्नी पति पर उसके माता-पिता से अलग रहने का दबाव बनाती थी। बात नहीं मानने पर धमकियां भी देती थी। इससे मजबूर होकर पति ने परिवार से अलग होकर कमरा किराए पर लिया था। ऐसे में पति को माता-पिता से अलग रहने के लिए मजबूर करना भी क्रूरता की श्रेणी में ही माना जाएगा।

पत्नी ने इन सभी तथ्यों से इनकार किया और पति के खिलाफ मारपीट करने, जबरन शारीरिक संबंध बनाने, दूसरी शादी कर लेने के आरोप लगाए। इन्हें साबित करने के लिए कोई तथ्य पेश नहीं कर सकी। अदालत ने कहा- कोई भी पक्षकार आपसी सहमति से दायर याचिका में अपनी सहमति वापस लेने का अधिकार रखता है।

हाईकोर्ट का आतंकियों की सजा पर रोक लगाने से इनकार

जयपुर धमाके- जिंदा बम मिलने के मामले में राहत नहीं; जेल में ही रहना पड़ेगा

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। जयपुर में 18 साल पहले हुए सीरियल बम धमाकों के दौरान जिंदा बम मिलने के मामले में दो आतंकियों को फिलहाल हाईकोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया हैं। आंतकी मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद की स्टे एप्लीकेशन को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया हैं। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की बैंच के दोनों आतंकियों को फिलहाल राहत देने से इनकार करने पर इन्हें जेल में ही रहना पड़ेगा।

बता दे कि 4 अप्रेल 2025 को जयपुर बम ब्लास्ट की विशेष कोर्ट ने सैफुर्रहमान, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

13 मई को 2008 को जयपुर में 8 सीरियल ब्लास्ट हुए थे। 9वां बम चांदपोल बाजार के गेस्ट हाउस के पास मिला था। बम फटने के 15 मिनट पहले इसे डिफ्यूज कर दिया गया था। धमाकों में 71 लोगों की मौत हुई थी और 185 घायल हुए थे।

दोनों आतंकियों की ओर से कहा गया कि ब्लास्ट के 8 मामलों में ट्रायल कोर्ट ने हमें फांसी की सजा सुनाई थी लेकिन हाईकोर्ट ने उस सजा को रद्द करते हुए हमें बरी कर दिया था। जिंदा बम मिलने के मामले में भी वहीं सबूत और तथ्य अभियोजन की ओर से पेश किए गए हैं।

जब समान मामलों में हमें बरी किया जा चुका है, तो फिर ट्रायल कोर्ट उन्हीं तथ्यों के आधार पर सजा कैसे दे सकता हैं? उन्होंने कहा कि हम लंबे समय से जेल में है। इस मामले की अपील पर सुनवाई में लंबा समय लगेगा, ऐसे में जमानत का लाभ दिया जाए।

सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी, अधिवक्ता अमन अग्रवाल और नेहा गोयल ने कहा कि आतंकियों का मुख्य काम टैरर फैलाना होता है। इन लोगों ने ब्लास्ट दो न्यूज चैनल को मेल करके ब्लास्ट की जिम्मेदारी ली थी।

कार पलटने से भजन गायक की मौत

हल्दीघाटी से चित्तौड़गढ़ आते समय हादसा; बेटा और उनके साथी भी साथ थे

उदयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। उदयपुर में सड़क हादसे में मेवाड़ के प्रसिद्ध भजन गायक की मौत हो गई। वे भजन संध्या में शामिल होकर बेटे और अपने साथियों के साथ वापस लौट रहे थे। रास्ते में बैलेंस बिगड़ने पर कार पलट गई और भजन गायक की मौत हो गई। वहीं ड्राइवर घायल है।

बेटा और अन्य लोग हादसे से पहले उदयपुर में किसी काम से कार से उतर गए थे। हादसा डबोक थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-27 पर आज सुबह करीब 5 बजे का है।

थानाधिकारी गोपाल नाथ ने बताया कि हादसे में भजन गायक धनराज जोशी की मौत हुई है। वे

ये गायक की पुरानी फोटो है, जिसमें धनराज जोशी भजनों की प्रस्तुति दे रहे है।

चित्तौड़गढ़ के बड़वाई के रहने वाले थे। वहीं ड्राइवर राजेंद्र सोनेरी घायल है। थानाधिकारी ने बताया कि भजन गायक हल्दीघाटी स्थित सैमन गांव में भजन संध्या में गए थे। बेटे और अन्य साथियों के साथ गुरुवार रात वापस बड़वाई अपने घर लौट रहे थे। उनका बेटा और उनके साथी उदयपुर में काम होने पर कार से उतर गए। दरोली गांव और एयरपोर्ट के बीच नेशनल हाईवे-27 पर कार का बैलेंस बिगड़ गया। कार डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे में भजन गायक और ड्राइवर दोनों गंभीर घायल हो गए। मौके से गुजर रहे लोगों की सूचना पर डबोक पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों को डबोक हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने भजन गायक को मृत घोषित कर दिया। ड्राइवर का इलाज जारी है।

बता दें कि धनराज जोशी मेवाड़ और मारवाड़ क्षेत्र में भजनों और अपनी कॉमेडी शैली के लिए बेहद लोकप्रिय थे।

जैसलमेर-बाड़मेर सबसे गर्म

जोधपुर आईआईटी में पानी खत्म, स्टूडेंट्स लाइनों में लगे, 3 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट; कैसी रहेगी मई

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में मई में गर्मी कंट्रोल में रहने की संभावना है। पहले दो सप्ताह में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से आंधी-बारिश का दौर जारी रह सकता है। तापमान सामान्य रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकांश दिनों में दिन में गर्मी, जबकि शाम को आंधी-बारिश का अनुमान है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से 2 मई को 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। जो 4 मई तक रहेगा। पिछले 24 घंटे में कुछ इलाकों में आंधी चली और बारिश के साथ ओले गिरे। जैसलमेर और बाड़मेर में तापमान फिर 44 डिग्री पहुंच गया। तेज गर्मी के बीच जोधपुर IIT में पानी खत्म हो गया।

दिन में तेज धूप और गर्मीः गुरुवार दिन में बीकानेर, चूरू, फलोदी, पिलानी में अधिकतम तापमान 42 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। सबसे अधिक गर्मी बाड़मेर, जैसलमेर में रही, जहां का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। दोपहर बाद बदले मौसम से सीकर, जयपुर, अलवर सहित कई जिलों में हल्की बारिश भी हुई।

अब आगे क्या?ः मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- राज्य में आगामी 4-5 दिन एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगाा। आंधी (40-50 kmph) और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। अगले 4-5 दिन अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास दर्ज होने और हीटवेव से राहत मिलने की संभावना है।

शादी में पत्नी को गोली मारकर पति ने किया सुसाइड

पहले कहासुनी हुई, फिर कमरा बंद कर फायर किया; महिला की हालत गंभीर

भरतपुर, 1 मई (एजेंसियां)। शादी समारोह में पति ने पत्नी को गोली मार दी। फिर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मामला भरतपुर जिले के रूपवास थाना क्षेत्र के सिंघावली गांव का शुक्रवार दोपहर करीब 12:15 बजे का है।

घायल राधिका की हालत गंभीर है।

थानाधिकारी विनोद मीणा ने बताया- यूपी में आगरा के बरुअर निवासी राघवेंद्र (31) की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी राधिका (28) गंभीर घायल है। सिंघावली गांव राधिका का पीहर है। शुक्रवार दोपहर राधिका के चाचा की लड़की के लग्न का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान राधिका और राघवेंद्र में कहासुनी हो गई। वह राधिका को कमरे में ले गया। कमरा बंद कर उसने पहले देसी कट्टा से राधिका की छाती में गोली मारी। फिर खुद के सीने पर फायर कर लिया। गोली चलने की आवाज सुनकर राधिका के परिजन कमरे की तरफ भागे। उन्होंने कमरे का गेट तोड़ा और दोनों को बाहर निकाला। तब तक राघवेंद्र की मौत हो चुकी थी। राधिका को गंभीर हालत में रूपवास हॉस्पिटल लेकर गए। वहां से रेफर करने पर उसे भरतपुर के RBM अस्पताल में भर्ती करवाया। हालत क्रिटिकल होने पर उसे जयपुर रेफर कर दिया गया।

कमरे में फर्श पर खून बिखरा हुआ था। पुलिस ने कमरे से हथियार को बरामद कर लिया है। राधिका के परिजनों से पूछताछ कर रही है। दोनों के बीच क्या विवाद हुआ था, इसके बारे में परिजन को पता नहीं है।

परिजन ने पुलिस को बताया कि राधिका शादी में शामिल होने 30 अप्रैल को ही घर आई थी। जबकि राघवेंद्र आज दोपहर करीब 12 बजे आया था। आते ही उसने राधिका को लग्न के कार्यक्रम से बुलाया और एक कमरे में ले गया। वहां उसने उसे गोली मार दी।

राघवेंद्र खेतीबाड़ी करता था। दोनों की शादी 4 साल पहले हुई थी। उनके 3 साल का बेटा है।

कार की टक्कर से जीजा की मौत, साला घायल

थाने से 400 मीटर दूर हुआ हादसा

पीछे से टक्कर मारकर भागा ड्राइवर

अलवर, 1 मई (एजेंसियां)। अलवर के लक्ष्मणगढ़ थाने से महज 400 मीटर दूर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक पर सवार जीजा की मौत हो गई। वहीं, साला गंभीर घायल हो गया। इसका अलवर जिला अस्पताल में इलाज जारी है। घटना गुरुवार रात की है। दरअसल, आफरीद पुत्र कासम और उसका साला अज्जू बाइक से गांव लौट रहे थे। दोनों लक्ष्मणगढ़ के बारा भड़कोल के पास महाराजपुर गांव के रहने वाले हैं। लक्ष्मणगढ़ थाने से थोड़ी दूर बोलेरो कार ने उनको टक्कर दी। इससे अफरीद की मौत हो गई। वहीं, उसका साला अज्जू गंभीर रूप से घायल हो गया। जो अस्पताल में भर्ती है। एक्सीडेंट करने वाली कार को पुलिस ने जब्त कर लिया। ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घायल अज्जू के हाथ पैर फ्रैक्चर है। थाने के पास ही एक्सीडेंट किया गया। इसके बावजूद ड्राइवर फरार हो गया। आसपास के लोगों ने भी रोष जताया है।

हाईकोर्ट वकील की कार से 25 लाख कैश बरामद

रुपयों से भरे बैग के बारे में जवाब नहीं दे पाए

नाकाबंदी में रुकवाया था

जोधपुर, 1 मई (एजेंसियां)। जोधपुर में एक कार से नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने 25 लाख रुपए बरामद किए है। कार जयपुर हाईकोर्ट के वकील और जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अरविंद चौधरी चला रहे थे। वे जयपुर की तरफ से आ रहे थे। रुपयों के बारे में संतोषजनक जवाब और सही कागज पेश नहीं करने पर जोधपुर कमिश्नरेट की डांगियावास थाना पुलिस ने रुपयों को जब्त कर लिया।

इससे पहले कई घंटों तक अफवाह चलती रही कि जयपुर एसओजी की टीम ने जोधपुर से एक एएजी और एक वकील को पकड़ा है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की। गुरुवार देर रात को डांगियावास पुलिस ने नकदी जब्त करने की पुष्टि की।

डांगियावास थानाधिकारी दौलाराम ने बताया कि गुरुवार दोपहर बाद पुलिस टीम की ओर से रूटीन नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान जयपुर की तरफ से आ रही एक कार को रुकवाकर तलाशी ली गई। जांच के दौरान कार के अंदर रखे एक बैग में बड़ी मात्रा में नकद रुपए मिले। गिनती करने पर यह रकम कुल 25 लाख रुपए निकली।

थानाधिकारी ने बताया कि कार को जयपुर हाईकोर्ट के वकील अरविंद चौधरी चला रहे थे। पूछताछ में वे कोई भी स्पष्ट या संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए।

खाटूश्यामजी में गेस्ट हाउस में तोड़फोड़,कर्मचारियों को पीटा

सीकर, 1 मई (एजेंसियां)। सीकर के खाटूश्यामजी में गेस्ट हाउस में तोड़फोड़ और कर्मचारियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट करने वाले भी गेस्ट हाउस चलाते है। वापस जाते समय धमकी देकर गए कि पुलिस को बताया तो गेस्ट हाउस नहीं चलाने देंगे। पुलिस हमारा कुछ भी बिगाड़ सकती क्योंकि हम पुलिस को बंधी देते हैं।

खाटूश्यामजी निवासी हरफूल बिजारणियां ने बताया कि उनका दांतारामगढ़ रोड पर श्रीकृष्णम गेस्ट हाउस है। आज सुबह 5:23 बजे एक कैंपर गाड़ी में 8 से 10 लोग सवार होकर आए थे।

कैंपर में सुनील शर्मा, दीपेंद्र जालपानी चौधरी, करण सिंह, जीतू बुरड़क, हरीश, परीक्षित, गोपाल शर्मा, अंकित पूनियां सहित अन्य लोग थे।

धोखाधड़ी केस में बाड़मेर के डिप्टी रजिस्ट्रार सस्पेंड

गिरफ्तारी के बाद विभाग ने की कार्रवाई

जैसलमेर, 1 मई (एजेंसियां)। बाड़मेर में सहकारिता विभाग के डिप्टी रजिस्ट्रार जगदीश कुमार सुथार को सरकार ने सस्पेंड कर दिया है। जोधपुर संभाग के एडिशनल रजिस्ट्रार देवेंद्र अमरावत ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई सुथार की गिरफ्तारी के बाद नियमों के तहत की गई है।

जगदीश कुमार सुथार के खिलाफ जैसलमेर के सम थाने में धोखाधड़ी (धारा 420), (धारा 409) और साजिश रचने (धारा 120-बी) का केस दर्ज था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए उन्हें 17 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर लिया था। नियम कहता है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी 48 घंटे से ज्यादा जेल या पुलिस की कैद में रहता है, तो उसे नौकरी से सस्पेंड मान लिया जाता है।

उप रजिस्ट्रार का पद रिक्त होने के कारण विभाग ने कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है। रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, राजस्थान के निर्देशों की अनुपालना में, बाड़मेर के उप रजिस्ट्रार पद का अतिरिक्त कार्यभार 'विशेष लेखा परीक्षक' (सहकारी समितियां, बाड़मेर) को सौंपा गया है।

नाइट ड्यूटी में आए मजदूर की मौत

सुबह पेट दर्द के बाद फैक्ट्री के बाहर तोड़ा दम, गुस्साए श्रमिकों ने शव रख किया प्रदर्शन

भीलवाड़ा, 1 मई (एजेंसियां)। 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर फैक्ट्री में काम कर रहे एक अधेड़ श्रमिक ने दम तोड़ दिया। मामला भीलवाड़ा के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के रीको IV फेज का है। साथी की मौत के बाद गुस्साए मजदूरों ने मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मजदूरों ने शव फैक्ट्री के गेट पर रखकर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। मजदूरों का कहना जब तक मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा नहीं मिल जाता, प्रदर्शन जारी रहेगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे मजदूरों की समझाइश की।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक मृतक घनश्याम वैष्णव (42) मूल रूप से मध्य प्रदेश के उज्जैन के पेटलावद का रहने वाला था। वर्तमान में वह परिवार के साथ मीरा सर्कल, पटेल नगर में किराए पर रहा था। यहां वह प्रताप नगर थाना क्षेत्र के रीको IV फेज स्थित अमृत स्पिनर्स प्राइवेट लिमिटेड में काम करता था। गुरुवार रात करीब 10 बजे नाइट शिफ्ट में आया था। शुक्रवार सुबह ड्यूटी के बाद फैक्ट्री से निकलते ही उसे अचानक पेट में तेज दर्द हुआ। इसके कुछ देर बाद ही उसकी संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई।

साथी की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में मजदूर और परिजन फैक्ट्री के बाहर इकट्ठा हो गए। मजदूरों और परिजनों ने फैक्ट्री मैनेजमेंट पर संवेदनहीनता के आरोप लगाए। गुस्साए लोगों ने फैक्ट्री गेट के बाहर मृतक का शव रखकर नारेबाजी की और टायर फूंककर प्रदर्शन किया। उन्होंने फैक्ट्री मैनेजमेंट से मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की।

सांवलियाजी को 34 साल में पहली बार 337 करोड़ का चढ़ावा

200 का स्टाफ, मशीनों से काउंटिंग, ऐसी आस्था...अमाउंट स्टाम्प पर लिख कर लाते हैं भक्त

चित्तौड़गढ़, 1 मई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ के मंडफिया स्थित श्रीसांवलिया जी मंदिर में इस साल (2025-26) करीब 337 करोड़ का चढ़ावा आया है। ये 34 साल में सबसे ज्यादा है। बीते लगभग चार दशक में ऐसा कोई साल नहीं है जब मंदिर में चढ़ावे में कमी आई है। हर साल चढ़ावे की रकम बढ़ रही है। ट्रस्ट बनने के बाद से हर महीने होने वाली मैराथन काउंटिंग के लिए विशेष इंतजाम किए जाते है। इस चढ़ावे की काउंटिंग के लिए करीब 200 लोगों का स्टाफ लगता है, जिसमें बैंककर्मी और मंदिर प्रशासन के लोग शामिल होते हैं। काउंटिंग प्रक्रिया में पहले हाथों से पैसे गिने जाते हैं। उसके बाद मशीनों का इस्तेमाल होता है। मान्यता है कि ठाकुर जी यहां सेठजी के रूप में विराजमान हैं, एक बार अगर उन्हें पार्टनर बना लिया तो बिजनेस बढ़ता ही जाता है। इसलिए भक्त यहां बकायदा स्टाम्प पर अमाउंट लिखवा कर लाते हैं। मन्नत पूरी होने पर लाखों की राशि लिखित में अपने कंपनी के लेटर हेड पर लिख कर दे जाते हैं।

काउंटिंग के लिए 200 का स्टाफः मंदिर प्रशासन के अनुसार, मंदिर में हर महीने चतुर्दशी के दिन दान पात्र खोले जाते हैं। राजभोग आरती के बाद 11:45 बजे बैंक कर्मी और मंदिर प्रशासन के लोग इस काउंटिंग में शामिल होते हैं। इसमें करीब 200 लोग शामिल होते हैं। इस काउंटिंग में 5 से 10 दिन का समय लग जाता है। सबसे पहले नोटों को और सिक्कों को अलग किया जाता है। इसके बाद 5 मशीनों से इनकी काउंटिंग होती है। गहनों को वजन में काउंट किया जाता है।

पहले भक्तों के सामने होती थी गिनतीः मंदिर प्रशासन के अनुसार, कैश के साथ-साथ चेक, मनी ऑर्डर और ऑनलाइन माध्यम से भी बड़ी मात्रा में दान आता है। विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के कारण फॉरेन करेंसी भी बड़ी मात्रा में मिलती है। मंदिर में 1992 से लेकर 2025 तक श्रद्धालुओं के सामने ही इस दान राशि की काउंटिंग होती थी। इसके बाद पिछले साल जुलाई के बाद से इसे अलग सेपरेट कर दिया गया है, ताकि काउंटिंग में कोई गड़बड़ी न आए। पहले श्रद्धालु दर्शन करते हुए आते थे और साथ-साथ दान की काउंटिंग भी देखते थे।

दिल्ली पुलिस द्वारा निर्दोष बिहारी बच्चे को गोली मारने की कडी निंदा

दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवई की मांग

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति ने दिल्ली में बिहार के एक निर्दोष बच्चे को पुलिस द्वारा गोली मारे जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए इस दुखद और अमानवीय कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खडा किया है। समिति का मानना है कि किसी भी परिस्थिति में इस प्रकार की कठोर और घातक कार्रवाई उचित नहीं है, वह भी तब जब मामला एक मासूम बच्चे से जुड़ा हो। इस घटना ने पूरे बिहारी समाज को झकझोर कर रख दिया है और आम जनता के बीच भय एवं आक्रोश का माहौल उत्पन्न किया है। इसके साथ ही समिति ने पीड़ित परिवार को मुआवजा एवं हर संभव सहायता प्रदान करने की मांग की है। श्री यादव ने बिहार के सभी सांसदों व नेताओं से एक होकर इस कुकृत्य की जांच करने और उचित मुआवजा देने की मांग उठाने की मांग की है। पीडित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाने की भी मांग की गई है।

शांति और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : बी. सुमति

मादक पदार्थों पर सख्ती और ट्रैफिक प्रबंधन पर फोकस

मलकाजगिरी पुलिस कमिश्नर ने संभाला कार्यभार

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी पुलिस कमिश्नरेट की नई पुलिस कमिश्नर के रूप में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बी. सुमति ने शुक्रवार को विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से बातचीत में पुलिस कमिश्नर बी. सुमति ने कहा कि मलकाजगिरी की पहली महिला पुलिस कमिश्नर बनना उनके लिए गर्व के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि जनता को पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि मलकाजगिरी कमिश्नरेट की शांत क्षेत्र के रूप में जो पहचान है, उसे बनाए रखते हुए कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या समझौता नहीं किया जाएगा। तकनीक आधारित पुलिसिंग पर जो, पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अपराध नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाएगा। विशेष रूप से एआई आधारित टीजी क्यूयूईएसटी प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए प्रोसेस ओरिएंटेड एवं रिजल्ट ओरिएंटेड दृष्टिकोण अपनाया जाएगा ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। साथ ही, जनता में अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुके मादक पदार्थों की तस्करी और उपयोग पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुल्तान बाजार में नरसिंह जयंती मनाई गयी

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तान बाजार में भगवान नरसिंह का जन्मोत्सव मनाया गया। मंदिर के ट्रस्टी गोविन्द नारायण राठी ने बताया कि पंडित गणेश महाराज ने नरसिंह अवतार का प्रदर्शन सिंह का चोला पहनकर भक्तों को आशीर्वाद दिया। नरसिंह भगवान के जयकारे के बीच मुरारी दायमा, हरीश दायमा, सुमित राठी, कमल जाजू, राजेन्द्र राठी ने भजन प्रस्तुत किया। उत्सव में धर्मस्व विभाग के डिप्टी कमिश्नर विनोद रेड्डी, ट्रस्टी नवनीत पिट्टी, हरिनारायण राठी, कमल नारायण राठी, शैलेश अग्रवाल, रमेश कुमार बंग, विनोद बंग, डॉ. मोहन गुप्ता, लक्ष्मी नारायण व्यास सहित बडी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

PUB/148

असाधारण
भाग-II-धारा 3-उप-धारा (ii)
रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)
अधिसूचना
सिकन्दराबाद, 24 अप्रैल 2026

एस.ओ. 2098(इ)–जबकि, भारत सरकार के अधिसूचना द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), सं. एस.ओ.504 (इ) दि.2 फरवरी, 2026 के तहत भारतीय गजट, असाधारण, भाग II, धारा 3 उप धारा (ii), दि.4 फरवरी, 2026 को प्रकाशित किया गया है, (इसके बाद उपरोक्त अधिसूचना कहकर संबोधित किया जायेगा)

तथा जिसे रेल अधिनियम, 1989 (24 का वर्ष 1989) की धारा 20 (ए) की उप धारा (1) के तहत जारी किया गया है, (इसके बाद इसे उक्त अधिनियम कहकर संबोधित किया जायेगा), उक्त भूमि के अधिग्रहण की आवश्यकता है। इसके चलते केन्द्र सरकार ने यह घोषणा करते हुए यह इच्छा व्यक्त की है कि, उपरोक्त अधिसूचना की अनुसूची में संलग्न, विशेष रेल परियोजना के तहत जैसे, तेलंगाना राज्य के कामारेड्डी जिले में मुदखेड–ढोने दोहरीकरण परियोजना हेतु निर्धारित भूमि के निष्पादन, रखरखाव, प्रबंधन तथा संचालनार्थ तत्संबंधित भूमि के अधिग्रहण की आवश्यकता है।

तथा उपरोक्त अधिसूचना के आशय को, उक्त अधिनियम की धारा 20ए की उपधारा (4) के तहत दि.13 एवम् 14 फरवरी, 2026 को दैनिक समाचारपत्रों जैसे, दि टाइम्स आफ इण्डिया, स्वतंत्र वार्ता तथा साक्षी में प्रकाशित किया गया है।

एवम् चूंकि इस मामले में पोन्दुर्थी, सारमपल्ली, कामारेड्डी, तिप्पापुर, रामेश्वरमपल्ली, भिकनूर, बसवापूर तथा कामारेड्डी जिले के उप्पलावाई गांवों से कोई भी आपत्तियां प्राप्त नही हुई है तथा इसके प्रति सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार विनिमय करने के बाद, तदनुसार आदेश जारी किये हैं।

एवं जबकि, सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 20 (इ) की उप धारा (1) के अनुसरण में, केन्द्र सरकार को तत्संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

तथा इसलिए, सक्षम प्राधिकारी की तत्संबंधित प्रस्तुत रिपोर्ट की प्राप्ति पर उपरोक्त अधिनियम की धारा 20इ की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार ने इसके द्वारा यह घोषणा की है कि, तत्संबंधित अनुसूची में संलग्न भूमि, उपरोक्त उध्देश्य के प्रति अधिग्रहण हेतु आवश्यकता है।

इसके आगे, उपरोक्त अधिनियम की धारा 20इ की उप धारा (2) के अनुसरण में, केन्द्र सरकार ने इसके द्वारा यह घोषणा की है कि, भारतीय गजट में प्रकाशित इस अधिसूचना के चलते, तत्संबंधित अनुसूची में संलग्न निर्धारित भूमि, केन्द्र सरकार में निहित है तथा सभी प्रकार के भारों से मुक्त है।

अनुसूची

तेलंगाना राज्य में भूमि अधिग्रहण हेतु भूमि अधिग्रहण, कामारेड्डी संबंधित राजस्व विभागीय अधिकारी एवम् सक्षम प्राधिकरण के अंतर्गत पोन्दुर्थी, सारमपल्ली, कामारेड्डी, तिप्पापूर, रामेश्वरमपल्ली, भिकनूर, बसवापूर तथा कामारेड्डी जिले के उप्पलवाई गांवों में, मुदखेड एवम् ढोने स्टेशनों के बीच दोहरीकरण या डबलिंग कार्य; विशेष रेल परियोजना के अंतर्गत ढांचों (स्ट्रक्चर्स) सहित या रहित अधिग्रहण की जानेवाली भूमि का संक्षिप्त विवरण।

क्रम संख्या	गांव & मंडल का नाम	जिले का नाम	भूमिधारक का नाम	सर्वे नंबर्स	भूमि वर्गीकरण पट्टा/ सरकारी	अधिग्रहण क्षेत्र (एकड–गुन्टा)	संपत्तियां		
							बोर/कुंआं	निर्माण	पेड या वृक्ष-
1	राजमपेट मंडल का पोन्दुर्थी गांव	कामारेड्डी	आत्माकुरी वेंकटरामुलू सुपुत्र बालराजु	590	पट्टा	0.01	-	-	-
2			आत्माकुरी वेंकटरामुलू सुपुत्र बालराजु	621	पट्टा	0.02	-	-	-
3			चिन्नारयावा भीरय्या सुपुत्र सैलू	621	पट्टा	0.14	-	-	-
4			चिन्नारयावा यादमल्लु सुपुत्र सैलू	621	पट्टा	0.16	-	-	-
5			चिन्नारयावा रेणुका धर्मपत्नी भीरय्या	621	पट्टा	0.10	-	-	-
6			चिन्नारयावा यादमल्लु सुपुत्र सैलू	621	पट्टा	0.10	-	-	-
7			चिन्नारयावा भीरय्या सुपुत्र सैलू	620	असाइन्ड भूमि	0.02	-	-	-
8			गुन्डेल्ली सत्यनारायण सुपुत्र बालय्या	622	असाइन्ड भूमि	0.11	-	-	-
9			गुन्डेल्ली सत्यनारायण सुपुत्र बालय्या	623	सरकारी	0.20	-	-	-
10			रायनाबोइना कविता धर्मपत्नी नारायणा	579	पट्टा	0.02	-	-	-
11			रायनाबोइना कविता धर्मपत्नी नारायणा	581	पट्टा	0.09	-	-	-
12			गोविन्दापुरम मुत्तय्या सुपुत्र राजय्या	582	पट्टा	0.02	-	-	-
13			गोविन्दापुरम लक्ष्मण सुपुत्र एल्लय्या	582	पट्टा	0.02	-	-	-
14			गोविंदापुरम लक्ष्मी धर्मपत्नी सिध्दरामुलू	583	पट्टा	0.03	-	-	-
15			गोविंदापुरम राजव्वा धर्मपत्नी पेन्टय्या	583	पट्टा	0.05	-	-	-
16			रायनाबोइना कविता धर्मपत्नी नारायणा	583	पट्टा	0.03	-	-	-
17			पुट्टाकोक्कुला पद्मावती धर्मपत्नी किष्टय्या	584	पट्टा	0.04	-	-	-
18			पुट्टाकोक्कुला राजय्या धर्मपत्नी लच्छय्या	588	शिकम	0.02	-	-	-
कुल विस्तारः						2 एकड 38 गुंटा			

क्रम संख्या	गांव & मंडल का नाम	जिले का नाम	भूमिधारक का नाम	सर्वे नंबर्स	भूमि वर्गीकरण पट्टा/ सरकारीः	अधिग्रहण क्षेत्र (एकड–गुन्टा)	संपत्तियाँ		
							बोर/कुआँ	निर्माण	पेड
1	सारमपल्ली (गांव), कामारेड्डी (मंडल)	कामारेड्डी	कोत्तुरी चिन्ना सैलू सुपुत्र डाकय्या	143	पट्टा	0.03	-	-	-
2			कोत्तुरी पेद्दा सैलू सुपुत्र डाकय्या	143	पट्टा	0.03	-	-	-
3			कोत्तुरी भास्कर सुपुत्र नरसिम्लू	142	पट्टा	0.01 ञ	-	-	-
4			कोत्तुरी राजाराम सुपुत्र नरसय्या	142	पट्टा	0.02 ञ	-	-	-
5			कोत्तुरी बापुराज सुपुत्र नरसय्या	142	पट्टा	0.02 ञ	-	-	-
6			बी. सुधा धर्मपत्नी वेणुगोपाल राव	142	पट्टा	0.01	-	-	-
7		कामारेड्डी	के. नलिनी देवी धर्मपत्नी नरसिम्हाराव	142	पट्टा	0.01	-	-	-
8			मुल्का सरोजिनी धर्मपत्नी राजु	141	पट्टा	0.00 ट	-	-	-
9			मुल्का श्रीनिवास धर्मपत्नी राजय्या	141	पट्टा	0.00 ट	-	-	-
कुल विस्तार						एकड 0.15 गुन्टा			

क्रम संख्या	गांव & मंडल का नामः	(गांव) & (मंडल) जिले का नामः	भूमिधारक का नाम		भूमि वर्गीकरण पट्टा/ सरकारी	अधिग्रहण क्षेत्र (स्क्रे.याड्र्स)	संपत्तियाँ		
							बोर/कुआँ	निर्माण	पेड
1	कामारेड्डी	कामारेड्डी	नामाल गंगाधर सुपुत्र गंगय्या	828	पट्टा (खसरा नुसार)	7.48	-	-	-
2			बत्तु गंगाधर सुपुत्र राजय्या	828	पट्टा (खसरा नुसार)	67.82	-	-	-
3			जडाला विघ्नेश्वर सुपुत्र शंकर	828	पट्टा (खसरा नुसार)	79.56	-	-	-
4			बी. सिध्दी रामुलू सुपुत्र एल्लय्या	828	पट्टा (खसरा नुसार)	44.19	-	-	-
5			साहेरा बेगम धर्मपत्नी बशीर हुस्सेन	828	पट्टा (खसरा नुसार)	83.77	-	-	-
6			सय्यद शहनाज बेगम धर्मपत्नी बशीर हुस्सेन	828	पट्टा (खसरा नुसार)	83.77	-	-	-
7			मोहम्मद अकील हुस्सेन सुपुत्र बशीर खान	828	पट्टा (खसरा नुसार)	124.22	-	-	-
8			चिंतला नारायणा सुपुत्र राजय्या	828	पट्टा (खसरा नुसार)	281.159	-	-	-
9			केतु रेखा धर्मपत्नी रमणा रेड्डी	828	पट्टा (खसरा नुसार)	208.3	-	-	-
10			नामाल कविता धर्मपत्नी स्वामी	828	पट्टा (खसरा नुसार)	57.57	-	-	-
11			जंगम इश्वरम्मा धर्मपत्नी सिद्धि रामप्पा	828	पट्टा (खसरा नुसार)	39.59	-	-	-
12			आवुसुला श्रीनिवास चारी सुपुत्र वेंकट नारायणा	828	पट्टा (खसरा नुसार)		-	-	-
13			नामाल राजु सुपुत्र अशोक	828	पट्टा (खसरा नुसार)	25.7	-	-	-
14			मादासु राजालिंगम सुपुत्र नारायणा	828	पट्टा (खसरा नुसार)	14.02	-	-	-
15			सडकें एवं भीतरी सडकें	828	पट्टा (खसरा नुसार)	4692	-	-	-
कुल विस्तारः						1 एकड 08 गुंटा			

क्रम संख्या	गांव & मंडल का नाम	जिले का नाम	भूमिधारक का नाम	सर्वे नंबर्स	भूमि वर्गीकरण पट्टा/सरकारी	अधिग्रहण क्षेत्र (एकड-गुन्टा)	संपत्तियां		
							बोर/कुंआं	निर्माण	पेड
1	तिप्पापुर (गांव), भिकनूर (मंडल)	कामारेड्डी	सादुगारी रामरेड्डी सुपुत्र लक्ष्मा रेड्डी	362	पट्टा	0.11	-	-	-
2			नागार्थी सुनिता धर्मपत्नी नर्सा रेड्डी	362	पट्टा	0.14	-	-	-
3			नागार्थी सुनिता धर्मपत्नी नर्सा रेड्डी	369	पट्टा	0.06	-	-	-
4			रेलवे क्षेत्र	369	सरकारी जमीन,	0.19	-	-	-
5			सडक	369	सरकारी जमीन	0.02	-	-	-
6			रेलवे क्षेत्र	30	सरकारी जमीन	0.07	-	-	-
7			वी. राघवेन्द्र राव सुपुत्र लक्ष्मण राव	31	पट्टा	0.06	-	-	-
8			वी. राघवेन्द्र राव सुपुत्र लक्ष्मण राव	32	पट्टा	0.10	-	-	-
9			ललिता धर्मपत्नी संगरा	33	पट्टा	0.11	-	-	-
10			ललिता धर्मपत्नी संगरा	34	पट्टा	0.01	-	-	-
कुल विस्तारः						2 एकड 07 गुंटा			

क्रम सं.	गांव व मंडल का नामः	जिले का नाम	भूमिधारक का नाम	सर्वे नंबर्स	भूमि वर्गीकरण पट्टा/सरकारी	भूमि अधिग्रहण क्षेत्र (एकड-गुन्टा)	संपत्तियां		
							बोर/कुंआं	निर्माण	पेड
1	रामेश्वरपल्ली (गांव), भिकनूर (मंडल)	कामारेड्डी	दासरी नवीन सुपुत्र बलराम	286	पट्टा	0.17	-	-	-
2			दासरी नरसिमलू सुपुत्र किस्टय्या	286	पट्टा	0.11	-	-	-
3			दासरी नरसिमलू सुपुत्र किस्टय्या	285	पट्ट	0.02	-	-	-
4			रेड्डी गारी रामरेड्डी सुपुत्र श्रीनिवास रेड्डी	285	पट्टा	0.04	-	-	-
5			रेड्डी गारी रामरेड्डी सुपुत्र श्रीनिवास रेड्डी	284	पट्टा	0.04	-	-	-
कुल विस्तारः						0एकड 38 गुन्टा			

क्रम सं.	गांव व मंडल का नाम	जिले का नाम	भूमिधारक का नाम	सर्वे नंबर्स	भूमि वर्गीकरण पट्टा/सरकारी	अधिग्रहण क्षेत्र (एकड-गुन्टा)	संपत्तियां		
							बोर/कुंआं	निर्माण	पेड
1	भिकनूर (गांव) & (मंडल)	कामारेड्डी	दासरी मधु सुपुत्र राजी रेड्डी	1045	सरकारी जमीन	0.02	-	-	-
2			सरकारी जमीन	1045	सरकारी जमीन	0.16	-	-	-
3			कुर्मा भुय्या भूमय्या सुपुत्र भीरय्या	1040	पट्टा	0.07	-	-	-
4			कुर्मा भुय्या मल्लय्या सुपुत्र मल्लय्या	1040	पट्टा	0.09	-	-	-
5			कुर्मा भुय्या लक्ष्मी धर्मपत्नी नरसय्या	1040	पट्टा	0.07	-	-	-
6			कुर्मा भुय्या चिन्ना सुपुत्र भीरय्या	1040	पट्टा	0.07	-	-	-
7			एन्डोमेन्ट या धर्मस्व	1032	सरकारी जमीन	0.02	-	-	-
कुल विस्तारः						एकड 1.10 गुन्टा			

क्रम सं.	गांव व मंडल का नामः	जिले का नाम	भूमिधारक का नाम	सर्वे नंबर्स	भूमि वर्गीकरण पट्टा / सरकारी	अधिग्रहण क्षेत्र (एकड-गुन्टा)	संपत्तियां		
							बोर/कुंआं	निर्माण	पेड
1	भिकनूर (मंडल) का बसवापुर (गांव)	कामारेड्डी	राजमपेट सिद्धम्मा सुपुत्र यादगिरी	212	सरकारी जमीन	0.10	-	-	-
2			राजमपेट यादगिरी सुपुत्र राजय्या	212	सरकारी जमीन		-	-	-
कुल विस्तारः						एकड 0.10 गुन्टा			

क्रम सं	गांव व मंडल का नाम	जिला	भूमिधारक का नामः	सर्वे नंबर्स	भूमि वर्गीकरण पट्टा / सरकारी	अधिग्रहण क्षेत्र (एकड-गुन्टा)	संपत्तियां		
							बोर/कुंआं	निर्माण	पेड
1	उप्पलवाई (गांव), रामारेड्डी (मंडल)	कामारेड्डी	तेलंगाना स्टेट एससी वेलफेयर बायज हास्टल, उप्पलवाई ग्राउण्ड	375	सरकारी जमीन	0.03	-	-	-
2			तेलंगाना स्टेट एससी वेलफेयर बायज हास्टल, उप्पलवाई ग्राउण्ड	375	सरकारी जमीन,	0.21	-	-	-
3		कामारेड्डी शिकम	तेलंगाना स्टेट एससी वेलफेयर बायज हास्टल, उप्पलवाई ग्राउण्ड	376	सरकारी जमीन	0.07	-	-	-
4			के. प्रेमकुमार सुपुत्र राजय्या	377	पट्ट	0.1050	-	-	-
5			शेख महमूद सुपुत्र महबूब	377	पट्टा	0.1050	-	-	-
6			शिकम	381	शिकम	0.12	-	-	-
कुल विस्तारः						एकड 1.24 गुन्टा			

(फाइल नं.-डब्ल्यू. सीओएन.182/एसआरपी-06/एमयुइ-डीएचएनइ/23-24/247/20इ/24042026)

हस्ता./- (अमित अगरवाल)

मुख्य अभियंता/निर्माण/योजना व सर्वेक्षण

A172

एक हार खोल देगी बाहर जाने का द्वार

हार्दिक के आईपीएल करियर का सबसे अहम मुकाबला, धोनी-रोहित पर ससपेंस बरकरार

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बचाए रखने के लिए चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार को एक जरूरी मुकाबला होगा, जहां दोनों टीमें अपनी खराब फॉर्म को बदलने के लिए बेताब हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहना चाहती हैं। आईपीएल के इतिहास की सबसे सफल दो टीमें इस बार अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं और लगातार जीत की लय नहीं बना सकीं। सीएसके को एमए चिदंबरम स्टेडियम की पिचें जरूर पसंद आई हैं, लेकिन उनकी टीम में वह धार नहीं दिखी जो पहले थी।

उनकी बल्लेबाजी खासकर मिडिल ओवर्स में कमजोर रही है और गेंदबाजी, जो घर में उनकी ताकत मानी जाती थी, दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रही है। मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी इस सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टॉप ऑर्डर ने कभी-कभी अच्छा खेला, लेकिन मिडिल ऑर्डर कमजोर रहा और गेंदबाज भी न तो टारगेट बचा पाए और न ही अहम मौकों पर विपक्षी बल्लेबाजों को रोक पाए। लीग के निर्णायक मोड़ पर यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बहुत अहम है।

रेस में बने रहने की जंग

सीएसके को उम्मीद है कि उनके स्पिनर धीमी चेपॉक पिच का फायदा उठाएंगे, जबकि एमआई अपने पॉवर हिटर्स पर भरोसा करेगी। दोनों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए कोई भी टीम साफ फेवरेट नहीं है, इसलिए यह मुकाबला दबदबे की बजाय जिंदा रहने की जंग है। पॉइंट्स टेबल में सीएसके छठे नंबर पर है, आठ मैचों में तीन जीत के साथ, और लगातार खराब प्रदर्शन, निगेटिव नेट रन रेट और एमएस धोनी की गैरमौजूदगी से उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें खतरे में हैं।

धोनी को प्री-सीजन ट्रेनिंग के दौरान चोट लगी थी और वह अब तक टूर्नामेंट के पहले हिस्से से बाहर हैं। नए खिलाड़ी संजू सैमसन ने सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं, आठ पारियों में 300 से ज्यादा रन और दो शानदार शतक लगाए हैं, और एक बार फिर उन पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी होगी।

मुंबई की हालत खस्ता

एमआई की हालत और खराब हो गई जब वे अपने घर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन बचाने में नाकाम रहे, जिससे उनकी गेंदबाजी की कमजोरी उजागर हो गई। सीएसके की स्थिति एमआई से थोड़ी बेहतर है, जो नौवें नंबर पर है। एमआई को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बाकी सभी छह मैच जीतने होंगे। एक और हार से एमआई को नेट रन रेट और बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कम्बोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील होसिन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

मुंबई इंडियंसः

हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिन्ज (विकेटकीपर), डेनिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्वनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष्ण भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

जापान के टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी ने किया संन्यास का एलान

टोक्यो, 1 मई (एजेंसियां)। जापान के स्टार टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी ने 2026 सीजन के आखिर में संन्यास लेने का एलान किया है। निशिकोरी जापान के टेनिस इतिहास में सबसे ऊंचे रैंकिंग वाले खिलाड़ी रहे हैं। वह दुनिया के शीर्ष 10 टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाने वाले भी पहले जापानी खिलाड़ी रहे। निशिकोरी ने हाल ही में पिछले साल के सिनसिनाटी ओपन में एक टूर-लेवल इवेंट में हिस्सा लिया था। उन्होंने पिछले सप्ताह जॉर्जिया के सवाना में एक एटीपी चैलेंजर इवेंट में खेला था। निशिकोरी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, मैं एक घोषणा कर रहा हूं कि मैंने इस सीजन के आखिर में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने का फैसला किया है। बचपन से मुझे टेनिस का शौक रहा है और मैंने अपने दिल में सिर्फ एक सपना लेकर इसे जारी रखा है कि मैं विश्व स्तर पर मुकाबला करना चाहता हूं। एटीपी टूर तक पहुंचना, प्रतिस्पर्धा के सबसे ऊंचे लेवल पर खेलना और टॉप 10 में अपनी मौजूदगी बनाए रखना, ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे बहुत गर्व है।

टी20 वर्ल्ड कप का हीरो, आईपीएल में जीरो

अब नहीं खेलना चाहते जसप्रीत बुमराह, मुंबई इंडियंस के लिए बने सिरदर्द

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में जसप्रीत बुमराह की दुर्दशा देखकर बुरा लगता है। बुरा लगता है कि कैसे नौसिखिए बल्लेबाज दुनिया के महानतम बॉलर को सिर के ऊपर से छक्का मार रहे हैं। जो बुमराह चंद महीने पहले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए विकेट पर विकेट ले रहे थे, वो आईपीएल में कैसे विकेट के लिए तरस रहे हैं। बुरा लगता है कि, जिस पेसर ने टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाया, उसे मुंबई इंडियंस पर बोझ माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह शुरुआती पांच मैच में तो एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। अपने पहले विकेट की तलाश में उन्हें छह मैच का इंतजार करना पड़ा।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ साई सुदर्शन का शिकार कर उन्हें आखिरकार अपना पहला विकेट मिला। इस मैच से पहले बुमराह का प्रदर्शन खराब रहा था और मुंबई इंडियंस के पहले पांच मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। सुदर्शन को गोल्डन डक पर आउट करने वाले उनके विकेट ने मुंबई इंडियंस की जीत की नींव रखी,

क्योंकि गुजरात टाइटंस को 99 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा। जसप्रीत बुमराह के टी-20 रिकॉर्ड पर नजर डालें तो ट्रेविस हेड और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी उन्हें कभी छक्का नहीं मार पाए। लेकिन आईपीएल 2026 के इस मुश्किल दौर में दोनों ने उन्हें छक्के जड़े। युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने भी बुमराह पर हमला बोलते हुए एक ही ओवर में दो छक्के जड़े। इससे बुमराह की मौजूदा खराब फॉर्म साफ झलकती है। खराब फॉर्म मुंबई इंडियंस की लय बरकरार रखने में आ रही मुश्किलों का एक कारण हो सकता है।

राजस्थान के हेड कोच ने ई-सिगरेट पीने वाले रियान पराग की तारीफ के पुल बांधे

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में रियान पराग अपने प्रदर्शन की वजह से तो खबरों में नहीं हैं लेकिन उनका एक विवाद जरूर उन्हें सुर्खियों में ले आया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान ये खिलाड़ी ई-सिगरेट पीता नजर आया था जो कि भारत में बैन है। इसके बाद बीसीसीआई ने इस खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया और अब राजस्थान रॉयल्स पर भी कार्रवाई हो सकती है। अब रियान पराग की इस हरकत पर हेड कोच कुमार संगकारा ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि रियान पराग की इस हरकत ने निश्चित तौर पर टीम पर एक पॉजिटिव प्रभाव नहीं डाला है। राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगकारा ने कहा, 'मुझे लगता है कि किसी भी तरह का विवाद जाहिर तौर पर टीम पर सकरात्मक प्रभाव नहीं डालता है। मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी दोनों ने इन दोनों घटनाओं पर ध्यान दिया है। और जहां तक संस्कृति की बात है, हम हमेशा एक सकारात्मक और स्वस्थ संस्कृति बनाए रखने की कोशिश करते हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में नहीं होगी 4 बार के चैंपियन की वापसी

रेसलमेनिया के बाद ट्रिपल एच ने दिया था झटका

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। डब्ल्यू डब्ल्यू ई ने हाल ही में 20 से ज्यादा रेसलर्स को कंपनी से रिलीज कर दिया। मेन रोस्टर के भी 14 स्टार्स की छुट्टी कर दी गई है। कायरी सेन को भी निकाल दिया गया है। वो ओस्का के साथ बढ़िया स्टोरीलाइन में थीं। उनको रिलीज किया जाना किसी को समझ नहीं आया। उनके जाने से हड़कंप मच गया है। वीकली एपिसोड में उन्हें वापस लाए जाने के चैंट्स लगाए जा रहे हैं। लोगों को उम्मीद है कि उनकी वापसी करा दी जाएगी, लेकिन अब मुश्किल लग रहा है। उन्हें लेकर रिपोर्ट में बुरी खबर सामने आ रही है। कायरी सेन लंबे समय से डब्ल्यू डब्ल्यू ई में काम कर रही थीं।

उन्होंने अपने काम से सभी का दिल जीता। वुमेंस डिवीजन में उन्होंने अपने बड़ा नाम बना लिया। रेसलवोट्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि डब्ल्यू डब्ल्यू ई इस बार झुककर भी कायरी को वापस नहीं लाने वाला है। डब्ल्यू डब्ल्यू ई को उम्मीद है कि उनका नाम का ट्रेंड बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। पिछले साल कैरियन क्रॉस को लेकर भी ऐसा ही बवाल हुआ था। कुछ टाइम बाद फैंस शांत हो गए थे। डब्ल्यू डब्ल्यू ई को इस बार भी ऐसी ही उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, "सबसे अहम सवाल ये है कि क्या हम आर-ट्रुथ की तरह कोई उलटफेर देख सकते हैं? नहीं। ट्रुथ के लिए डब्ल्यू डब्ल्यू ई को झुकना पड़ा था। आप एक साल के अंदर दोबारा ऐसा नहीं कर सकते हैं।

जब किसी को लाने के लिए आवाजें तेज होती हैं, तो लोग उम्मीद करने लग जाते हैं। कैरियन क्रॉस का मामला ऐसे ही खत्म हो गया था। डब्ल्यू डब्ल्यू ई ने कायरी सेन को लेकर भी ये ही उम्मीद लगाई है। डब्ल्यू डब्ल्यू ई ने एलिस्टर ब्लैक और जेलिना वेगा को भी रिलीज कर दिया। ब्लैक ने पिछले साल ही अप्रैल में कंपनी में दोबारा वापसी की थी। वायट सिक्स ग्रुप को भी बाहर कर दिया गया है। इस ग्रुप को अंकल हाउडी लीड कर रहे थे। अपोलो क्रूज की भी छुट्टी कर दी गई है। वैसे रेसलमेनिया के बाद हर साल रेसलर्स को निकाला जाता है। इस बार भी ऐसा ही देखने को मिला।

'किस्मत हो तो ऐसी'

हारने के बाद भी सेमीफाइनल में पहुंची ये टेनिस खिलाड़ी, रच दिया इतिहास

मैड्रिड, 1 मई (एजेंसियां)। अनास्तासिया पोटापोवा ने निराशा को इतिहास में बदलते हुए डबल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बनकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने मैड्रिड ओपन में करोलिना प्लिस्कोवा को 6-1, 6-7(4), 6-3 से हराया। अब सेमीफाइनल में पोटापोवा का सामना मार्ता कोस्ट्युक से होगा, जिन्होंने लिंडा नोस्कोवा को 7-6(1), 6-0 से हराया। कोस्ट्युक ने पिछले साल मैड्रिड में चौथे दौर में पोटापोवा को हराया था। रूस में जन्मी ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी ने मुख्य ड्रॉ में मिले अप्रत्याशित मौके का पूरा फायदा उठाया और उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में पूर्व विश्व नंबर-1 प्लिस्कोवा को चौंका दिया, जबकि उन्होंने तीन मैच प्वाइंट भी गंवाए।

पोटापोवा के इस शानदार सफर में फ्रेंच ओपन की पूर्व चैंपियन जेलिना ओस्टापेंको और विश्व नंबर-2 एलेना रिबाकिना पर जीत भी शामिल है।जब उनसे पूछा गया कि क्या क्वालिफाइंग में हार के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद की थी तो बिना वरीयता वाली पोटापोवा ने कहा नहीं, बिल्कुल नहीं किसी भी कीमत पर नहीं। यही हमारे खेल को खूबसूरत बनाता है। मुझे दूसरा मौका मिला और अब मैं यहां हूं। मैं बहुत खुश हूं।

इस समय मेरे जीवन में इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। मैच में पहले सेट में आसानी से जीत हासिल करने के बाद पोटापोवा दूसरे सेट में तीन मैच प्वाइंट हासिल कर आसान जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं। लेकिन प्लिस्कोवा ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेक तक पहुंचाया और स्कोर बराबर कर दिया। निर्णायक सेट में पोटापोवा 3-1 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और 10वें ऐस के साथ जीत दर्ज की।

जीटी बनाम आरसीबी

व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान नहीं दे रहे भुवनेश्वर कुमार, टीम के लक्ष्य को बताया महत्वपूर्ण

अहमदाबाद, 1 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। भुवनेश्वर इस सीजन विकेट लेने में सफल रहे हैं और फिलहाल पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। भुवनेश्वर का हालांकि मानना है कि वह व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और उनके लिए टीम के लक्ष्यों को पूरा करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरसीबी की तरफ से गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनकी टीम को हालांकि इस मैच में हार का सामना करना पड़ा।

भुवनेश्वर ने कहा, पर्पल कैप मिलना अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूं जहां मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ हासिल करना चाहता था। निश्चित रूप से मैं कुछ हासिल करना चाहता हूं। लेकिन अब यह टीम से जुड़ा हुआ है। अब मैं युवा नहीं हूं। जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना चाहते हैं और यह अच्छा प्रदर्शन करने पर ही आपको मिलते हैं। लेकिन जब आप टीम के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करते हैं और तब आपको कोई व्यक्तिगत पुरस्कार या इनाम मिलता है, तो अच्छा लगता है।

लेकिन सच कहूं तो मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। टीम प्रबंधन ने मेरा हौसला बढ़ाया है। भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि इस सत्र में सभी मैदानों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। उन्होंने कहा, अगर आप इस बार आईपीएल को देखें तो किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो गया है।

हमने टॉस नहीं जीता। हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया था। हमने गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। अब नतीजा यह है कि हम हार गए। हम रन बचाकर मैच नहीं जीत सकते थे। हम विकेट लेकर जीत सकते थे और जिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वे विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे।

आप हर मैच में हर विभाग में परफेक्ट नहीं हो सकते। हमने पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छी बल्लेबाजी की थी।

14 साल की टेनिस खिलाड़ी का बड़ा कारनामा

अपने जन्म से पहले बने सानिया मिर्जा का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। भारत के टेनिस खिलाड़ी जेंसी कनाबर ने महज 14 साल और पांच महीने की उम्र में इतिहास रच दिया। वह किसी प्रोफेशनल सिंगल्स इवेंट के क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। अभी तक यह रिकॉर्ड सानिया मिर्जा के नाम था।

उनका रिकॉर्ड करीब 25 साल तक रहा लेकिन जेंसी कनाबर ने अब उसे तोड़ दिया है। सानिया ने 14 साल 5 महीने और 11 दिन की उम्र में पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। जेंसी कनाबर ने आईटीएफ डब्ल्यू 15 नई दिल्ली टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 में संदीप्ति सिंह राव को 6-3, 7-5 से हराया। दोनों ही खिलाड़ियों के बीच इस मुकाबले में कांटे की टक्कर देखने को मिली। कनाबर ने चार सेट पॉइंट बचाने के बाद मैच को अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही वह क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई।

उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत जया कपूर पर 6-1, 6-1 की शानदार जीत के साथ की थी। यह उनके करियर का दूसरा ही आईटीएफ इवेंट है। जेंसी कनाबर के करियर का ग्राफ काफी तेजी से ऊपर बढ़ रहा है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन अंडर-14 का खिताब जीता था। उन्होंने फाइनल में पहला सेट हारने के बाद मुसेम्मा सिलेक को 3-6, 6-4, 6-1 से हराया था। वह गुजरात के जूनागढ़ की रहने वाली हैं। उनका जन्म 30 नवंबर 2011 को हुआ था। जेंसी ने बहुत कम उम्र में ही ट्रेनिंग शुरू कर दी थी और जूनियर सर्किट में अपना लोहा मनवा चुकी हैं।

उनकी इस तरक्की की झलक रैंकिंग में भी देखने को मिलती है। वे ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन की गर्ल्स अंडर-14 और 'अंडर-16' कैटेगरी में नंबर 1 स्थान पर पहुंच गईं। इसके अलावा, 2026 की शुरुआत तक उन्होंने एआईटीए की विमेंस सिंगल्स रैंकिंग में भी अपनी जगह बना ली थी।

क्यों रोमन रेन्स की डब्ल्यूडब्ल्यूई बैकलैश 2026 में शर्मनाक हार हो सकती है?

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। डब्ल्यू डब्ल्यू ई का अगला प्रीमियम लाइव इवेंट बैकलैश 2026 होगा। 9 मई को फैंस को ताबड़तोड़ एक्शन देखने को मिलेगा। मैच कार्ड भी धीरे-धीरे तैयार किया जा रहा है। शो में रोमन रेंस भी एक्शन में नज़र आएंगे। जेकब फाटू के खिलाफ वो अपनी वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप को डिफेंड करेंगे। इस ड्रीम मैच का इंतजार फैंस लंबे समय से कर रहे थे। अभी तक रेंस के ऊपर फाटू हावी रहे हैं। यहां हम पांच कारणों की बात करेंगे कि क्यों बैकलैश 2026 में रेंस की शर्मनाक हार हो सकती है। 2020 से 2024 तक रोमन रेंस 1316 दिन तक चैंपियन रहे थे। ट्रिपल एच के राज में किसी भी रेसलर का टाइटल रन लंबा नहीं चल रहा है। लगातार नए चैंपियन देखने को मिल रहे हैं। इससे पता चलता है कि रोमन का टाइटल रन भी लंबा नहीं जाएगा।

ये एक बड़ा कारण है कि बैकलैश 2026 में उनकी हार हो सकती है। डब्ल्यू डब्ल्यू ई बैकलैश 2026 में जे उसो और जिमी उसो भी बड़ा खेला कर सकते हैं। वो रोमन रेंस को धोखा देकर जेकब फाटू से हाथ मिला सकते हैं। आप सभी जानते हैं कि इनके बीच मनमुटाव हमेशा से रहा है। इस कारण से भी

रोमन की वहां पर हार हो सकती है। जेकब फाटू उभरते हुए स्टार हैं। पिछले कुछ सालों से वो बढ़िया काम कर रहे हैं। उन्हें ट्रिपल एच इस बार बड़ा पुश दे सकते हैं। रोमन रेंस के साथ उनकी टक्कर जबरदस्त होगी। फाटू कह चुके हैं कि उन्हें रोमन का सबकुछ चाहिए।

ये भी एक कारण है कि रेंस की प्रतिक्रिया 2026 में हार हो सकती है। पिछले कुछ सालों से रोमन रेंस का पार्ट-टाइम शेड्यूल रहा है। वो बड़े इवेंट्स में ही नज़र आए हैं। रोमन हॉलीवुड में भी काम कर रहे हैं। उनका लगातार टीवी पर बने रहना काफी मुश्किल है। ये भी एक बड़ा कारण है कि बैकलैश 2026 में वो अपना टाइटल हार सकते हैं।

टीम इंडिया में 4 साल बाद वापसी करेगा ये दिग्गज गेंदबाज

सहवाग ने कहा- बुमराह के साथ बने जोड़ी

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026: टी20 फॉर्मेट हमेशा से युवा खिलाड़ियों का खेल माना जाता है। लेकिन आईपीएल 2026 में 36 साल एक भारतीय खिलाड़ी सब पर भारी पड़ रहा है। इस खिलाड़ी का नाम भुवनेश्वर कुमार हैं। 36 साल के भुवनेश्वर कुमार के लिए आईपीएल का ये सीजन अभी तक काफी शानदार रहा है। वह पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे चल रहा है। लेकिन उन्होंने टीम इंडिया के लिए पिछले 4 साल से एक भी मैच नहीं खेला है। ऐसे में पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने सिलेक्टर्स से अपील की है कि वे भुवनेश्वर कुमार को टी20 फॉर्मेट में वापसी का मौका दें।

सहवाग ने आईपीएल 2026 में भुवनेश्वर कुमार के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए उन्हें विंटेज भुवी करार दिया। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर अभी भी अपनी पुरानी धार और स्किल दिखा रहे हैं। खास बात यह है कि वे मजबूत टीमों के टॉप बल्लेबाजों के खिलाफ

लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। क्रिकबज के साथ एक बातचीत में सहवाग ने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। हर मैच में वो दो से तीन विकेट ले रहे हैं, और आज भी उन्होंने तीन विकेट लिए। कभी-कभी मुझे लगता है कि अगर आज उनकी उम्र 35 या 36 भी है, तो क्या फर्क पड़ता है? अगर वो इतनी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, तो उन्हें टी20 क्रिकेट में वापसी के लिए जरूर मौका दिया जाना चाहिए, या सहवाग ने आगे कहा, 'बुमराह और भुवनेश्वर कुमार की जोड़ी एक बार फिर मजबूत साबित हो सकती है। वह नई और पुरानी दोनों गेंदों से गेंदबाजी करते हैं।

उनकी गेंदबाजी देखना वाकई आनंददायक है क्योंकि पुराने भुवनेश्वर कुमार की झलक फिर से नजर आ रही है। वह सिर्फ एक-दो टीमों के खिलाफ नहीं, बल्कि टॉप के बल्लेबाजों के खिलाफ गेंदबाजी कर रहे हैं। अब तक उन्होंने जिन भी टीमों के खिलाफ गेंदबाजी की है, उन सभी के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।' भुवनेश्वर कुमार इस सीजन में पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं।

उन्होंने 9 मैचों में 17 विकेट चटकाए हैं और इकोनॉमी भी 7।54 की रही है। इनमें से 13 विकेट तो उन्होंने पिछले 5 मैचों में चटकाए हैं। इस दौरान दिल्ली के खिलाफ तो उन्होंने 3 ओवर में 5 रन देकर 3 विकेट अपने नाम कर लिए थे।

मिचेल सेंटनर के कंधे में ग्रेड-3 एसीएल इंजरी, आईपीएल में लगी चोट के कारण रहेंगे बाहर

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के वनडे और टी20 कप्तान मिचेल सेंटनर आईपीएल 2026 में चोटिल हो गए थे। वह मुंबई इंडियंस की टीम का हिस्सा थे। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में कार्तिक शर्मा का कैच लेने के दौरान सेंटनर का बाएं कंधे में चोट लगी थी। वह आईपीएल से बाहर हो चुके हैं और उनकी जगह मुंबई इंडियंस की टीम में केशव महाराज शामिल भी किए जा चुके हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने जानकारी दी है कि मिचेल सेंटनर के कंधे में ग्रेड-3 एसीएल इंजरी है। इसकी वजह से वह कम से कम एक महीने तक मैदान से दूर रहेंगे। 34 साल के सेंटनर इसी हफ्ते अपने भारत से न्यूजीलैंड लौटे। आज सुबह एक विशेषज्ञ से मिले, जिन्होंने कम से कम एक महीने के आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी है। 27 मई से न्यूजीलैंड को आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलना है। इसके बाद टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलेंगे। सैंटनर आयरलैंड टेस्ट के साथ ही इंग्लैंड सीरीज के पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

तेलंगाना में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध : विवेक

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खनन मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा है कि तेलंगाना सरकार श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

शुक्रवार को हैदराबाद स्थित रवींद्र भारती में आयोजित मजदूर दिवस कार्यक्रम में उन्होंने पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव, बेल्लमपल्ली विधायक जी. विनोद, पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वंशी कृष्णा, श्रमिक नेताओं और अधिकारियों के साथ भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि पहले श्रमिकों को बुनियादी अधिकारों की कमी, लंबे कार्य घंटे और न्यूनतम वेतन न मिलने जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि पूर्व नेताओं ने श्रमिकों के अधिकारों के लिए कड़ा संघर्ष किया। अपने पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री काका वेंकटस्वामी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में बड़े पैमाने पर श्रमिक आंदोलन हुए थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रबंधन और श्रमिकों के बीच सहयोग का माहौल बेहतर हुआ है और दोनों मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं, जिसमें श्रमिकों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि राज्य में 120 उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों के माध्यम से लगभग 20 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और श्रमिकों के बच्चों को विशेष अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करने की भी जानकारी दी, जिससे उत्पादकता बढ़ाई जा सके। उन्होंने बताया कि बजट में श्रम विभाग के लिए 90 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। टॉमकॉम के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षण देकर जर्मनी जैसे देशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मंत्री ने यह भी घोषणा की कि निर्माण श्रमिकों के लिए बीमा राशि 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है और हमालों के कल्याण के लिए भी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सोच से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म आधारित श्रमिकों को कानूनी सुरक्षा देने के लिए विशेष कानून बनाया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा योजना के माध्यम से श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं और इन्हें और विस्तारित करने के प्रयास जारी हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उनके लिए जितना भी किया जाए, वह कम है।

उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को उसके काम के आधार पर छोटा नहीं समझना चाहिए और सभी को सम्मान मिलना चाहिए। पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वंशी कृष्णा ने कहा कि बी.आर. अम्बेडकर ने संविधान में श्रमिकों के अधिकारों को विशेष महत्व दिया था। उन्होंने कहा कि आठ घंटे कार्य दिवस का सिद्धांत आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रहा है। कार्यक्रम में श्रम विभाग की सचिव दासरी हरिचंदना, श्रम आयुक्त पामेला सत्पथी, श्रमिक नेता और बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

मजदूर दिवस पर पर्यटन कर्मियों ने उठाई अधिकारों और सुविधाओं की मांग

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पर्यटन निगम के कर्मचारियों ने शुक्रवार को मजदूर दिवस के अवसर पर लाल झंडा फहराकर अपने अधिकारों और कल्याण संबंधी मांगों को दोहराया।

राज्य महासचिव सब्बू राजामौली ने कहा कि लाल झंडा शिकागो के हेमार्केट आंदोलन से शुरू हुए श्रमिकों के ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि संगठन ने निगम में समान काम के लिए समान वेतन की व्यवस्था लागू कराने में सफलता प्राप्त की है।

कर्मचारियों ने बाहरी कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष करने और नियमित सरकारी कर्मचारियों के समान ग्रेच्युटी सुविधा देने की मांग की। कार्यक्रम में कई श्रमिक नेता और कर्मचारी शामिल हुए, जिन्होंने रोजगार सुरक्षा और बेहतर सुविधाओं की अपनी मांगों को दोहराया।

इस अवसर पर नजर वल्ली, हाजी मियां, शंकर राव, रेड्डी, रामचंद्रैया, देवी सिंह, कृष्णा, चारी, श्रीनिवास रेड्डी, मौलाली, कृष्णा रेड्डी, किरण, सुदर्शन रेड्डी, शेखर, श्रीनु सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीवी आनंद ने तेलंगाना के डीजीपी का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सी.वी. आनंद ने शुक्रवार को लकड़ी का पुल स्थित पुलिस मुख्यालय में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पदभार संभालने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में ही रहकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर पूरा ध्यान दें। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए जिला अधिकारियों द्वारा राज्य मुख्यालय में शिष्टाचार भेंट करने की परंपरा को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को उनसे मिलने के लिए हैदराबाद आने की आवश्यकता नहीं है और उन्हें अपने कार्यालयों में समय पर उपस्थित रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अनावश्यक यात्रा को कम करना जरूरी है, ताकि समय और सार्वजनिक संसाधनों का सही उपयोग हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं अधिकारियों से मुलाकात करेंगे या संबंधित जिलों का दौरा करेंगे। आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ अपराधियों के तौर-तरीकों को देखते हुए पुलिस विभाग में उन्नत तकनीकों, जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, का अधिक उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस में वर्तमान में लगभग 19 हजार पद रिक्त हैं और बल को मजबूत बनाने के लिए भर्ती और प्रशिक्षण प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है।

9 मई को हैदराबाद में दिखेगा 'शून्य छाया दिवस'

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जी.पी. बिड़ला पुरातात्विक, खगोल एवं वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान द्वारा 9 मई 2026 को बी.एम. बिड़ला विज्ञान केंद्र में 'शून्य छाया दिवस' के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह दुर्लभ खगोलीय घटना तब होती है, जब सूर्य ठीक सिर के ऊपर होता है और खड़े वस्तुओं की छाया बिल्कुल दिखाई नहीं देती। बिड़ला तारामंडल में यह कार्यक्रम सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित होगा, जबकि इसका मुख्य समय दोपहर 12:12 बजे रहेगा, जब सूर्य ठीक सिर के ऊपर होगा।

कार्यक्रम में मार्गदर्शित सूर्य अवलोकन सत्र, विज्ञान से जुड़े रोचक प्रदर्शन और विद्यार्थियों के लिए प्रयोगात्मक गतिविधियां शामिल रहेंगी। यह कार्यक्रम सभी के लिए निःशुल्क और खुला है। आयोजकों ने लोगों से अपील की है कि वे इस अनुभव को देखने के लिए छाता, पानी की बोतल और पैमाने जैसी सामान्य वस्तुएं साथ लाएं, ताकि छाया के समाप्त होने को आसानी से देखा जा सके।

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म के मामले में पिता को 20 वर्ष की सजा

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल-मलकाजगिरी जिले की एक विशेष त्वरित अदालत ने नाबालिग बेटी से दुष्कर्म के मामले में 37 वर्षीय आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी असगर अली, जो मूल रूप से बिहार का निवासी है और जीडीमेटला के सुभाष नगर स्थित गंपला बस्ती में रहता था, पर 35 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला जीडीमेटला थाने में दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, यह मामला 6 मई 2025 को सामने आया, जब पीड़िता की मां ने शिकायत दर्ज कराई। परिवार वर्ष 2019 में रोजगार की तलाश में हैदराबाद आया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी, जो शराब का आदी था और अक्सर हिंसक व्यवहार करता था, ने अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ कई बार दुष्कर्म किया। घटना का खुलासा तब हुआ जब छोटी बेटी ने अपनी मां को इस बारे में बताया। मां द्वारा पूछताछ करने पर आरोपी ने कथित रूप से अपना अपराध स्वीकार किया, इसे गलती बताया, फिर हिंसक हो गया और वहां से फरार हो गया। पुलिस ने जांच के दौरान साक्ष्य जुटाकर 8 मई 2025 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जांच पूरी होने के बाद भारतीय न्याय संहिता और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत आरोप पत्र दाखिल किया गया। सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष न्यायाधीश के. वेंकटेश ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई और पीड़िता को 3 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया।

व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दाम हैदराबाद में कीमत 3315 रुपये

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी कर दी है। इसके बाद हैदराबाद में एक व्यावसायिक सिलेंडर का दाम 3315 रुपये तक पहुंच गया है, जबकि दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 3071 रुपये हो गई है। यह 19 किलोग्राम वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दाम में तीसरी बढ़ोतरी है, जो पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से बढ़े तनाव के बाद की गई है। इस बढ़ोतरी से होटल, रेस्टोरेंट, फास्ट फूड दुकानें और बेकरी जैसे कारोबार पर काफी असर पड़ने की संभावना है।

हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस निर्णय से आम जनता को कुछ राहत मिली है, क्योंकि सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न डालने के उद्देश्य से इनकी कीमत स्थिर रखी है। इसी बीच पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं विमान ईंधन की कीमतों में भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, जिससे विमानन क्षेत्र को राहत मिली है।

सामाजिक न्याय के मुद्दे पर बीसी नेताओं का केंद्र पर दबाव बढ़ाने की मांग

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री बोडा जनार्दन और बीसी दल के प्रमुख दुंद्रा कुमारस्वामी सहित 20 बीसी संगठनों के नेताओं ने के. कविता से मुलाकात कर केंद्र सरकार पर पिछड़ा वर्ग (बीसी) के अधिकारों के लिए दबाव बढ़ाने की मांग की। बैठक में बीसी आरक्षण, जातीय गणना और महिलाओं के प्रतिनिधित्व जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की गई। नेताओं ने चल रही गणना में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए अलग श्रेणी नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि विश्वसनीय आंकड़ों के अभाव में नीतियां प्रभावी नहीं बन पाएंगी। नेताओं ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का समर्थन करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए इसमें पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए अलग उप-आरक्षण होना चाहिए।

उन्होंने जनसंख्या के आधार पर आरक्षण लागू करने, बीसी आरक्षण विधेयक लाने, अलग बीसी मंत्रालय बनाने और बीसी संरक्षण कानून लागू करने की मांग की। नेताओं ने कहा कि चल रही डिजिटल गणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए अलग श्रेणियां हैं, लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग को शामिल नहीं करना गंभीर चूक है।

टीजीएसआरटीसी की चेकर टीम पर कंडक्टर का हमला, मामला दर्ज

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने संगारेड्डी जिले के रायकोड मंडल केंद्र में हुई एक गंभीर घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है, जिसमें निरीक्षण कार्य में लगे अधिकारियों पर हमला किया गया। शुक्रवार को सुबह लगभग 8:30 बजे टीजीएसआरटीसी मुख्यालय की एनफोर्समेंट स्क्वाड टीम द्वारा पेड़दोड्डी येसैया (टीटीआई इंचार्ज) और वी. प्रकाश (टीटीआई) के नेतृत्व में ज़हीराबाद-नारायणखेड मार्ग पर बसों की जांच की जा रही थी। इस दौरान झरासंगम मंडल के काप्पड गांव के पास नारायणखेड डिपो की बस (नं. टीजी15-जेड-0082) को जांच के लिए रोका गया। जांच में पाया गया कि कंडक्टर देवसोत वसंत ने एक यात्री से 20 वसूले थे, लेकिन टिकट जारी नहीं किया गया था। नियमों के अनुसार जब अधिकारियों द्वारा कंडक्टर को चार्ज मेमो जारी करने की प्रक्रिया शुरू की गई, तो उसने विवाद शुरू कर दिया। कंडक्टर देवसोत वसंत ने न केवल अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया, बल्कि यात्रियों को भी उनके खिलाफ भड़काया। इसके बाद उसने अधिकारियों पर हमला किया और सरकारी दस्तावेज (चार्ज मेमो एवं एमटीडी 353 बुक) छीना। इस हमले में टीटीआई इंचार्ज येसैया की बाईं हाथ की उंगली में चोट लगी, जबकि टीटीआई वी. प्रकाश के माथे पर गंभीर चोट आई। घटना के बाद पीड़ित अधिकारी येसैया ने रायकोड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर क्राइम नंबर 46/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 121(1) के तहत कंडक्टर देवसोत वसंत तथा घटना में शामिल यात्रियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई. नागी रेड्डी ने इस घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि संस्थान में अनुशासनहीनता और हिंसा को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केवल बिना टिकट यात्रा के मामले से बचने के लिए अधिकारियों पर हमला करना गंभीर अपराध है।

भारत के खेल भविष्य की रणनीति पर हैदराबाद में मंथन

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। देश में विश्वस्तरीय खेल व्यवस्था विकसित करने को लेकर हैदराबाद में आयोजित एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी में खेल, नीति और उद्योग जगत के प्रमुख विशेषज्ञों ने विचार-विमर्श किया। खेल से आगे: उत्कृष्टता का व्यावसायिक पक्ष विषय पर आयोजित इस सत्र में भारत के खेल भविष्य की दिशा तय करने पर चर्चा हुई। इस मंच की स्थापना गिरीश मलपानी ने की है, जबकि तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन इसके सह-संस्थापक हैं।

सत्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा, भारतीय खेल प्राधिकरण की लक्षित ओलंपिक पोडियम योजना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कर्नल नच्छत्तर सिंह जोहल, खेल इतिहासकार बोरिया मजूमदार और अभिनेत्री मंदीरा बेदी सहित कई विशेषज्ञ शामिल हुए। चर्चा का संचालन जयेश रंजन ने किया।

इस दौरान यह घोषणा की गई कि अभिनव बिंद्रा को प्रस्तावित तेलंगाना खेल विश्वविद्यालय द्वारा पहला मानद डॉक्टरेट प्रदान किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि भारत को ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन के लिए जमीनी स्तर पर खेलों का विकास, पेशेवर ढांचा और मजबूत नीतिगत समर्थन आवश्यक है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग की सफलता का उदाहरण देते हुए खेल क्षेत्र में संगठित प्रयासों की जरूरत बताई। अभिनव बिंद्रा ने आने वाले वर्षों को खेलों का दशक बताया, वहीं जोहल ने खेल संघों को एक बड़ी बाधा बताया। बोरिया मजूमदार ने खेल संस्कृति के निर्माण में मीडिया की भूमिका पर जोर दिया, जबकि मंदीरा बेदी ने महिला खेलों की बढ़ती भागीदारी और पहचान को रेखांकित किया। इस सत्र में भारत की खेल अर्थव्यवस्था के बढ़ते महत्व और विभिन्न क्षेत्रों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

यात्रियों से लूटपाट व चोरी के मामलों के पांच गिरफ्तार

ट्रेन यात्रियों के हैंडबैग की जिप खोलकर करते थे चोरी

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीआरपी एवं आरपीएफ सिकंदराबाद की संयुक्त टीम ने दो अलग-अलग आपराधिक मामलों में महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा चोरी गए सोने के आभूषण, नकदी एवं हथियार बरामद किए।

पहला मामले में अंतरराज्यीय 'जिप ऑपरेटिंग' गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। रेलवे पुलिस एवं आरपीएफ स्टाफ ने पश्चिम बंगाल के एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया, जो ट्रेन यात्रियों के हैंडबैग की ज़िप खोलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपियों से 72 ग्राम सोने के आभूषण, जिसकी कीमत लगभग 10,80,000 आंकी गई है, बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में बरशा

खैरुयर (26), खुशबू कुमारी (21) एवं उत्तम खैरुयर (21) शामिल हैं, जो पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के निवासी हैं और आपस में रिश्तेदार हैं। जांच में सामने आया कि ये आरोपी आर्थिक तंगी के कारण अन्य राज्यों में ट्रेन यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाएं करते थे। योजना के तहत दो महिलाएं यात्रियों में घुल-मिलकर उनके बैग से सोने के आभूषण चोरी करती थीं, जबकि एक आरोपी निगरानी रखता था। बीते 27 अप्रैल 2026 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस में इसी तरीके से चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। बाद में 1 मई 2026 को पुनः अपराध करने की कोशिश के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर उन्हें पकड़ लिया। दूसरा मामले में हथियार के बल पर लूट व हमला करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी दिन रेलवे पुलिस ने एक अन्य मामले में दो आदतन अपराधियों को भी गिरफ्तार किया, जिनके पास से 200 नकद एवं एक चाकू बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में थंडुर महेंद्र (20) और पगड़ा अंजलि (30) शामिल हैं। दोनों आरोपी नशे के आदी हैं तथा पहले भी विभिन्न थानों में संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त रह चुके हैं। जांच के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 की रात आरोपियों ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन परिसर में एक व्यक्ति को चाकू दिखाकर पैसे की मांग की। विरोध करने पर आरोपी महेंद्र ने पीड़ित पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया तथा अंजलि ने उसकी जेब से 500 लूट लिए। बाद में दोनों मौके से फरार हो गए थे। दोनों मामलों में आरोपियों को आज को रेलवे स्टेशन के आसपास से संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया। यह कार्रवाई आरपीएस सिकंदराबाद के एसएचओ बी. साईश्वार गौड़, एसआईआरपी एस.वी. सुब्बा रेड्डी, टी. माधव एवं क्राइम टीम तथा महिला स्टाफ की सहायता से, आरपीएफ आईपीएफ भवानी शंकर सरस्वत और उनकी टीम के सहयोग से की गई।

आईजीपी रेलवे एवं रोड सेफ्टी के. रमेश नायडू (आईपीएस) ने इस सफल कार्रवाई के लिए पुलिस टीम की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की।

योग दिवस से पहले तेलंगाना में योग महोत्सव

आज कन्हा शांति वनम में आयोजन

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की उलटी गिनती के तहत 2 मई को हैदराबाद के पास कन्हा शांति वनम में भव्य योग महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय के अंतर्गत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो योग के वैश्विक उत्सव के लिए 50 दिन की शुरूआत का प्रतीक है। कार्यक्रम सुबह 6 बजे से शुरू होगा, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में योग प्रेमियों के भाग लेने की संभावना है। सभी प्रतिभागी साझा योग अभ्यास क्रम का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण भुजंगासन का सामूहिक प्रदर्शन होगा, जिसके माध्यम से एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही हार्टफुलनेस संस्था के अध्यक्ष कमलेश डी. पटेल भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने योग 365 अभियान के तहत लोगों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की, जिससे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, संयुक्त सचिव मोनालिसा दास सहित वरिष्ठ अधिकारी, योग विशेषज्ञ, आयुष पद्धति और आधुनिक चिकित्सा के विशेषज्ञ तथा देशभर के योग साधक भाग लेंगे। इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भागीदारी होगी। विभिन्न देशों के प्रतिनिधि और हार्टफुलनेस संस्था के सदस्य सिंगापुर, चीन, वियतनाम, कोलंबिया, मलेशिया, ब्राजील और युगांडा सहित कई स्थानों से आभासी रूप से जुड़ेंगे। कार्यक्रम के दौरान आयुष आहार भी वितरित किया जाएगा। यह महोत्सव अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले व्यापक जागरूकता फैलाने के साथ-साथ योग को स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.